रायपुर, शुक्रवार, 01 मई 2026 शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 81

पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

www.navpradesh.com

दैनिक नवप्रदेश

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

हाथों की ताकत, देश की तरक्की, ऊर्जा सुरक्षा के नायक खनिक: दुहन

दुनिया में व्याप्त उर्जा संकट को दृष्टिगत रखते हुए एसईसीएल ने प्रधानमंत्री कार्यालय से मिले निर्देशानुसार काफी पहले से ही तैयारी करना प्रारंभ कर दिया था उसी का परिणाम है कि देश में कही भी बिजली का संकट नहीं है, कोयला उत्पादन को दस प्रतिशत तक बढ़ा लिया गया है और बढ़ रही उत्पादन लागत की परवाह किए बिना जनता पर बिना कोई अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाले हमारे खनिक देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर विकास कर रहे हैं। खनिको का समर्पण इस आपदा में काबिले तारीफ है और आज श्रम दिवस पर उन सारे श्रमिक साथियों का अभिनंदन करना चाहता हूँ। हम देश की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता, और कर्तव्य पालन हेतु प्रतिबध्द हैं। उक्त बातें एसईसीएल के सीएमडी श्री हरीश दुहन ने नवप्रदेश की टीम के साथ विशेष साक्षात्कार के दौरान कही।

उन्होंने खनिको के लिए किए जा रहे कल्याण कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि हम न केवल कार्यक्षेत्र मे ही श्रमिक का ध्यान रख रहे हैं बल्कि उनके घर परिवार और बच्चों को भी अपने साथ जोड़ा है, क्योंकि हमारा मानना है कि यदि खनिक का परिवार खुश है तो उसकी कार्यक्षमता ज्यादा बढ़ जाती है।

उन्होंने बताया कि बच्चों को उच्च तकनीकी शिक्षा, उनकी रुचि के अनुसार शिक्षकीय क्षमता में वृध्दि, एआई के बारे में विस्तृत ज्ञान, तथा स्कूलों में स्वचछता, अच्छा वातावरण निर्माण में भी हम बहुत काम कर रहे हैं। खनिक परिवारों की गृहिणियों के लिए खेल और सास्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया जाता हैं जिसमें इन परिवारों की महिलाएं पारम्परिक भारतीय खेल, संगीत, गायन, वादन, के साथ साथ कुकिंग, तथा उनके छिपे हुए कला कौशल की शानदार अभिव्यक्ति प्रस्तुत करती हैं, यह सारे कार्यक्रम महिलाओं द्वारा गठित श्रध्दा महिला समिति के संयोजन में किए जा रहे हैं।

कंपनी सीएसआर के तहत बिलासपुर के जिला प्रशासन और स्थानीय नेताओं की बेहद प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि शासन प्रशासन के सहयोग से हम एक बेहद महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व का निर्वहन करने जा रहे हैं जिसके अन्तर्गत लगभग पांच एकड क्षेत्र मे समाज के ऐसे बुजुर्गो के लिए आस्थाश्रम बनाया जाएगा जो अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं उन्होने बताया की छोटे परिवार होने के कारण अधिकांश परिवारों के पढ़े लिखे बच्चे नौकरी की वजह से बाहर चले जाते हैं और उनके अभिभावक अकेले रह जाते हैं आस्थाश्रम में ऐसे परिवारों को सर्वसुविधा युक्त आवास के साथ सभी तरह सुविधाएं उपल्बध कराई जाएंगी और उनको एक नए सिरे से जिंदगी जीने का अवसर प्रदान किया जाएगा, इसके अलावा बिलासपुर के स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस चलाने, स्किल डेवलपमेंट के कार्यक्रम करने, प्लास्टिक को एकत्र कर रिसाईक्लींग करने, जंकफूड से हो रहे नुकसान से बच्चों को बचाने, दिव्यांग सहायता करने के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने क्षेत्र के अस्पतालों मे हाईजिन मेंटेन करने के लिए अनेक मशीने तथा शहर सफाई के लिए स्वीपिंग मशीने भी उपलब्ध कराये जाने की जानकारी दी।

सीएमडी हरीश दुहन ने अनेक प्रश्नों के जवाब में वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की आपूर्ति को लेकर विस्तृत बातचीत की। प्रस्तुत है साक्षात्कार के प्रमुख अंश...

Q देश-दुनिया के वर्तमान हालात के मद्देनज़र कोयला एक महत्वपूर्ण ऊर्जा स्रोत बनकर उभरा है। आप इसे कैसे देखते हैं?

-आज वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को लेकर अनिश्चितताएं बढ़ी हैं। ऐसे समय में भारत जैसे तेजी से विकसित हो रहे देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा केवल एक आर्थिक विषय नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता बन चुकी है। भारत की लगभग 70 प्रतिशत बिजली आज भी कोयले पर आधारित है, जो यह स्पष्ट करता है कि कोयला हमारी ऊर्जा व्यवस्था की रीढ़ है। जब हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखते हैं—विशेषकर हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और ऊर्जा संकटों को—तो यह और स्पष्ट हो जाता है कि विश्वसनीय और स्थिर ऊर्जा स्रोतों का होना कितना आवश्यक है। कोयला इस दृष्टि से सबसे भरोसेमंद स्रोत के रूप में उभरा है। एसईसीएल और कोल इंडिया की पूरी टीम 24 घंटे 7 दिन इस दिशा में कार्यरत है कि देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति बिना किसी बाधा के होती रहे। लेकिन इस पूरी व्यवस्था की असली ताकत हमारे खनिक हैं। वे हर परिस्थिति—चाहे वह मौसम की चुनौती हो या कार्य की कठिनता—में निरंतर काम करते हुए देश को ऊर्जा प्रदान करने का दायित्व निभा रहे हैं। वास्तव में, वे देश की ऊर्जा सुरक्षा के सच्चे प्रहरी हैं।

Q हाल ही में समाप्त वित्तीय वर्ष 2025-26 के नतीजों को आप कैसे देखते हैं?

-वित्तीय वर्ष 2025-26 एसईसीएल के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ है। हमने कोल इंडिया की सहायक कंपनियों में एकमात्र कंपनी के रूप में उत्पादन, प्रेषण और ओवरबर्डन निष्कासन—तीनों प्रमुख मानकों में एक साथ सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है, जो हमारी समग्र कार्यक्षमता को दर्शाता है। हमने 176.2 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.26 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार, 178.6 मिलियन टन प्रेषण के साथ 4.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ओवरबर्डन निष्कासन के क्षेत्र में भी हमने 364.3 मिलियन क्यूबिक मीटर का अब तक का सर्वोच्च स्तर हासिल किया। इसके अतिरिक्त, रेल और एफएमसी (First Mile Connectivity) के माध्यम से कोयला प्रेषण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे लॉजिस्टिक्स की दक्षता में सुधार आया है। ये सभी उपलब्धियां इस बात का संकेत हैं कि एसईसीएल केवल उत्पादन ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है।

Q इस सफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण क्या रहा?

-किसी भी संगठन की सफलता उसके लोगों पर निर्भर करती है, और एसईसीएल के संदर्भ में यह पूरी तरह सत्य है। हमारे खनिकों, इंजीनियरों, प्रबंधकों और पूरे कार्यबल ने जिस समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया है, वही इस सफलता की आधारशिला है। इसके साथ ही, हमारी टीम ने भूमि अधिग्रहण के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। वित्तीय वर्ष के दौरान 358 हेक्टेयर भूमि अर्जित की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 867 प्रतिशत अधिक है। यह उपलब्धि भविष्य की परियोजनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और उत्पादन वृद्धि की निरंतरता सुनिश्चित करती है। हमने तकनीकी नवाचार, बेहतर योजना, पारदर्शी प्रक्रियाओं और टीम वर्क पर विशेष ध्यान दिया, जिसके परिणामस्वरूप यह समग्र सफलता संभव हो सकी।

Q आज महिलाएं भी खनन क्षेत्र में आगे आ रही हैं। इस दिशा में एसईसीएल की क्या पहलें हैं?

-खनन क्षेत्र पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान रहा है, लेकिन अब यह धारणा तेजी से बदल ■ शेष पृष्ठ 8 पर

श्रमिकों को मिले उनका अधिकार

आज की परिस्थिति में सभी कंपनी, फैक्ट्री या सरकारी उपक्रमों में नियमित कर्मचारियों की संख्या कम होती जा रही है। नियमित भर्तियां बंद हो रही हैं। कांट्रैक्ट बेस पर भर्तियां की जा रही है। यही वजह है कि श्रमिकों या कर्मचारियों को उनके अधिकार नहीं मिल रहे हैं। मिनिमम वेतन सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिल रहा है। इंटुक सरकार से मांग करती है कि श्रमिकों को अधिकार दे। लंबे संघर्ष के बाद श्रमिकों के हितों के लिये कानून बने हैं, लेकिन श्रमिकों के हित में बने कानूनों का पालन नहीं किया जा रहा है। श्रमिकों को इन कानून का लाभ मिलना चाहिये। नियमित कर्मचारियों को जल्द से जल्द एरियर व अन्य सुविधाओं का लाभ दिया जाना चाहिये। इँटुक इसके लिये लगातार संघर्ष कर रही है।

– **वंश बहादुर**, एनजेसीएस मेंबर, जनरल सेक्रेटरी, इंटुक

कार्पोरेट परस्त सरकार ने लागू किया फोर लेबर कोड्स

वर्तमान सरकार ने कार्पोरेट परस्त चार लेबर कोड लेकर आई है। यह मजदूर विरोधी कानून है। नया श्रम कोड एक अप्रैल से कई राज्यों में लागू हो गया है। पहले की सरकारों ने कानून बनाए थे। सिस्टम कांट्रैक्ट में बदल दिया है। नए कानून से एजुकेशन मेडिकल सुविधाएं खत्म कर रही है। श्रमिकों को निर्धारित मिनिमम वेज नहीं दिया जा रहा है। लगातार शोषण बढ़ रहा है। श्रमिकों को जो जरूरी सुविधाएं मिलनी चाहिये, उनमें कटौती हो रही है। श्रमिकों के अधिकारों को खत्म किया जा रहा है। श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिये आंदोलन कर रहे हैं।

– **सुरेंद्र मोहंती**, जनरल सेक्रेटरी, लोकतांत्रिक इस्पात एवं मजदूर यूनियन

मजदूर श्रमिक को उसका अधिकार मिले। निर्धारित वेतन के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य व अन्य सामाजिक सुरक्षा भी मिलना चाहिये। लेकिन वर्तमान सरकार द्वारा श्रमिकों का शोषण किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा फोर लेबर कोड्स लागू किये गए हैं। ये श्रम कानून श्रमिक विरोधी हैं। पहले के लेबर कानून से काफी सुविधाएं मिलती थी। अब नए कानून के लागू होने के बाद से स्थितियां बदल रही है। सरकार श्रमिकों को बंधुआ मजदूर बना रही है। इसका विरोध किया जा रहा है।

– **जेपी त्रिवेदी**, सहायक महासचिव, सीटू यूनियन

श्रमिकों की स्थिति खराब हो रही

वर्तमान परिस्थितियों में श्रमिकों की स्थिति पहले की अपेक्षा लगातार खराब होती जा रही है। उन्हें न तो पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा मिल रही है और न ही काम की गारंटी एवं लाभार्जन का समुचित लाभ प्राप्त हो रहा है। यह स्थिति श्रमिक वर्ग के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इंटक यूनियन श्रमिकों को संगठित कर उनके अधिकारों की रक्षा हेतु सशक्त संघर्ष कर रही है। श्रमिकों की सुविधाओं एवं अधिकारों में वृद्धि के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। भविष्य में भी हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

– **संजय कुमार साहू**, अध्यक्ष, स्टील ठेका श्रमिक यूनियन इंटक

कारखानों में काम तो है, पर सम्मान नहीं

सीएसईबी सहित विभिन्न उद्योगों में कार्यरत सभी मेहनतकश श्रमिकों को शुभकामनाएं। श्रमिकों की मौजूदा स्थिति बहुत खराब है। आज के दौर में कारखानों में मजदूरों को सिर्फ काम ही नहीं, बल्कि सम्मान भी नहीं मिल रहा है। पहले उद्योगों में काम करने वाले लोगों को कर्मचारी कहा जाता था, लेकिन अब उनकी पहचान ठेका मजदूर और आउटसोर्सिंग श्रमिक के रूप में हो गई है। इस बदलाव से साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि श्रमिकों के सम्मान में कितनी गिरावट आई है। उन्होंने श्रमिकों के अधिकारों और गरिमा को बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

– **अनिल द्विवेदी**, जनता यूनियन के प्रांताध्यक्ष और श्रमिक नेता

1920 में सबसे पहले राजनांदगांव के बीएनसी मिल्स में हुई थी श्रमिकों की हड़ताल

छत्तीसगढ़ में श्रमिक आंदोलन के जनक ठाकुर प्यारेलाल

हनीफ निजामी

भिलाई/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में मजदूर आंदोलन की शुरुआत राजनांदगांव के बीएनसी मिल से हुई। ठाकुर प्यारेलाल सिंह ने इसका नेतृत्व किया था। यही वजह है कि ठाकुर प्यारेलाल को श्रमिक आंदोलन का जनक कहा जाता है। 1920 में 36 दिनों तक चली पहली सफल हड़ताल ने मज़दूरों की 13 घंटे की कार्य अवधि कम करवाई। राजनांदगांव की बंगाल-नागपुर-कॉटन (बीएनसी) मिल में भीषण शोषण (13 घंटे काम) के खिलाफ ठाकुर प्यारेलाल सिंह, शिवलाल मास्टर और शंकर खरे के नेतृत्व में शरू हुई हड़ताल को देश की सबसे लंबी हड़तालों में से एक माना जाता है।

नियोगी थे सबसे बड़े क्रांतिकारी नेता : नियोगी ने मजदूरों को आत्म-सम्मान और समान नागरिकता का भाव दिया। 1977 में छत्तीसगढ़ माइंस श्रमिक संघ की स्थापना की। 1979 में छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा की स्थापना की गई। 1982 में छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा को राजनीतिक मोर्चा बनाया गया। बाद में जनकलाल ठाकुर डौंडीलोहारा विधानसभा क्षेत्र से विधायक भी चुने गए।

दरअसल, सीएमएम का गठन क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान के लिए संघर्ष करने और श्रमिकों और किसानों की स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से किया गया था। सीएमएम ने शराब के दुरुपयोग के खिलाफ सामाजिक अभियान चलाए और श्रमिकों द्वारा वित्तपोषित अस्पताल जैसी सामाजिक परियोजनाएं शुरू कीं।

शहीद अस्पताल जैसे श्रमिक-नेतृत्व वाले संस्थानों की स्थापना और शराब विरोधी अभियान जैसे सामाजिक मुद्दों पर अभियान से सीएमएम की

सफलता का ग्राफ बढ़ता गया। यह काल खंड छत्तीसगढ़ के श्रमिक आंदोलन का स्वर्णिम युग माना जाता है। नियोगी के दिवंगत होने के बाद सीएमएसएस के स्वर्णिम युग की विरासत बचाए रखने में बाद के श्रमिक नेता विफल रहे। ट्रेड यूनियन आंदोलन भी धीरे-धीरे कमजोर होने लगा।

- समृद्ध पृष्ठभूमि से आने वाले नियोगी ने मजदूर का जीवन आत्मसात किया

14 फरवरी 1943 को असम के नौगांव जिले में एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्में नियोगी 1960 के दशक के मध्य में भिलाई आ गए। भिलाई इस्पात संयंत्र में काम करने लगे। भिलाई से ही वे एक ट्रेड यूनियन नेता के रूप में उभरे। जमीनी स्तर के साम्यवादी कार्यकर्ता के रूप में उनकी पहचान पूरे देश में होने लगी। नियोगी ने शुरुआत में इस्पात संयंत्र में काम करने वाले सहकर्मियों को कठोर कार्य परिस्थितियों के खिलाफ संगठित करना शुरू किया, जिसके कारण उन्हें निष्कासित कर दिया गया। निष्कासन के बाद वे सीएमएसएसएस के नेता बन गए। वे अविभाजित सीपीआई के सदस्य थे और 1964 में कम्युनिस्ट आंदोलन में विभाजन के बाद सीपीआई-एम में शामिल हो गए।

नियोगी नक्सलबाड़ी आंदोलन की ओर भी आकर्षित हुए, लेकिन सीपीआई-एमएल के जन संगठनों के बहिष्कार और जन नीति पर उनके रुख की आलोचना के कारण उन्हें नवगठित संगठन से निष्कासित कर दिया गया। पुलिस द्वारा 'नक्सली' करार दिए जाने के बाद, नियोगी भूमिगत हो गए। वे शंकर के छद्म नाम से रहने लगे। याद रहे, उनका मूल नाम धीरेश था। आपातकाल के तुरंत बाद मीसा लागू होने पर वे बचने के लिए भूमिगत रहकर छत्तीसगढ़ के कस्बों और गांवों में घूमते हुए जीवन व्यतीत करते रहे। बस्तर, गढ़चिरोली और दुर्ग के आदिवासियों के बीच रहे। एक उच्च शिक्षित और समृद्ध पृष्ठभूमि से आने वाले बंगाली नियोगी ने मार्क्सवादी दृष्टिकोण से खुद दिहाड़ी मजदूर और कृषि श्रमिक के रूप में काम किया। जंगलों में मजदूरी की। बाद में 1977 में वे दल्ली-राजहारा चले गए। यहीं से उनकी सबसे उल्लेखनीय यात्रा शुरू हुई। इस ट्रेड यूनियन में मुख्य रूप से आदिवासी दिहाड़ी मजदूर शामिल थे, जिनमें नियोगी सचिव और ट्रक चालक सहदेव साहू अध्यक्ष थे। सीएमएसएस में पर्यावरण और स्वास्थ्य सहित अठारह विभाग थे।

संगठन की गतिविधियां खनिकों और ग्रामीणों के आर्थिक संघर्षों तक सीमित नहीं रही। नियोगी ने ट्रेड यूनियन को स्थानीय समाज के लगभग हर पहलू से जोड़ा। सीएमएसएसएस ने कई उल्लेखनीय अभियान चलाए। श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिये ताकतवर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पेट की आग बुझाने के लिए हाड़तोड़ मेहनत करना जरूरी

सुशील शुक्ला

मुंगेली/नवप्रदेश। सरकार भले ही गरीब व मजदूर वर्ग के लिए रोजगार गारंटी और सस्ता चावल देने की योजना चला रही है, लेकिन अभी भी हजारों गरीब परिवार ऐसे हैं, जिनकी रोजी-रोटी हाड़ तोड़ मजदूरी पर ही चलती है। कुछ परिवारों को योजना का लाभ ही नहीं मिल पा रहा है। रोज काम कर पेट की आग बुझाने वाले इन मजदूरों के आगे सूरज की आग भी कोई मायने नहीं रखती। हर सुबह उनको उस दिन परिवार का पेट भरने की चिंता सताती है। मजदूर दिवस क्या है यह भी वे नहीं जानते। वे जानते हैं तो बस इतना कि पेट की आग को बुझाने के लिए हाड़तोड़ मेहनत करना जरूरी है। मजदूरों का कहना है कि धूप किसे नहीं लगती, लेकिन पेट पालने के लिए काम तो करना पड़ेगा। उनका कहना है कि तपती धूप में काम करे वही मजदूर कहलाता है।

मनरेगा का काम गांवों में चलता है फिर भी विभिन्न कारणों से ग्रामीण मजदूर शहर आकर दो जून की रोटी के लिए संघर्ष करने मजबूर हैं। भीषण गर्मी में तापमान जहां एक ओर 45 डिग्री की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है। सामान्य वर्ग के लोग गर्मी से बचने दोपहर में आराम कर रहे ■ शेष पृष्ठ 8 पर

रोजगार की तलाश में घर से दूर शोषण के जाल में फंसते मजदूर

पलायन कर बंधक बने मजदूरों को श्रम विभाग ने दी राहत।

जगदलपुर/नवप्रदेश। मई दिवस के अवसर पर जब दुनियाभर में श्रमिकों के अधिकारों, सम्मान और सुरक्षा की बात की जा रही है,तब बस्तर अंचल की जमीनी हकीकत एक अलग ही कहानी बयान करती है। यहां आज भी बड़ी संख्या में श्रमिक रोज़गार की तलाश में अपने गांव-घर छोड़कर दक्षिण भारत के राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं। बेहतर मजदूरी और रोजगार के सपनों के साथ निकलने वाले ये श्रमिक कई बार शोषण, बंधक मजदूरी और बकाया भुगतान जैसी अमानवीय परिस्थितियों ■ शेष पृष्ठ 8 पर

श्रम विभाग के मैदानी अमला गांव-गांव में पहुंच बनाकर ग्रामीणों को पलायन न करने और बाहरी प्रांत में मजदूरी करने के दुष्परिणाम से अवगत कराया जाता है। बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन समय-समय पर औचक निरीक्षण किया जाता है। जहां मजदूर पलायन करते मिलते तो उन्हें समझाइस देकर वापस गांव भिजवाया जाता है।

– **भूपेंद्र नायक**, श्रम पदाधिकारी, बस्तर

रायपुर के चावड़ी में हजारों श्रमिक हर दिन हो रहे शोषण का शिकार

शाहिन कुरैशी

रायपुर/नवप्रदेश। वैसे तो हर मजदूरी करने वाला कामगार मजदूर ही कहलाता है, लेकिन असंगठित मजदूर को संभवतः मजदूर माना ही नहीं जाता। उन्हें तो शायद इंसान भी नहीं समझा जाता। तभी तो उनसे जानवरों की तरह काम लिया जाता है और उनकी मेहनत व पसीने की कीमत इतनी कम आंकी जाती है कि उससे वह दूसरे दिन फिर से खटने के लिए जिंदा रह सके।

जबकि छत्तीसगढ़ प्रदेश और पूरे देश में नब्बे प्रतिशत असंगठित श्रमिक हैं। ये वे दिहाड़ी मजदूर हैं जो आज तक श्रम कानूनों के दायरे से बाहर हैं। न तो इनके नियमित काम की गारंटी होती है और न ही इनका पारिश्रमिक तय होता है।

सामाजिक सुरक्षा और संस्थागत नियमों के पालन का तो प्रश्न ही पैदा नहीं होता। ये असंगठित श्रमिक वह नींव हैं, जिन पर देश के विकास की ऊंची इमारतें खड़ी होती हैं, लेकिन इनके योगदान का कभी सम्मान नहीं किया जाता। इनका दर्द इस कदर हद से गुजर गया है कि दर्द ही दवा बन गया है। सरकार को इनकी सुध लेने की फुर्सत ही नहीं मिल रही है। असंगठित श्रमिकों की ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सुशासन तिहार 2026
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
सुशासन तिहार 2026
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
01 मई से 10 जून 2026
गाँव-गाँव, द्वार-द्वार
सुशासन की सरकार
जिला स्तर पर लंबित प्रकरणों, जमीन संबंधी मामलों एवं प्रमाण–पत्र से जुड़ी समस्याओं का निराकरण
ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन
S- 47670
उद्देश्य
समस्याओं का त्वरित एवं समयबद्ध समाधान
विकास कार्यों को मिलेगी गति
जन-कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन
पारदर्शिता और जवाबदेही से 'जनकल्याण' होगा सुनिश्चित
संवाद से संपूर्ण समाधान
अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

www.navpradesh.com

दैनिक **नव प्रदेश**

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, शुक्रवार, 01 मई 2026 | शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा, | विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 81 | पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

आज मजदूरों का दिन है। अर्थात् सबका दिन है क्योंकि इस दुनिया में हम सभी मजदूर हैं। खेतों खलियानों से लेकर कारखानों और सरकारी दफ्तरों से लेकर निजी संस्थानों तक में काम करने वाला हर शख्स मजदूर है। कामकाजी महिलाओं से लेकर गृहणी तक सब मजदूर हैं। तभी तो कहा जाता है कि जिंदगी ने मजदूर बना दिया है और लोग साहब कहकर मजाक उडाते हैं। मजदूर होना हमारे लिए गर्व की बात है क्योंकि बकौल एक शायर कोई खेत में कोई दफ्तर में कोई नौकर है तो कोई अफसर है। मजदूर है हम सब यहां कोई हर दिन तो कोई असवर है।

विशेष सत्र: सदन में महिलाओं की संख्या पर बहस, विपक्ष बोला-हमने ज्यादा लोगों को अवसर दिया

33 फीसदी महिला आरक्षण लागू करने शासकीय संकल्प होगा पेश

इस सदन का मत है कि नारी शक्ति के सम्मान, महिलाओं के समग्र विकास और सशक्तीकरण के उद्देश्य से देश की संसद तथा सभी विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण, परिसीमन की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।
-**विष्णु देव साय**, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा का एकदिवसीय विशेष सत्र जारी है। आज के इस सत्र में महिला सशक्तिकरण को लेकर शासकीय संकल्प पेश किया जाएगा। इसमें परिसीमन के बाद लोकसभा और विधानसभा में 33 फीसदी महिला आरक्षण लागू करने की मांग की गई है। इस विशेष सत्र में प्रदेश भर की 500 से ज्यादा महिला जनप्रतिनिधि शामिल हुई है। सत्र की शुरूआत दोनों पक्षों में तीखी बहस के साथ हुई। विपक्ष ने कहा कि सदन के बाहर निंदा प्रस्ताव की बात कही गई थी, अब शासकीय संकल्प लाकर चर्चा कर रहे हैं। विपक्ष का कहना है जनगणना के बाद महिला आरक्षण लागू किया जाए।

चर्चा के बीच कांग्रेस विधायक अनिल भेड़िया ने कहा कि आरक्षण बिल चुनावी झुनझुना है, हमारे देश की महिलाएं जानती हैं कि 2023 में बिल पास हुआ पर उसे लागू नहीं किया गया, महिलाओं को अपने अधिकार मालूम है। सत्ता पक्ष से डिप्टी सीएम साव ने तंज करते हुए कहा कि, कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में 500 रुपए देने का वादा किया था, आज किस मुंह से ये महिला के अधिकारों की बात कर रहे हैं। इस दौरान महिलाओं की संख्या को लेकर भी सदन में बहस हुई। विपक्ष ने कहा कांग्रेस ने महिलाओं को सबसे ज्यादा अवसर दिया है। छत्तीसगढ़ में भाजपा से 54 में 8, कांग्रेस से 35 में 11 महिला विधायक है।

किरण सिंहदेव बोले- बिल को ध्वस्त करने का काम कांग्रेस ने किया: महिला आरक्षण पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा - आजादी के बाद से 5 दशक तक देश में कांग्रेस की सरकार रही। इस दौरान महिलाओं के लिए काम क्यों नहीं किया? बीजेपी ने संसद में बिल लाया तब समर्थन क्यों नहीं दिया। संसद में बिल को ध्वस्त करने का काम कांग्रेस ने किया। कांग्रेस की कथनी और करनी में हमेशा अंतर रहता है।

अजय चंद्राकर- हमारी सरकार ने महिलाओं को संस्थाओं में 50 फीसदी आरक्षण दिया: महिला आरक्षण पर चर्चा में बोले विधायक अजय चंद्राकर - अहम संकल्प पर चर्चा हो रही, अपने तरीके से अपना पक्ष रखा। महिला की स्थिति पर कांग्रेस ने कभी नहीं चर्चा नहीं की। अंबेडकर के साथ कैसा व्यवहार कांग्रेस ने किया, सब जानते हैं, देश का ऐसा दूसरा राज्य है छत्तीसगढ़ जहां हमारी सरकार ने आरक्षण दिया, जहां महिलाओं को संस्थाओं में 50 फीसदी आरक्षण दिया।

कवासी लखमा- 2022 में बीजेपी ने जनगणना क्यों नहीं कराया?: विधायक कवासी लखमा ने कहा 2011 में कांग्रेस ने जनगणना की थी। साल 2022 में बीजेपी सरकार को करना था, क्यों नहीं किया गया? इस पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कांग्रेस ने सिर्फ महिलाओं के साथ छल किया है।

सभापति तालिका में 2 महिला विधायकों के नाम शामिल: इस विशेष सत्र के दौरान महिलाओं के सम्मान में विधानसभा में एक फैसला लिया गया। 2 महिला विधायकों को सभापति तालिका में शामिल किया गया है। पक्ष की ओर से लता उसेंडी और विपक्ष की ओर से अनिला भेड़िया सभापति तालिका में शामिल हुई है। नियम 9 एक को शिथिल करते नाम निर्देशित किया गया।

संगिता सिन्हा बोली- महिलाएं समझदार है, बहकाइये मत: कांग्रेस विधायक संगिता सिन्हा ने कहा- जब पूरे देश में चुनाव आने वाला है, तो मोदी जी अचानक से घोषणा करते हैं कि 33त्न आरक्षण लाया जाएगा। महिलाएं समझदार है, आप बहकाने का प्रयास मत कीजिए। आप सबसे पहले जनगणना करवाइये, इसके बाद महिला आरक्षण बिल लागू करिए। चुनाव हारने का डर था, इसलिए ये बिल लाए हैं।

कांग्रेस बोली- हमने सबसे ज्यादा महिलाओं को अवसर दिया: विपक्ष के विधायकों ने कहा- कांग्रेस ने महिलाओं को सबसे ज्यादा अवसर दिया। छत्तीसगढ़ में भाजपा से 54 में 8, कांग्रेस से 35 में 11 महिला विधायक है। कांग्रेस ने वास्तव में महिलाओं को अवसर प्रदान किया, इस पर सत्तापक्ष और विपक्ष की महिलाओं के बीच तीखी बहस हुई।

डिप्टी सीएम साव बोले- किस मुंह से महिला अधिकारों की बात कर रही कांग्रेस: डिप्टी सीएम साव ने कांग्रेस विधायक अनिला भेड़िया के वक्तव्य के दौरान तंज ■ शेष पृष्ठ 8 पर

आज से शुरू होगा सुशासन तिहार, सीएम साय करेंगे दौरा

रायपुर (नवप्रदेश)। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए 'सुशासन तिहार 2026' की शुरुआत आज से होने जा रही है। यह अभियान 10 जून 2026 तक प्रदेशभर में चलाया जाएगा। इस संबंध में सभी जिला कलेक्टरों को पत्र जारी कर स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। सुशासन तिहार में सीएम साय विभिन्न जिलों का दौरा कर विकास कार्यों का औचक निरीक्षण, हितग्राहियों से सीधा फीडबैक व जिला स्तर पर समीक्षा बैठकें करेंगे।

नवप्रदेश का नवाचार

छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र नव प्रदेश के प्रधान संपादक यशवंत धोटे ने गुरुवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ महतारी के छाया चित्र व राज्य गीत से सुसज्जित फोटो फ्रेम भेंट की। इसे देखकर मुख्यमंत्री श्री साय ने नवप्रदेश के इस पहल की प्रशंसा करते हुए प्रधान संपादक श्री धोटे को बधाई दी।

दुर्ग-बिलासपुर में ईडी की रेड, बिल्डर और सराफा कारोबारी के घर जांच

रायपुर/दुर्ग/बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को दुर्ग और बिलासपुर जिलों में एक साथ बड़ी छापेमार कार्रवाई की। इस कार्रवाई से कारोबारी और राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया है। ईडी की टीमें दोनों जिलों में अलग-अलग ठिकानों पर वित्तीय लेनदेन और निवेश से जुड़े दस्तावेजों की गहन जांच में जुटी हैं।

दुर्ग जिले में ईडी ने 'अमर इंफ्रा' के संचालक और भाजपा नेता चतुर्भुज राठी के पुलगांव स्थित आवास और कार्यालय पर दबिश दी। सुबह करीब 6 बजे शुरू हुई इस कार्रवाई में एक दर्जन से अधिक अधिकारी चार वाहनों में मौके पर पहुंचे। टीम ने महेश कॉलोनी स्थित निवास के साथ-साथ उनके दफ्तर को भी खंगाला। बताया जा रहा है कि राठी से जुड़ी आधा दर्जन फर्मों के वित्तीय रिकॉर्ड, निवेश और लेनदेन की जांच की जा रही है। अचानक हुई इस कार्रवाई से इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई, वहीं सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। इधर बिलासपुर में भी ईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सर्राफा कारोबारी विवेक अग्रवाल के घर और सदर बाजार स्थित उनकी फर्म 'श्री राम ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मध्य प्रदेश के हाईवे पर मौत का मंजर, 16 मौतें

धार/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश के धार में टायर फटने से अनियंत्रित होकर पिकअप वाहन डिवाइडर पर चढ़कर पलट गया। वाहन ने 3-4 बार पलटी खाई। इस दौरान सड़क के दूसरी ओर जाकर स्कॉर्पियो से भी टकराया। हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई, 13 घायल हैं। मृतकों में 6 बच्चे शामिल हैं।

एक्सीडेंट इंदौर अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग के चिकलिया फाटा पर जियो पेट्रोल पंप के पास बुधवार रात करीब साढ़े 8 बजे हुआ। जयस के सदस्य विजय सिंह चोपड़ा ने बताया कि पिकअप में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

जबलपुर में क्रूज डूबा, 6 शव मिले

■ 15 से ज्यादा लापता, 18 को बचाया

जबलपुर/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के जबलपुर में नर्मदा नदी पर बने बरगी डैम में गुरुवार शाम पर्यटकों से भरा क्रूज डूब गया। पुलिस के मुताबिक, 6 शव बरामद किए गए हैं। 18 को सुरक्षित बचा लिया गया। 15 से ज्यादा अब भी लापता हैं। बरगी सिटी एसपी अंजुल मिश्रा ने बताया कि एमपी टूरिज्म के क्रूज में 40 से 45 लोग सवार थे। अचानक आई आंधी के कारण ये हादसा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

बालोद में कांस्टेबल ने क्वार्टर में लगाई फांसी

बालोद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक पुलिस कांस्टेबल ने अपने क्वार्टर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान ग्राम हथौद (सुरेगांव) निवासी 35 वर्षीय लीवन भुआर्य के रूप में हुई है। जो पुलिस लाइन बालोद में पदस्थ था। बताया जा रहा है कि वह करीब चार महीने पहले ही जिला अस्पताल के सामने स्थित पुलिस कॉलोनी में अपने परिवार के साथ शिफ्ट हुआ था। कोतवाली पुलिस के अनुसार घटना के समय कांस्टेबल की पत्नी और बच्चे एक शादी समारोह में गए हुए थे।

रायपुर में कोलकाता-पुणे फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

■ महिला यात्री की तबीयत बिगड़ने के कारण उतारा विमान

रायपुर/नवप्रदेश। कोलकाता से पुणे जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-135 की गुरुवार को रायपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। उड़ान के दौरान एक महिला यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ गई। वह बेहोश हो गई, जिसके बाद यह फैसला लिया गया।

जानकारी के मुताबिक, विमान के क्रू मेंबर्स ने तुरंत रायपुर एयरपोर्ट के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

तबीयत में सुधार नहीं हुआ तो लिया फैसला

एयरपोर्ट प्रबंधन से मिली जानकारी के मुताबिक, उड़ान कोलकाता से पुणे की ओर सामान्य रूप से बढ़ रही थी, लेकिन बीच रास्ते में यात्री को गंभीर स्वास्थ्य समस्या का सामना करना पड़ा। इस पर विमान में मौजूद क्रू मेंबर्स ने तत्काल उसे प्राथमिक चिकित्सा देने का प्रयास किया, लेकिन जब स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ, तो पायलट ने इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लिया गया।

छत्तीसगढ़ परिवहन में फेरबदल, 20 आरटीओ के तबादले

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के परिवहन विभाग में बड़ा बदलाव किया गया है। गुरुवार देर शाम मंत्रालय महानदी भवन से 20 जिलों के आरटीओ अफसरों के तबादले किए गए हैं। विवेक सिन्हा (आरटीओ) को कोरबा/पेंड्रा से ट्रांसफर कर जांजगीर-चांपा का जिला परिवहन अधिकारी बनाया गया है। वहीं धमतरी के एआरटीओ अब्दुल मुजाहिद, कांकेर के एआरटीओ ऋषभ नायडू और बलौदाबाजार के चुन्नुलाल देवांगन को परिवहन मुख्यालय भेजा गया है।

बिना ले-आउट के जमीन बिक्री पर सख्ती, जांच के आदेश

■ एक ही खसरा नंबर को टुकड़ों में बेचने का मामला

■ नवप्रदेश में खबर प्रकाशन के बाद जागा सिस्टम

नक्शा फेल, सिस्टम सेल, अवैध प्लाटिंग में खेल

'न नियम-न कानून: अवैध कॉलोनियों में डूब रही मेहनत की कमाई'

नवप्रदेश खबर का असर

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में बिना वैध ले-आउट के जमीन को छोटे-छोटे टुकड़ों में बेचने का नव प्रदेश में खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) महासमुंद ने हल्का पटवारी, प.ह.न. 42 को जांच कर प्रतिवेदन तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

जारी पत्र के अनुसार, 29 अप्रैल 2026 को नव प्रदेश में 'न नियम - न कानून अवैध कॉलोनियों में डूब रही मेहनत की कमाई' शीर्षक से प्रकाशित समाचार के आधार पर जिला प्रशासन ने संज्ञान लिया कि ग्राम महासमुंद स्थित खसरा नंबर 1800 का भाग लगभग 2 एकड़ भूमि को भूमिस्वामी चेतना मालू, पति संजय मालू द्वारा बिना विधिवत ले-आउट स्वीकृति के छोटे-छोटे भूखंडों में विभाजित कर बेचा जा रहा है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि एक ही खसरा नंबर को कई टुकड़ों में विभाजित कर बिक्री किए जाने से अवैध कॉलोनी के निर्माण की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों पर नियंत्रण के लिए प्रशासन ने तत्काल जांच के निर्देश जारी किए हैं। अनुविभागीय अधिकारी अक्षा गुप्ता ने संबंधित पटवारी को निर्देशित किया है कि मामले की विस्तृत जांच कर जल्द से जल्द प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए, ताकि आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

बता दें कि, जिले में राजस्व विभाग, नगर पालिका और नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के बीच तालमेल ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सुविचार

मजबूरी के चलते अक्सर वह आधे पारिश्रमिक पर भी पूरा काम कर देता है, वह मजदूर है जनाब जो अलसुबह का निकला घर लौटते शाम कर देता है

मजदूर आज भी मजबूर क्यों

1 मई 1886 को अमेरिका में एक बड़ा श्रमिक आंदोलन हुआ था। उस समय पहली बार वहां के मजदूरों ने अपने हक की लड़ाई को लेकर संघर्ष का संखनाद किया था। उसी की स्मृति में पूरी दुनिया में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है और प्रमुख रूप से यह नारा लगाया जाता है कि दुनिया के मजूदर एक हों। मजदूर लगातार संघर्ष कर रहा है लेकिन आज भी उसकी दुनिया के कई देशों में दूरदशा है। बेशक मजदूर देश और समाज की रीढ़ होता है और अपने पसीने से विकास की बगिया को सिंचता है उसके पसीने की हर बूंद में राष्ट्र निर्माण की सुगंध रहती है। इसके बावजूद आज भी दुनिया में यदि सबसे ज्यादा शोषित, पीड़ित, उपेक्षित और प्रताड़ित यदि कोई है तो वह निरी मजदूर ही है। मजदूरों की इस दयनीय दशा पर सटीक बैठती है यह पंक्तिंया - जिंदगी अब इस कदर शफ्फाक हो जाएगी क्या भूख ही मजदूर की खुराक हो जाएगी क्या। जहां तक बात भारत की है तो यहां दुनिया के अन्य देशों के मुकाबलें मजदूरों की स्थिति बद से बद्तर हो गई है। मजदूरो की दैयनीय दशा देश ने कोरोना काज में देखी थी जब देश के बड़े बड़े महानगरों की जुग्गी झोपड़ी में नारकी जीवन जीने वाले करोड़ो मजदूरों को अपने गांव लौटना पड़ा था। उस समय लाखों की संख्या में ये मजदूर अपने परिवार के साथ ग्रहस्थि का समान अपने कंधों और सिर पर लादकर सैंकड़ो किलो मीटर पैदल चलकर अपने गांव पहुंचे थे। यह है हमारे देश में मजदूरों की स्थिति। हालांकि सरकार ने श्रमिकों के कल्याण के लिए कई योजनाएं बना रखी है लेकिन धरातल पर उनका क्रियान्वयन नहीं हो पाता। यही स्थिति श्रम कानूनों की है जिसका नियोक्ता खुला उल्लंघन करते हैं और श्रमिकों का भरपूर शोषण करते हैं। मजबूर मजदूर अपने खिलाफ होने वाले अन्याय को अपनी नियती मानकर सबकुछ चुपचान सहने के लिए बाध्य हैं। मजदूरों की हितों की रक्षा करने के लिए तथा उनके अधिकारों को आवाज देने के लिए विभिन्न श्रमिक संगठन भी है लेकिन इनमें से कुछ ही श्रमिक संगठन है जो सही मायनों में श्रमिकों के हितों की रक्षा करते हैं और उनके लिए लड़ाई लड़ते हैं। अधिकांश श्रमिक संगठन मजदूरों से ज्यादा मालिकों की चिंता करते हैं। यही वजह है कि आज भी हमारे देश में मजदूरों को जीवन स्तर ऊपर नहीं उठ पा रहा है वे खुद अपना खुन पसीना बहाकर नगरों और महानगरों में विशाल भवनों का निर्माण करते हैं लेकिन वे सारी जिंदगी मजदूरी करने के बाद भी अपना एक छोटा सा अशियाना नहीं बना पाते। शहरों में स्थित झुग्गी बस्तियों में किराये में रहकर वे अपना पूरा जीवन निकाल बीता देते हैं। जहां उन्हें न ही स्वच्छ जल मिल पाता है न ही स्वच्छ वातावरण मिलता है। इस पर भी सटीक बैठता है यह शेर शहर में मजदूर जैसा दर-ब-दर कोई नहीं जिसने सबके घर बनाए उसका घर कोई नहीं। भारतीय मजदूर चाहे वे कल कारखानों में काम करते हों अथवा निर्माण कार्यों से जुड़े हों या खेतीहर श्रमिक हों या फिर मनरेगा योजना के तहत साल में सौ दिन काम करने वाले मजदूर हों। कमोवेश सभी की स्थिति बेहद दैयनीय है। सरकर हर साल एक मई मजदूर दिवस पर बड़ी बड़ी घोषणाएं करती है। कहीं कहीं कुछ श्रमिकों का सम्मान भी करती है और इसी के साथ अपने कत्वर्य की इतिश्री कर लेती है। जब मजदूरों के हित में कारगर कदम उठाने की आती है तो सरकार चुप्पी साध लेती है। मजदूरों को उनके भाग्य के भरोसे ही छोड़ दिया जाता है। सबसे अधिक प्रताड़ित तो असंगठित मजदूर होते हैं उनके साथ ही सबसे ज्यादा भेदभाव किया जाता है क्योंकि उनके हितों की रक्षा के लिए कोई सामने नहीं आता। ऐसे असंगठित श्रमिकों की संख्या ही देश में सबसे ज्यादा है जिनका नियोक्ता और ठेकेदार भारी शोषण करते हैं। इन्हें शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी भी नहीं दी जाती और आठ घंटे जगह दस से बारह घंटे तक काम लिया जाता है। न तो इन्हें साप्ताहिक अवकाश मिलता है और न ही किसी तरह की चिकित्सा सुविधा दी जाती है। ऐसे असंगठित मजदूरों की सुध लेने की सबसे ज्यादा जरूरत है और इस बारे में सरकार को गंभीरतापूर्वक सोचने की आवश्यकता है साथ ही असंगठित श्रमिकों के लिए भी श्रम कानून का कठोरतापूर्वक पालन कराने की जरूरत है तभी मजदूर दिवस की सार्थकता सिद्ध हो पाएगी।

सद्गुरू बोधामृतम्

सदगुरू ऋतेश्वर

◆ भक्ति का अभिमान कभी मत करना क्योंकि हर भक्त को ये पता होना चाहिए कि तुमसे बहुत बड़े-बड़े भक्त, तुमसे करोड़ों गुना ज्यादा बड़े भक्त इस संसार में कहीं छिपे बैठे हैं; कहीं इधर हैं तो कहीं उध् ार हैं। यदि स्वयं को, अपने आप को सबसे बड़े भक्त मान लिए तो यही तुम्हारी दुर्गति का कारण बन जाएगा।

◆ गुरु के प्रति जो समर्पित रहा उसके लिए सब कुछ चुटकी में है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1945 - सोवियत लाल सेना का बर्लिन में प्रवेश। 1984 - फूदोरजी बिना ऑक्सीजन के माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने में सफल। 1993 - श्रीलंका के राष्ट्रपति रणसिंघे प्रेमदास की बम विस्फोट में मृत्यु। 1996 - संयुक्त राष्ट्र ने स्वयं को सरकारी तौर पर निर्धन घोषित किया। 1998 - पोलैंड, हंगरी और चेक गणराज्य को नाटो में शामिल करने संबंधी प्रस्ताव सीनेट में पारित। 1999 - नेपाल में मृत्युदंड की सज़ा समाप्त। 2000 - अंतर्राष्ट्रीय अन्तर-संसदीय संघ ने पाकिस्तान, आइवरी कोस्ट व सूडान को देश की संसद भंग करने के लिए संघ की सदस्यता से निलंबित किया। 2001 - लश्कर-ए-तोइबा व जैश-ए-मोहम्मद संयुक्त राज्य अमेरिका में आतंकवादी संगठन घोषित, भारत संयुक्त अमेरिकी की विशेष 301 सूची में शामिल। 2002 - अमेरिका की अपील पर इस्रायल ने हेब्रोन से सेना हटाई। 2003 - अमेरिकी राजनयिक पाल ब्रोमर की इराक के प्रशासक पद पर नियुक्ति। 2004 - यूरोपीय संघ में 10 नये राष्ट्र शामिल। 2005 - सद्दाम हुसैन ने सशर्त रिहाई की अमेरिकी पेशकश ठुकराई।

राजनीति के धुरंधर हैं बृजमोहन, संवाद, साहचर्य और मधुर व्यवहार से बनी एक शख्सियत

आप रायपुर में हैं, वक्त कम है- निकलना है, पर लगता है किसी एक आदमी से तो मिल लें। पहला नाम याद आएगा वो है बृजमोहन अग्रवाल का। मैंने जब से राजनीति और अपने समय को देखना शुरु किया वे रायपुर का सबसे लोकप्रिय चेहरा हैं। आज भी जब वे राज्य की राजनीति से दिल्ली 'रवाना' कर दिए गए हैं तो भी 'रायपुर' उनके दिल में बसता है। रायपुर और बृजमोहन लंबे समय से पर्याय हो गए हैं। रामसागरपारा मोहल्ले से लेकर छात्र राजनीति और बाद में राज्य की राजनीति में चमके बृजमोहन की कथा बहुत रोचक है। अजेय राजनेता और अप्रतिम जनसंपर्क उनकी पहचान है।

-प्रो.संजय द्विवेदी

मध्य प्रदेश से लेकर छत्तीसगढ़ तक उनके चाहने वालों की रेंज बहुत लंबी है।जिसमें कलाकार हैं, पत्रकार हैं, साहित्यकार हैं, रंगकर्मी हैं और कौन नहीं हैं। आम लोगों के तो वो 'मोहन भैया' हैं ही। छत्तीसगढ़ जहां शुक्ल बंधुओं और कांग्रेस की बहुत गहरी जड़ें रही हैं। जो परंपरागत रूप से कांग्रेस का गढ़ रहा है, वहां ऐसी स्थाई लोकप्रियताप्राप्त करना साधारण नहीं था।

चुनावी युद्धों के नायक: बृजमोहन अग्रवाल चुनाव लड़ रहे हों या चुनाव लड़ा रहे हों, तो वे भाजपा का शुभंकर हैं। उनके मैदान में उतरने मात्र से आधा मैदान मतदान के पहले ही जीत लिया जाता है। वे हैं ही ऐसे। कार्यकर्ताओं के नेता। लोगों के दिलों में उतरे। भरोसे के आदमी। इसलिए राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ में हुए उपचुनावों में प्रायः उनको ही चुनाव संचालक बनाया जाता रहा। वे जीत की गारंटी हैं। उनके लिए हर चुनाव जीतने के लिए होता है। वे दिन-रात परिश्रम कर सकने और अखंड प्रवास करने वाले राजनेता हैं। संयुक्त मध्यप्रदेश में भोपाल में उनका जो जलवा था, उसके रंग आज भी दिखते हैं। आज भी वे भोपाल में हैं तो लोगों से घिरे हैं। छत्तीसगढ़ की

स्थापना के 25 साल के बाद भी उनकी पुरानी राजधानी उन्हें भूली नहीं है। बृजमोहन भूलने देते भी नहीं। आप उन्हें याद न करें। दीवाली पर, होली पर, आपके जन्मदिन पर अचानक उनकी फोन काल, वाट्सअप मैसेज आपको उनसे जोड़ देगा। क्या आदमी है। राजनेता मतलब के रिश्ते हैं। बृजमोहन बेमतलब भी बहुत से रिश्ते रखते हैं। उन्हें क्या जरूरी है वे चुनाव रायपुर से लड़ते हैं लेकिन मध्यप्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र के लोगों से सीधे और जीवंत रिश्ते रखें। जीवन का बहुत सा हिस्सा मध्यक्षेत्र की राजनीति कर अब वे दिल्ली पहुंचे हैं। लेकिन वे दिल्ली में हैं लेकिन दिल्ली में नहीं हैं। सत्ता में लगातार होने ने भी उनको सामान्य बनाए रखा है। उनका समूचा व्यक्तित्व रिश्तों को जीने वाले आदमी की कहानी है।

कुर्सी उनपर नहीं, वे कुर्सी पर बैठे- सामान्य सी राजनीतिक सफ्लताएं पाकर इतराए और दृश्य से गायब हो गए लोगों की अनेक कथाएं हम जानते हैं। किंतु सातत्य, परंपरा और लोकसंस्कार के बृजमोहन प्रमाण हैं। विरोधी भी उन्हें नजरंदाज नहीं कर पाते। अपने विचारों पर अडिग रहते हुए भी विरोधियों को शत्रु न समझना उन्हें बड़ा बनाता है। वे लगातार कुर्सियों पर बैठे पर कभी कुर्सी उनपर नहीं बैठी। एक मन से लोगों से मिलना ही आत्मीय भाव का सृजन करता है। लगता है कि हम हमारे भाई से मिल रहे हैं, अपने दोस्त से मिल रहे हैं। यार से मिल रहे हैं। उनकी व्यस्तता अपार है। लोग काम करके थक जाते हैं किंतु लगातार लोगों से मिलना उन्हें जीवंत बनाता है। जनता का प्यार ही उनकी शक्ति है। जो उन्हें बिना रुके, बिना थके काम करने के लिए प्रेरित करती है। आदरणीय भाभी साहिबा का उन्होंने जिस तरह साथ दिया, उनका ख्याल रखा। पूरे परिवार को साथ लेकर चले उस पर पूरी किताब अलग से लिखी जा सकती है। लेकिन उन- सा होना कठिन है। वे काम आते हैं, फिर भूल जाते हैं। पार्टी ने उन्हें बहुत कुछ दिया, इसमें दो राय नहीं किंतु उन्होंने भी अपनी क्षमता से ज्यादा परिश्रम किया। कठिन स्थितियों में भी दल में बने रहे। अपने विचार के लिए जीने वाले ऐसे राजनेता कितने हैं।

संवाद के सहारे बनाई दुनिया-

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ मेरी कर्मभूमि, पत्रकारिता की दीक्षा भूमि दोनों हैं। मैं 1994 से उन्हें जानता हूं। रामसागरपारा वाले उनके पैतृक मकान के सामने उनका एक कार्यालय हुआ करता था। वहां पहली बार मैंने उन्हें देखा। मित्र और तब स्पूतनिक अखबार के लिए काम करने वाले श्री मनोज शुक्ला ने मेरा परिचय उनसे करवाया। हमारा गोत्र तो एक ही था मैं भी छात्र जीवन में अखिलभारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ा रहा और वे भी एबीवीपी के रास्ते राजनीति में आए थे। मैंने उनका बहुत नाम सुन रखा था। उनके व्यवहार और आत्मीय स्वभाव की चर्चा चारों ओर थी। मैं मानता हूं कि संवाद, साहचर्य और मधुर व्यवहार ने उन्हें बहुत विराट बना दिया। बृजमोहन यानि लोकव्यहार। लोगों से मिलना-जुलना उनके काम आना। यही बृजमोहन अग्रवाल की सरल व्याख्या है।

छत्तीसगढ़ में आर्थिक और सामाजिक सशक्त हो रहीं महिला श्रमिक

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर
उप संचालक (जनसंपर्क)

हर वर्ष 1 मई को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस श्रमिकों के योगदान को सम्मान देने का अवसर होता है। छत्तीसगढ़ में यह दिवस इसलिए भी खास है, क्योंकि यहां की अर्थव्यवस्था में महिला श्रमिकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और उनका योगदान पहले से अधिक प्रभावी होता जा रहा है। राज्य के ग्रामीण अंचलों में महिलाएं लंबे समय से कृषि कार्य, वनोपज संग्रहण, तेंदूपत्ता तोड़ने और हस्तशिल्प जैसे कार्यों में सक्रिय रही हैं, वहीं शहरी क्षेत्रों में उनकी उपस्थिति निर्माण कार्य, घरेलू सेवाओं और लघु व्यवसायों में तेजी से बढ़ी है। यह बदलाव केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं की सामाजिक पहचान और आत्मनिर्भरता को भी नई मजबूती दे रहा है।

इसके बावजूद यह भी सच है कि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिला श्रमिकों को लंबे समय तक उचित वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ा। वेतन असमानता, सीमित स्वास्थ्य सुविधाएं, मातृत्व लाभों की कमी और पारंपरिक सोच जैसी बाधाएं उनके सामने बनी रहीं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए महिला श्रमिकों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। नई श्रमिक नीतियों के जरिए असंगठित क्षेत्र की महिलाओं के लिए न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित करने और कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को लागू करने की दिशा में ठोस पहल की गई है। महिला शक्ति केंद्रों को केवल सहायता केंद्र नहीं, बल्कि परामर्श, कानूनी सहयोग और रोजगार मार्गदर्शन के प्रभावी माध्यम के रूप में विकसित किया गया है। वहीं सखी वन स्टॉप सेंटर के जरिए हिंसा से प्रभावित महिलाओं को त्वरित सहायता और पुनर्वास की सुविधा मिल रही है।

राज्य में संचालित विभिन्न योजनाएं महिला श्रमिकों के जीवन में सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार तैयार कर रही हैं। मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों को प्रसूति के बाद 20 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है, जिससे आर्थिक दबाव कम होता है। मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना महिलाओं को स्वरोजगार की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, जबकि निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना कार्यस्थल पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करती है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत हो रही है। दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के तहत 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग की पंजीकृत निर्माण महिला श्रमिकों को, जिनका कम से कम तीन वर्षों का पंजीयन है, एक लाख रुपये तक की सहायता देकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे महिलाओं को आय के साधन मिलने के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर भी मिल रहा है। राज्य सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम महिला श्रमिकों को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ रहे हैं। घरेलू कामगारों, ठेका श्रमिकों और हमाल परिवारों के लिए विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं, जबकि सक्षम योजना के जरिए विधवा, परित्यक्ता और तलाकशुदा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया जा रहा है। आज छत्तीसगढ़ में महिला श्रमिक केवल श्रमशक्ति नहीं रहीं, बल्कि विकास की सक्रिय भागीदार बन चुकी हैं। उनकी भूमिका अब सहायक तक सीमित नहीं, बल्कि निर्णय लेने तक पहुंच रही है। योजनाओं की बढ़ती पहुंच और जागरूकता के कारण उनके भीतर आत्मविश्वास बढ़ा है, जिससे समाज में उनका सम्मान भी लगातार बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ में महिला श्रमिकों के लिए किए जा रहे प्रयास यह स्पष्ट करते हैं कि संवेदनशील नीतियों और प्रभावी क्रियान्वयन के जरिए सकारात्मक बदलाव संभव है। सुरक्षा, सम्मान और रोजगार के अवसरों के साथ महिला श्रमिक आज राज्य के विकास की मजबूत आधारशिला बन रही हैं। यह परिवर्तन केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और सशक्तिकरण का भी प्रतीक बनकर उभर रहा है।

पाठकों की बात
पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

टूटा हुआ है वो भीतर से बेशक बाहर कंचन महल सजाये हुए है एक शक्स छिपा हर शक्स के भीतर बाहर झूठा सा चेहरा लगाये हुए है उतरे जो लेकर वो शिकारे नदी में टूटी नावों में कंकर फँसाये हुए है मरहम बनाये कौन छाल को लाकर वो हर डाल से ज़ख्म खाये हुए है कैसे समाये उसकी गागर में सागर जो मुट्ठी से रेत फिसलाये हुए है मुश्किल है यहाँ सागर पार करना माँझी पतवार को तलवार बनाये हुए है ना हो उदास क्षितिज पर है सूरज यहाँ अमावस में भी इन्दु समाये हुए है। **- इंदु वत्स**

एक लड़की गाना गा रही थी। "हम प्यार में जलने वालों को चैन कहां..." उसके छोटे भाई ने बड़ी गहराई से देखा और बोला कहीं से न तो धुआं नजर आ रहा है और न ही लपट अगर तुझे ज्यादा परेशानी महसूस हो तो फायर ब्रिगेड बुलवाऊं या पानी की बाल्टी से आग बुझ जाएगी।
- नवीन शंकर शर्मा

मां बाप की आंखों का तारा कीमती इक नूर था मुखड़ा बनाने के लिए संजय कभी मशहूर था होने लगी तस्वीर धुंधली अब मेरे किरदार की कैसे बताऊं दोस्तों की मैं बहुत मजबूर था।
- संजय कुमार गिरि

तुम्हें मालूम है तुम बिन गुज़ारा हो नहीं सकता मुझे भी इल्म है हासिल सितारा हो नहीं सकता विरह की आग में जलकर यही देखा है मैंने तो समन्दर भी तपन में अब सहारा हो नहीं सकता कई जन्मों की लगती है अधूरी चाह ये मुझको यूँ आँसू इक जनम में इतना खारा हो नहीं सकता।
- ममता लड़ीवाल

"दीवान पर सजा हूँ मैं, एक गोल तकिया" सहारे के लिए ही बना हूँ। जब थकान चुपचाप आकर बैठती है, तो मैं ही काम आता हूँ, कभी पीठ के पीछे, कभी सिर के नीचे। सहारा कैसा भी हो, मन का या शरीर का, थोड़ा सुकून दे ही देता है। समझो तो मैं सुकून हूँ, न समझो तो बस एक चीज़ जिसका कोई खास मतलब नहीं। मैं हर वक्त जरूरी नहीं होता, पर जब जरूरत पड़ती है" तब ही मेरा वजूद दिखता है। सहारा तभी दिखता है, जब उसकी जरूरत होती है" बाकी वक्त वो बस साथ होता है।
- सीमा नागर तुली

तेरी हर बात को लिखना है मुझे दिल ए जज़्बात को लिखना है मुझे तुमने जब चाय में चीनी घोली उसके हर स्वाद को लिखना है मुझे तुमने तीखा किया लहज़ा अपना अपनी उस रात को लिखना है मुझे तुम्हारे बिन जो मुस्कुराये है उन्हीं हालात को लिखना है मुझे! **- नीरू श्रीवास्तव**

सरल हो सुगम नित नवल गीतिका। सहज मन रतन तन धवल गीतिका द्वय गगन मे पली चाँदनी की, तरह - पवन बह कहे यश फ़ज़्ल गीतिका।। नमन छन्द करते सहज भाव से - छुए नभ विधा मन सरल गीतिका।। ग़ज़ल की तरह मन लुभाती रहे। भजन भाव मन की पहल गीतिका ।। सुबह शाम हरि की यही वंदना। मगन तन करे मन महल गीतिका।।
- राजकिशोर मिश्र 'राज'

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज के दिन आपको इच्छा के विपरीत कोई कार्य करना पड़ेगा जिससे मन निराशा एवं ग्लानि से भरा रहेगा। आज धर्म के प्रति आस्था अधिक बढ़ेगी।

वृषः आज के दिन आपमे अहम की भावना रहेगी। आस पास के लोग आज आपकी आदतों से असहज महसूस करेंगे। अपनी श्रेष्ठता दिखाने का कोई मौका नही छोड़ेंगे।

मिथुनः आज के दिन आप अधिकांश समय असमंजस की स्थिति में रहेंगे बचते बचते भी कलह पीछा नही छोड़ेगी। किसी ना किसी कारण से घर के सदस्यों से विवाद हो सकता है।

कर्कः आज का दिन धन और धन्य दोनो की वृद्धि करेगा। परिवार के साथ ही व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति पर अधिक खर्च करेंगे।

सिंहः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी किसी इच्छा के पूर्ण होने से मन दिन भर प्रसन्न रहेगा। कार्य क्षेत्र पर कुछ गलतफहमी हो सकती है।

कन्याः आज के दिन आप सभी कार्यो में अपनी कार्यकुशलता का परिचय देंगे। आज आपके कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य विलम्ब से होंगे जिससे थोड़ी बेचैनी रहेगी लेकिन इंतजार का फल मीठा ही रहेगा धन लाभ आवश्यकता से अधिक एवं एक से अधिक साधनों से होगा।

तुलाः आज का दिन प्रतिकूल फलदायी है सभी कार्य विशेष कर यात्रा अथवा मशीन से जुड़े कार्य सतर्क हो कर करें आकस्मिक दुर्घटना में चोटादि का भय है। कार्य क्षेत्र पर भी आज चोरी अथवा अन्य कार्यो से हानि के योग है।

वृश्चिकः आज का दिन बीते कुछ दिनों की अपेक्षा लाभदायी रहेगा। आवश्यक कार्यो में आरम्भ में कुछ उलझने रहेंगी परन्तु धीरे धीरे इनमे सफलता मिलती जाएगी।

धनुः आज के दिन आप नियमित आय के साथ ही अतिरिक्त आय भी कमा सकेंगे अथवा अतिरिक्त आय के द्वार खुलेंगे। भविष्य के लिए नई योजनाएं बनाएंगे।

मकरः आज का दिन संभावनाओं पर केंद्रित रहेगा। व्यवसाय में आय निश्चित नही रहेगी फिर भी आकस्मिक लाभ हो सकता है। पुराने कार्यो में पैसे रुकने से मन निराश होगा धन को लेकर किसी से बहस भी हो सकती है।

कुंभः आज का दिन आपकी आशाओ के विपरीत रहने वाला है आज अपनी आवश्यकताओं को कम करने का प्रयास करें सुखी रहंगे। काम-काज के सिलसिले में भाग-दौड़ अधिक रहेगी परन्तु परिणाम अल्प रहने से निराशा होगी।

मीनः आज का दिन आपको विजय दिलाने वाला रहेगा। जिस भी कार्य का मन बनाएंगे उसमे बेझिझक होकर निर्णय ले सकेंगे। सफलता थोड़ी विलम्ब से परन्तु अवश्य मिलेगी। धन लाभ के लिए आज ज्यादा सरदर्दी नही लेनी पड़ेगी।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) विश्व नारियल दिवस हर साल किस दिन मनाया जाता है?

2) कटकारी जनजाति मुख्य रूप से किन राज्यों में पाई जाती है?

3) 2024 में अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार किसे दिया गया है?

4) अटल इनोवेशन मिशन किस संस्थान की प्रमुख पहल है?

5) भगवान बुद्ध के देवनीमोरी अवशेष मूल रूप से भारत के किस राज्य से हैं?

उत्तरमाला- (1) 2 सितंबर (2) महाराष्ट्र और गुजरात (3) डैरन एसेमोग्लू, साइमन जॉनसन और जेम्स रॉबिन्सन (4) नीति आयोग (5) गुजरात

पहेली

शब्द सामर्थ्य -024

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 023 का हल

मंत्रालय में नौकरी का झांसा देकर ठगे 16 लाख

भिलाई/नवप्रदेश। मंत्रालय में नौकरी दिलाने के नाम पर आरोपी ने चार लोगों से 16 लाख रुपए वसूल कर लिये। ठगी के इस मामले में आरोपी सातुम सेम्युल गुज्जर उर्फ आदी (उम्र 34 साल) ने भिलाई और दुर्ग के बेरोजगारों को हेल्थ डिपार्टमेंट, एजुकेशन के अलावा बीएसपी में नौकरी लगाने का झांसा दिया था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज उसे गिरफ्तार कर लिया है।

तितुरडीह वार्ड 19 की निवासी उपासना देशमुख ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उसकी सहेली के माध्यम से आदी गुज्जर नाम के युवक से पहचान हुई थी। सहेलियों ने बताया था कि वह लोगों को सरकारी नौकरी दिलवाता है। इसके बाद उपासना की उससे बातचीत शुरू हुई।

आदी गुज्जर ने उन्हें सेक्टर-9 स्थित इंडियन कॉफी हाउस के पास मिलने बुलाया। वहां उसने सरकारी विभाग में नौकरी लगाने के लिये 3 लाख 50 हजार रुपए रुपए की मांग की। शुरुआत में उसने 20 हजार रुपए एडवांस मांगे। 3 नवंबर 2023 को उपासना ने उसे अपने शैक्षणिक दस्तावेज और 20 हजार रुपए दे दिए।

आरोपी ने कई बार अलग-अलग बहाने बनाकर उपासना से रकम की मांग करता रहा। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन सहित अफसरों को रकम देने के बहाने उसने कुल 2 लाख 65 हजार रुपए वसूल कर लिये। इसके बाद आरोपी ने उपासना को रायपुर मंत्रालय बुलाया और फर्जी ज्वाइनिंग लेटर देकर एक लाख रुपए और वसूल कर लिया।

बाद में आदी ने स्पीड पोस्ट से एक और जॉइनिंग लेटर भेजा। उपासना ने ज्वाइनिंग के संबंध में सवाल किया तो वह टालमटोल करने लगा। इसी दौरान उपासना को पता चला कि कई अन्य लोग इसी तरह ठगी का शिकार हुए हैं। जांच में पता चला कि मनीष साहू नाम के युवक से आरोपी ने 6 लाख 50 हजार रुपए लिए। यमुना साहू से 4 लाख 50 हजार और रचना फिलिप्स से 2 लाख 50 हजार रुपए वसूल किये गए।

आदी ने सभी को अलग-अलग विभागों में नौकरी लगाने का भरोसा दिया था। पीड़ितों को शक होने पर उन्होंने आपस में बात की। इसके बाद उपासना ने पुलिस में लिखित शिकायत की।

बिजनेसमैन चतुर्भुज राठी के घर-दफ्तर में चल रही जांच

दुर्ग/नवप्रदेश। शहर के जाने माने बिजनेसमैन व भाजपा नेता चतुर्भुज राठी के निवास और कार्यालय में आज सुबह से ईडी की कई टीमों ने छापामार कार्रवाई की है। राठी के निवास और दफ्तर पर उनकी आधा दर्जन फर्मों के वित्तीय दस्तावेजों और निवेश के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। इसके अलावा भिलाई में गोविंद मंडल के घर फैक्ट्री में भी जांच चल रही है। बिजनेसमैन चतुर्भुज राठी की कई कंपनियां संचालित हैं।

इन कंपनियों में अमर इंफ्रास्ट्रक्चर (अमर बिल्डकॉन), अमर महाबीर कोल माइंस, अमर प्राइवेट लिमिटेड और टार कारपेट प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। इन कंपनियों के जरिये सड़क और पुल निर्माण के बड़े सरकारी प्रोजेक्ट्स, शॉपिंग मॉल निर्माण और कोयला खनन से जुड़े कारोबार हो रहे हैं। चतुर्भुज राठी भाजपा के काफी सक्रिय नेताओं में से एक हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने दुर्ग शहर से टिकट के लिये काफी तगड़ी दावेदारी की थी। लेकिन, उन्हें टिकट नहीं मिली।

ईडी ने हाल ही में भारतमाला प्रोजेक्ट से संबंधित मुआवजा घोटाले को लेकर पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर के भाई सहित अन्य कई लोगों के घर और कार्यालय पर रेड मारने की कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार इस घोटाले में भाजपा-कांग्रेस के विधायक और नेताओं के नाम भी सामने आए हैं। इन नेताओं की भूमिका की जांच ईडी कर रही है। कहा जा रहा है कि भारतमाला प्रोजेक्ट से जुड़े घोटाले को लेकर ही चतुर्भुज राठी के निवास और दफ्तर पर भी छापेमारी की गई है।

ईडी की शुरुआती जांच में पता चला है कि जिन क्षेत्रों से होकर यह प्रोजेक्ट गुजर रहा है, वहां राजनीति से जुड़े लोगों के अलावा अन्य भू माफिया ने अपने रिश्तेदारों के नाम पर जमीन खरीद ली। इन जमीनों का भारी भरकम मुआवजा भी लिया गया।

इस घोटालेबाजी में पटवारी और आरआई ने मुआवजे के प्रकरण तैयार कर कलेक्टर को भेजे। इसके बाद मुआवजा जारी किया गया। ईडी ने इससे पहले इसी मामले को लेकर रायपुर में 27 अप्रैल को छापेमारी की थी। वहां से कई दस्तावेज मिले, जिनसे अन्य लोगों के घोटाले में शामिल होने के संकेत मिले हैं।

न्यूज गैलरी

चौहान टाउन के फ्लैट में लगी आग

भिलाई। चौहान टाउन स्थित डी 2 ब्लॉक के प्रथम तल के फ्लैट में बुधवार को शाम साढ़े 7 बजे आग लग गई। वहां निवासरत एक संयंत्र कर्मी द्वारा तत्काल भिलाई इस्पात संयंत्र के अग्निशमन विभाग को सूचित किया। इसके बाद अग्निशमन अधिकारी विशेष राठी के नेतृत्व में फायर ब्रिगेड दल मौके पर पहुंचा और कुशलता से आग पर काबू पाया गया। अग्नि दुर्घटना पर नियंत्रण पाने में फायरमैन एसके मीना, संजीव कुमार और संतोष साहू की विशेष भूमिका रही। अतिरिक्त मुख्य अग्निशमन अधिकारी संजय धवस ने बताया कि संबंधित फ्लैट का उपयोग भंडारण कक्ष (स्टोर रूम) के रूप में किया जा रहा था। वहां कॉस्मेटिक सामग्री, कार्ड बोर्ड, कुशन, पैकेजिंग सामग्री, बैटरी और किचन पैनल जैसी ज्वलनशील वस्तुएं रखी थीं। ग्रीष्मकाल में शॉर्ट सर्किट जैसी घटनाओं की संभावना रहती है। धवस ने अपील करते हुए कहा है कि घरों में केवल प्रमाणित गुणवत्ता के विद्युत तारों का उपयोग करें और ओवरलोडिंग से बचें।

कार्यालय का कबाड़ बेचकर आयुक्त ने कोष में जमा कराए 12 लाख

रिसाली। उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव के निर्देश का पालन करते हुए रिसाली नगर निगम में रखा कबाड़ बेच दिया गया है। निगम कार्यालय में रखा कबाड़ कुल 12 लाख में बेचा गया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री ने 20 अप्रैल को समीक्षा बैठक में निकायों के कार्यालय में अनुपयोगी वस्तु को हटाने के निर्देश दिये थे। आयुक्त मोनिका वर्मा ने औपचारिकता पूरी कर कबाड़ की नीलामी की प्रक्रिया पूरी कराई। कबाड़ को बेचने निगम ने एमएसटीसी (भारत सरकार का उपक्रम मेटल स्क्रेप, ट्रेडिंग कंपनी) को सामानों की सूची संलग्न कर प्रस्ताव भेजा था। इसी प्रस्ताव के आधार पर ऑनलाईन निविदा जारी की गई।

कुम्हारी की गौरव रिया साहू से मिलने पहुंची पालिकाध्यक्ष मीना वर्मा

कुम्हारी। सीजी बोर्ड की परीक्षा में कक्षा 12 वीं में पूरे प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त करने वाली कुम्हारी की गौरव रिया साहू के निवास पहुंचकर कुम्हारी पालिकाध्यक्ष मीना वर्मा ने रिया को बधाई दी। उन्होंने इस शानदार सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि रिया उनके ही वार्ड 8 में निवासरत राकेश साहू की बेटी हैं। आज रिया ने नगर को ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। भविष्य में भी रिया ऐसे ही आगे बढ़े और सभी छात्र-छात्राओं के लिए एक प्रेरणा बने। इस मौके पर पार्षद जल प्रभारी अश्वनी देशलहरे व सुजीत यादव भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी रिया की सफलता पर उनके परिवार के सभी सदस्यों को बधाई दी।

बंद पड़े वॉटर एटीएम को चालू करें : वोरा

दुर्ग। शहर में भीषण गर्मी के बीच नगर निगम द्वारा स्थापित वाटर एटीएम कई दिनों से बंद पड़े हैं। दुर्ग बस स्टैंड के यात्रियों, दुकानदारों और आम नागरिकों को वाटर एटीएम बंद होने के कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वाटर एटीएम में पैसे डालने के बाद भी पानी न मिलने से लोगों में आक्रोश है। आम जनता की शिकायत पर पूर्व विधायक अरुण वोरा ने वाटर एटीएम का हाल देखा और संबंधित अधिकारियों से तत्काल चर्चा कर समस्या का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। वोरा ने कहा कि भीषण गर्मी में वाटर एटीएम से पानी न मिलना बेहद गंभीर लापरवाही है। नगर निगम की जिम्मेदारी है कि आम जनता को राहत दे। इस समस्या का जल्द से जल्द स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

जनहित के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, आज से शुरू हो सुशासन तिहार

मंत्री गजेन्द्र ने की सुशासन तिहार की तैयारियों की समीक्षा

दुर्ग/नवप्रदेश। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने पीडब्ल्यूडी के सभाकक्ष में जिले में सुशासन तिहार की तैयारियों और विभागवार समीक्षा बैठक ली। बैठक में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास, राशन कार्ड, खाद-बीज भंडारण, शिक्षा, स्वास्थ्य सिंचाई, विद्युत एवं पेयजल जैसी जनजीवन से जुड़ी योजनाओं की प्रगति का विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक योजना का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी व प्रभावी रूप से अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिये।

स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने आगामी 1 मई से प्रारंभ होने वाले सुशासन तिहार की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सुशासन तिहार में प्राप्त सभी आवेदनों का त्वरित, पारदर्शी व संवेदनशील निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि जनता को शासन की योजनाओं का लाभ बिना किसी विलंब के मिल सके।

सभी अधिकारियों को पूर्ण जवाबदेही के साथ कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया। जिले में प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने और जनहितकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने के उद्देश्य से आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री यादव ने सभी विभागों के अधिकारियों को विस्तार से दिशा-निर्देश दिए। शासन की योजनाओं का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंचने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यादव ने जानकारी दी कि सुशासन तिहार को देखते हुए मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक और वरिष्ठ सचिव समय-समय पर शिविरों में शामिल होंगे। विकास कार्यों का औचक निरीक्षण कर सीधे जनता से फीडबैक लिया जाएगा। प्रत्येक जिला मुख्यालय पर समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिसमें प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति की बिंदुवार समीक्षा होगी।

उन्होंने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में लंबित सभी राजस्व प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण किया जाए। जो प्रकरण निर्धारित समय सीमा से बाहर हो चुके हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। आम नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और पारदर्शिता के साथ कार्य किया जाए।

शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए जिले में एक स्कूल को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने की योजना पर काम करने कहा गया। आदर्श कन्या स्कूल में विद्यार्थियों को जेईई और नेट जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के निर्देश दिए गए, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी बेहतर अवसर मिल सके।

जिले में संचालित 34 छात्रावासों की स्थिति को लेकर मंत्री ने चिंता जताई और आदिवासी विकास आयुक्त को सभी छात्रावासों का व्यापक निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

विशेष लोक अदालत का आयोजन

दुर्ग/नवप्रदेश। माननीय उच्चतम न्यायालय, भारत द्वारा न्याय को जनसामान्य तक सुलभ, सरल एवं सहभागी स्वरूप में पहुँचाने की अभिनव पहल के अंतर्गत समाधान समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के समापन चरण में दिनांक 21, 22 एवं 23 अगस्त को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत का उद्देश्य माननीय उच्चतम न्यायालय में लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति, संवाद एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है, जिससे पक्षकारों को प्रभावी, मानवीय एवं सहज न्याय उपलब्ध हो सके। आवेदन भरने की अंतिम तिथि 31 मई है।

दुर्ग के वार्ड-1 में सुशासन तिहार का शिविर आज

दुर्ग/नवप्रदेश। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में नगरीय क्षेत्रों में प्रशासनिक कार्यों को सुगम बनाने और जन समस्याओं के त्वरित निपटारे के लिए 'सुशासन तिहार-2026' का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों का आयोजन 1 मई से शुरू होकर 10 जून तक चलेगा, जिसमें वार्डवार क्लस्टर बनाकर लोगों की शिकायतों और मांगों का निराकरण किया जाएगा। नगर पालिक निगम दुर्ग के अंतर्गत 1 मई शुक्रवार को वार्ड 1 चंद्रशेखर आजाद उ.मा. विद्यालय पंचशील नगर में शिविर लगेगा, जिसमें वार्ड 1 से 13 और 56, 57 शामिल होंगे। अन्य नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों के लिये भी शिविर आयोजित करने की तारीख और समय निर्धारित कर दिया गया है। शिविर के दौरान नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों के आवेदन लिये जाएंगे। इसके बाद समस्या व शिकायत का निराकरण किया जाएगा। सुशासन तिहार के सफल क्रियान्वयन के लिए अपर कलेक्टर योगिता देवांगन को मुख्य नोडल अधिकारी और डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। शिविरों के व्यवस्थित संचालन के लिए नोडल अधिकारियों को मंच, पंडाल, पेयजल और बैठक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक शिविर स्थल पर मेडिकल टीम तैनात रहेगी और सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन को सौंपी गई है। निर्बाध विद्युत आपूर्ति और सूचना प्रसार के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्रों की व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ शहरी क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शिता के साथ पहुँचाना है।

आयुक्त ने शिविर स्थल का किया निरीक्षण

दुर्ग/नवप्रदेश। निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने नोडल अधिकारी व कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, कार्यपालन अभियंता प्रकाश चंद थवानी, कार्यपालन अभियंता सलीम मोहम्मद सिद्दीकी सहित निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ शिविर स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने निर्देशित किया कि शिविर स्थलों पर साफसफाई, पेयजल, कूलर, टेंट और बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे सहज रूप से अपनी समस्याएं दर्ज करा सकें। शिविर में वार्ड 1 से 13 और 56 व 57 के नागरिकों के लिए जन समस्या निवारण शिविर लगाया जा रहा है। 15 वार्डों के नागरिक इस शिविर में अपनी समस्याएं दर्ज कराकर मौके पर समाधान प्राप्त कर सकेंगे। नगर निगम दुर्ग द्वारा शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर समस्याओं की जानकारी देने की अपील की गई है।

पीआईसी की बैठक में 2.50 करोड़ के विकास कार्य मंजूर

जामुल/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद जामुल में पीआईसी की बैठक में ढाई करोड़ की लागत से विकास कार्यों को मंजूरी दी गई। नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में बैठक में विकास कार्यों की दरों का अनुमोदन किया। नपा अध्यक्ष सिंह ठाकुर ने बताया कि 15 वें वित्त आयोग से पालिका क्षेत्र में 48 लाख की लागत से बीटी रोड, वायु गुणवत्ता सुधार हेतु पेवर ब्लॉक, एफएसटीपी प्लांट के कार्य होंगे। राज्य प्रवर्तित योजनांतर्गत मुक्तिधाम उन्नयन, चार तालाबों में महतारी घाट का निर्माण 45 लाख की लागत से होगा। जामुल में लगभग राशि 4.30 लाख की लागत से जीवीपी पाईट भी बनेगा। सामुदायिक शौचालय हेतु 15 लाख, पुष्पवाटिका 24 लाख, भू-जल संवर्धन हेतु 19 लाख, मूलभूत कार्य पानी, बिजली व सफाई के लिए 57 लाख, नहर किनारे ब्रिक लाईनिंग कार्य हेतु 18 लाख स्वीकृत किये गए हैं। वर्ष 2026-27 हेतु बजट का अनुमोदन भी किया गया। नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने बताया नगर पालिका जामुल के विकास कार्यों के लिए निकाले गये निविदा में 2 करोड़ 50 लाख से अधिक के कार्यों हेतु प्राप्त दरों का अनुमोदन किया गया है। पीआईसी की बैठक में सभापति अहिल्या वर्मा, खम्भन ठाकुर, रामदुलार साहू, कविता बिश्वाल, शांति टण्डन, चुम्मन वर्मा, सीमा यादव सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी रमाकांत साहू, उप-अभियंता सचिन भागवत, लेखापाल शिवाजी प्रसाद, राजस्व निरीक्षक हरीश साहू, मोहन वर्मा, पुरूषोश्रम सोनी, आशा जंघेल सहित सभी विभाग के प्रभारीगण उपस्थित थे।

सांसद करेंगे समीक्षा

दुर्ग/नवप्रदेश। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक सांसद विजय बघेल की अध्यक्षता में 6 मई को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष में होगी। बैठक में विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण, दीनदयाल अन्त्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण, दीनदयाल अन्त्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की जाएगी।

बीएसपी की कॉफी टेबल बुक का प्रथम प्रकाशन

भिलाई/नवप्रदेश। सेल-बीएसपी के सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सुरक्षा जागरूकता को रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से बढ़ावा देने अभिनव पहल की गई है। 'ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता 2026' में प्राप्त कलाकृतियों का संकलन कॉफी टेबल बुक प्रथम बार प्रकाशित किया गया। इस कॉफी टेबल बुक का विधिवत विमोचन इस्पात भवन के डीआईसी कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित सेफ्टी सेनेट बैठक के दौरान किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी (भिलाई इस्पात संयंत्र) चित्तरंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) प्रबीर कुमार सरकार, कार्यपालक निदेशक (माइंस) कमल भास्कर, मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) देबदत्त सत्पथी सहित अन्य मुख्य महाप्रबंधकगण व वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

यह प्रकाशन 11 जनवरी को आयोजित ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता पर आधारित है, जिसमें 1200 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की थी। सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विगत 25 वर्षों से इस प्रतियोगिता का नियमित आयोजन किया जा रहा है, जो बाल मन में सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने का एक प्रभावी माध्यम बना हुआ है। पूर्व में इन कलाकृतियों का प्रदर्शन 19 से 23 जनवरी 2026 तक नेहरू आर्ट गैलरी में आयोजित प्रदर्शनी में किया गया था, जहाँ आमजन को प्रतिभागियों की सृजनात्मकता एवं उनमें निहित सुरक्षा संदेशों को समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

इस वर्ष का यह प्रकाशन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि पहली बार इन कलाकृतियों को डिजिटल एवं मुद्रित दोनों स्वरूपों में संकलित किया गया है, जिससे प्रतिभागियों के प्रयासों को स्थायी पहचान मिल सके।

नाम-परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं वेमन कुमार पिता बंशीलाल चंद्राकर पता मकान नंबर 555 बाजार पारा अंडा दुर्ग जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़) 491221 यह शपथ करता हूं कि मैंने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम वेमन कुमार चंद्राकर पिता बंशीलाल चंद्राकर रख लिया हूँ। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय,अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम वेमन कुमार चंद्राकर पिता बंशीलाल चंद्राकर से ही जाना व पहचाना जावे।

शपथकर्ता
वेमन कुमार
पिता बंशीलाल चंद्राकर
पता मकान नंबर 555 बाजार पारा
अंडा जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़)

नाम-परिवर्तन

मैं फाल्गो राम (FALGO RAM) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पिता लालजी राम वर्मा, निवासी प्लाट नं.-1010/18, सड़क नं. 31/बी, इस्पात नगर, रिसाली, सिविक सेंटर भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) ने अपना नाम फाल्गो राम (FALGO RAM) से बदल कर फाल्गोराम वर्मा (FALGORAM VERMA) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
फाल्गो राम
पिता लालजी राम वर्मा,
निवासी प्लाट नं.-1010/18,
सड़क नं. 31/बी, इस्पात नगर,
रिसाली, सिविक सेंटर भिलाई
तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग-01 जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र/202604104700075
/अ-06/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती ज्योति शर्मा पति श्री मुकेश कुमार शर्मा उम्र 32 वर्ष 2. श्री मुकेश शर्मा पिता श्री धनेश्वर प्रसाद शर्मा उम्र 36 वर्ष दोनो निवासी फ्लैट कमांक जी 8/12, चौहान टाउन जुनवानी रोड मिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा स्थित भूमि मौजा खपरी प.ह.नं. 13 रा.नि.सं. जेवरा सिरसा तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर 326/1, 330, 331. 334, 335, 339/1, 340/1,340/2, 341/1, 341/2, 342, 343/1, 343/2, 344/1. 344/2, 345, 346, 347/1, 347/2, 348, 349, 350 क्षेत्रफल 840 वर्गफीट भूमि को विक्रेता चौहान हाउसिंग चौहान टाउन ग्राम खपरी प्रो. श्री अजय चौहान पिता स्व. विपत उर्फ दीपेश्वर चौहान से रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से दिनांक 27/03/2019 को कय किया। उक्त आवेदित भूमि को केता के नाम पर प्रमाणीकरण किये जाने आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 18.05.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 27.04.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग-01 (छ.ग.)

सीएम साय से की मुलाकात: जीएसआर 220 और 817 निरस्त करने की मांग

पुलिस के साथ दवा दुकानों की जांच पर आपत्तिः सीसीडीए

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ केमिस्ट एंड डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को ज्ञापन सौंपकर प्रदेश में दवा दुकानों पर पुलिस बल की उपस्थिति में की जा रही संयुक्त जांच प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। संगठन ने इसे औषधि व्यवसायियों के सम्मान और मनोबल के विपरीत बताते हुए कहा कि इससे व्यापारिक वातावरण में भय और असमंजस की स्थिति बन रही है।

एसोसिएशन के प्रदेश सचिव अविनाश अग्रवाल और उपाध्यक्ष राजेश कुमार साहू ने मुख्यमंत्री को सौंपे ज्ञापन के माध्यम से बताया कि प्रदेश में 18 हजार से अधिक लाइसेंसधारी दवा विक्रेता और 40 हजार से ज्यादा प्रशिक्षित फार्मासिस्ट कार्यरत हैं, जो शहरी से लेकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक आवश्यक एवं जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं। कई स्थानों पर ये फार्मासिस्ट प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहली कड़ी के रूप में भी काम करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में पहले से ही पर्याप्त संख्या में औषधि निरीक्षक और संबंधित अधिकारी उपलब्ध हैं, जो नियमित रूप से जांच करते हैं। पुलिस की मौजूदगी में अलग से संयुक्त कार्रवाई करने से अनावश्यक दबाव और भय का माहौल बन रहा है, जिससे दवा आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

उन्होने जीएसआर 220 एवं 817 निरस्त करने और अवैध ऑनलाईन दवा विक्रय पर नियंत्रण की प्राथमिकता से मांग की है। अग्रवाल और साहू ने बताया कि एसोसिएशन ने जीएसआर 220 और जीएसआर 817 को भी निरस्त करने की मांग उठाई है। इन प्रावधानों के कारण वैध दवा व्यवसायियों को प्रशासनिक जटिलताओं और व्यापार संचालन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश में नशे से जुड़े मामलों में ऑनलाइन माध्यमों से दवाओं की अवैध आपूर्ति की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। संगठन ने सरकार से अपील की है कि वैध दुकानों पर दबाव बनाने के बजाय ऑनलाइन अवैध दवा विक्रय पर कठोर नियंत्रण किया जाए। एसोसिएशन के प्रदेश सचिव अविनाश अग्रवाल और उपाध्यक्ष राजेश कुमार साहू ने कहा कि दवा विक्रेता हमेशा शासन-प्रशासन के साथ सहयोगात्मक भूमिका निभाता आए है और कोविड-19 जैसे संकट काल में भी सक्रिय सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार की शिकायत या जांच की आवश्यकता हो, तो विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत औषधि निरीक्षकों द्वारा ही कार्रवाई की जानी चाहिए।

बिन अनुमति, प्रशासनिक लापरवाही और राजनीतिक उदासीनता के बीच अटका प्रोजेक्ट

■ **लाखों खर्च के बाद भी नहीं मिला लाभ**

जीवन एस साहू

गरियाबंद/नवप्रदेश। विकासखंड मैनपुर से लगभग तीन किलोमीटर दूर मैनपुरकला पंचायत के फुलझर गांव के पास स्थित सलफ जलाशय पिछले 40 वर्षों से अधूरा पड़ा है। कभी यह परियोजना गरियाबंद अंचल के किसानों के लिए जीवनदायिनी साबित हो सकती थी, लेकिन आज भी अधूरी होने के कारण किसान पानी के लिए तरस रहे हैं।

सलफ जलाशय की परिकल्पना 1980 के दशक में अविभाजित मध्यप्रदेश शासन काल में की गई थी। योजना के तहत पहाड़ियों को जोड़कर फुलझर नाले पर बांध निर्माण प्रस्तावित था। यदि यह परियोजना पूरी हो जाती, तो मैनपुर, मैनपुरकला, गठीगढ़, हरदीभाटा, गोपालपुर, गौराट, दैहारगुड़ा और नहानबिरी सहित दर्जनों गांवों की हजारों एकड़ जमीन सिंचित हो सकती थी।

जानकारी के अनुसार, इस परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत कार्य तीन दशक पहले ही पूरा कर लिया गया था, लेकिन अंतिम चरण में काम

अचानक रुक गया। वर्तमान में नहरें टूट चुकी हैं, संरचनाएं जर्जर हो चुकी हैं और पूरा प्रोजेक्ट खंडहर में तब्दील होता जा रहा है।

बताया जाता है कि इस जलाशय को वन विभाग द्वारा लगभग 4 लाख

पेड़ों की कटाई का हवाला देकर रोक दिया गया था। हालांकि अब इस पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि वास्तव में इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई प्रस्तावित थी या यह केवल अनुमान था। साथ ही यह भी सवाल उठ रहा है कि परियोजना शुरू करने से पहले वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया गया था या नहीं।

यदि वन विभाग से अनुमति ली गई थी, तो परियोजना 40 वर्षों से क्यों अटकी रही, और यदि अनुमति नहीं ली गई थी, तो इतनी बड़ी योजना बिना मंजूरी कैसे शुरू हो गई। यह पूरा मामला प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

जल संसाधन विभाग द्वारा इस अधूरे बांध को बचाने के लिए वर्षों से लाखों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। नहरों की सफाई और मरम्मत भी कराई गई,

प्रशासनिक लापरवाही

पिछले चार दशकों में कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन इस महत्वपूर्ण परियोजना को पूरा करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए। सलफजलाशय अब केवल एक अधूरी योजना नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही, अधूरी पर्यावरणीय प्रक्रिया और राजनीतिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है।

लेकिन परियोजना को पूरा करने की दिशा में अब तक कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है।

लंबे समय से अधूरी पड़ी इस परियोजना की नहरों पर अब अवैध कब्जा भी होने लगा है। कई स्थानों पर निर्माण कार्य हो चुके हैं, जिससे भविष्य में परियोजना को पूरा करना और कठिन हो सकता है। इस जलाशय के अधूरे रहने का खामियाजा किसान हर साल सूखे के रूप में भुगत रहे हैं। यदि यह परियोजना पूरी हो जाती, तो मैनपुर क्षेत्र में जल संकट काफी हद तक खत्म हो सकता था।

घर पहुंच सेवा का नहीं मिल रहा फायदा, फोन करने पर एजेंसी से ही सिलेंडर लेकर जाने की कह रहे बात

घरेलू एलपीजी गैस वितरण पर अनियमितताएं दलालों का बोलबाला, उपभोक्ता हो रहे परेशान

छुईखदान/नवप्रदेश। खैरागढ़ क्षेत्र में घरेलू एलपीजी गैस वितरण व्यवस्था पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। क्षेत्र में हालात ऐसे बन गए हैं कि आम उपभोक्ताओं को न तो समय पर गैस मिल पा रही है और न ही तय नियमों के अनुसार घर-घर डिलीवरी की सुविधा मिल रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इंडियन ऑयल कार्पोरेशन (इंडेन गैस) से जुड़े वितरक उपभोक्ताओं को फोन कर साफ कह देते हैं कि 'गाड़ी नहीं आएगी, जहां बताया गया है वहां आकर सिलेंडर ले जाओ।' यदि कोई उपभोक्ता नियमों का हवाला देता है या घर तक डिलीवरी की मांग करता है, तो उसे एजेंसी से ही सिलेंडर लेने के लिए मजबूर किया जाता है।

जबकि घरेल एलपीजी वितरण के स्पष्ट दिशा-निर्देश मिनिस्ट्री ऑफ पेट्रोलियम एंड

नेचुरल गैस द्वारा तय किए गए हैं, जिनके अनुसार गैस एजेंसी की जिम्मेदारी होती है कि वह सिलेंडर उपभोक्ता के घर तक पहुंचाए और सभी उपभोक्ताओं को समान सेवा प्रदान करे। साथ ही घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है। इसके बावजूद क्षेत्र में इन नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है।

स्थिति को और गंभीर बनाता है छुईखदान में सक्रिय गैस दलालों का नेटवर्क। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एजेंसी से मिलीभगत के चलते घरेलू सिलेंडर सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचने के बजाय दलालों तक पहुंच रहे हैं, जहां से उन्हें 400 से 500 रुपये अतिरिक्त कीमत पर बेचा जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि आज तक इन गैस दलालों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे उनका हौसला और बढ़ गया है। इस बीच भीषण गर्मी में आम नागरिकों की परेशानी और बढ़ गई है। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को धूप में खड़े होकर घंटों गैस सिलेंडर लेने का इंतजार करना पड़ रहा है। कई मामलों में महिलाएं और बुजुर्ग खुले आसमान के नीचे लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते देखे जा सकते हैं, जो व्यवस्था की संवेदनहीनता को दर्शाता है। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि जहां आम उपभोक्ताओं को घर तक डिलीवरी नहीं मिलती, वहीं प्रभावशाली या 'पावर सोर्स' वाले लोगों के घरों तक आसानी से गैस पहुंचा दी जाती है, जिससे भेदभाव के आरोप भी सामने आ रहे हैं। इसके अलावा क्षेत्र में ठेलों और छोटे व्यवसायों में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का खुलेआम उपयोग किया जा रहा है, जो नियमों का सीधा उल्लंघन है। बावजूद इसके अब तक छुईखदान में कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों का आरोप है कि संबंधित फूड एंड सिविल सप्लाई डिपार्टमेंट और स्थानीय प्रशासन केवल औपचारिकता निभा रहा है और जमीनी स्तर पर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया जा रहा।

छुईखदान के नागरिक अब यह सवाल उठा रहे हैं कि आखिर कब तक उन्हें इस तरह बुनियादी सुविधा के लिए परेशान होना पड़ेगा। यदि जल्द ही इस पूरे मामले में पारदर्शिता नहीं लाई गई और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो यह मुद्दा आने वाले समय में बड़े जनआक्रोश का रूप ले सकता है।

---

11 केवी लाइन पर हादसा, बिना सेफ्टी किट काम कर रहे युवक को लगा करंट

■ **20 फीट नीचे गिरकर गंभीर**

महासमुंद/नवप्रदेश।। शहर में बिजली मेंटेनेंस के दौरान गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। 11 केवी लाइन पर काम कर रहा युवक अचानक बिजली सप्लाई चालू होने से करंट की चपेट में आ गया और करीब 20 फीट ऊंचे खंभे से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सिटी कोतवाली थाना श्रेत्र की है।

कैसे हुआ हादसा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सुभाषनगर वार्ड, सरस्वती राइस मिल के पास सुबह 10:30 से 10:45 बजे शहर में लो वोल्टेज और लोड बैलेंस सुधारने के लिए मेंटेनेंस कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान अरबाज कुरेशी (27) खंभे पर चढ़कर 11 केवी लाइन पर काम कर रहा था। काम शुरू करने से पहले बिजली बंद की गई थी। करीब 5 मिनट बाद अचानक सप्लाई चालू हो गई। युवक सीधे हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गया

हालत गंभीर, रायपुर रेफर

करंट लगने से युवक के दोनों हाथ और पेट का हिस्सा बुरी तरह झुलस गया।संतुलन बिगड़ने पर वह 20 फीट नीचे गिर पड़ा, जिससे गंभीर अंदरूनी चोटें आईं। तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद प्राथमिक इलाज के बाद रायपुर रेफर किया गया। यह हादसा बिजली मेंटेनेंस कार्यों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी को उजागर करता है। समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो ऐसे हादसे दोबारा भी हो सकते हैं।

क्या बोले परिजन व जनप्रतिनिधि

फोन से घटना की सूचना मिली है। विभागीय लापरवाही के कारण अचानक बिजली चालू हुई, जिससे हादसा हुआ।

-यूनूस कुरेशी, घायल के पिता

ठेकेदार ने कोई सुरक्षा उपकरण नहीं दिया। इतना जोखिम भरा काम बिना सेफ्टी के कराया जा रहा था।

-मुस्ताक खान (विक्की), पार्षद

लोड बैलेंस के लिए ट्रांसफार्मर पर काम चल रहा था। संभवतः रिटर्न करंट आने से हादसा हुआ है। घायल को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है।

-पी. आर. वर्मा, एक्जीक्यूटिव इंजीनियर, सीएसपीडीसीएल, महासमुंद

बड़ा सवाल

बिना सेफ्टी किट क्यों कराया जा रहा था काम? बिजली बंद होने के बाद अचानक सप्लाई कैसे शुरू हुई? क्या ठेकेदार और विभाग की लापरवाही जिम्मेदार?

तेज रफ्तार कार विद्युत पोल से टकराई 13 वर्षीय बालक की मौके पर मौत

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। नवापारा क्षेत्र में तड़के सुबह तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर विद्युत पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पोल से चिंगारी निकलने लगी और आसपास की बिजली आपूर्ति कुछ समय के लिए ठप हो गई। हादसे में कार सवार 13 वर्षीय नाबालिग युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य किशोर घायल बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार हादसा महावीर (बजरंग) चौक के पास हुआ है। सुबह करीब 3 बजे एक तेज रफ्तार कार इंदिरा मार्केट से बस स्टैंड की ओर जा रही थी। इसी दौरान कलकत्ता फोटो स्टूडियो के पास मोड़ पर चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार अनियंत्रित होकर विद्युत पोल से जा टकराई। हादसे के वक्त जोरदार धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग नींद से जागकर घरों से बाहर निकल आए।

घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था और वाहन के परखच्चे उड़ गए थे। हादसे में कार चला रहे 13 वर्षीय नाबालिग, निवासी सतनामी पारा, नवापारा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कार में सवार दो अन्य नाबालिगों को मामूली चोटें आई हैं।

जांच में जुटी पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही नवापारा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस हादसे के बाद 13 वर्षीय नाबालिग के कार चलाने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई करने और अभिभावकों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

अनुभव जैन बने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में महामंत्री

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। अनुभव जैन को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में महामंत्री पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर उन्होंने पार्टी नेतृत्व एवं वरिष्ठजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उसके लिए सदैव कृतज्ञ रहेंगे। उन्होंने अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से करने का संकल्प लिया।

नवनियुक्त महामंत्री अनुभव जैन ने अपने मार्गदर्शक एवं पिता सुनील जैन का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि उनके पिता के मार्गदर्शन, संस्कार एवं प्रेरणा से ही उन्हें समाज एवं संगठन के लिए कार्य करने की सीख मिली है।

इसके साथ ही उन्होंने माननीय प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रामा यादव तथा समस्त कांग्रेसजनों का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के सहयोग से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सतत प्रयास करेंगे।

'अंगना म शिक्षा' से गांव में सजी पाठशाला, माताएं बन रहीं शिक्षक

छुईखदान/नवप्रदेश। गर्मी की छुट्टियों में जहां आमतौर पर बच्चों की पढ़ाई की रफ्तार धीमी पड़ जाती है, वहीं ग्राम पंडरिया में एक सराहनीय पहल ने सीखने की प्रक्रिया को निरंतर बनाए रखा है। यहां 'अंगना म शिक्षा' कार्यक्रम के तहत घर-घर में ग्रीष्मकालीन शिविर (समर कैंप) आयोजित किए जा रहे हैं, जो बच्चों के भविष्य को संवारने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

इस पहल का नेतृत्व शिवांगी पशीने कर रही हैं, जिनके मार्गदर्शन में गांव की माताएं अपने-अपने घरों के आंगन को ही कक्षा में बदल रही हैं। संकुल केंद्र संडी के अंतर्गत आने वाले इस गांव में माताएं बच्चों को खेल-खेल में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान सिखा रही हैं।

खेल-खेल में सीखने का अनोखा तरीका

शिविर में बच्चों को कविता, कहानी, स्थानीय खेल और गणितीय पहेलियों के माध्यम से पढ़ाया जा रहा है। इससे न सिर्फबच्चों की पढ़ाई में रुचि बनी हुई है, बल्कि वे आनंद के साथ नई चीजें भी सीख रहे हैं।

माताओं को मिला नया आत्मविश्वास

इस कार्यक्रम की खास बात यह है कि माताओं को पहले प्रशिक्षित किया गया, ताकि वे खुद अपने बच्चों को पढ़ा सकें। इससे माताओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ रही हैं।

अधिकारियों ने की सराहना

इस नवाचार की सराहना करते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी गिरेंद्र सुधाकर और बीआरसी दुष्यंत शर्मा ने इसे प्रेरणादायक पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पूजा कार्यक्रम में विवाद, दोनों पक्षों पर केस दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। सांकरा थाना क्षेत्र में पूजा कार्यक्रम के दौरान हुए विवाद में पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर मामला दर्ज किया है। घटना 28 अप्रैल की बताई जा रही है, जब ग्राम तिलंजनपुर में एक घर में पूजा का आयोजन चल रहा था।

पहले पक्ष के ग्राम सावित्रीपुर के सरपंच कमल सिंह बरिहा ने पुलिस को बताया कि वह तिलंजनपुर निवासी विद्या निषाद के घर आयोजित पूजा कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। दोपहर करीब 2 बजे जब वे भोजन कर रहे थे, तभी वहां मौजूद चेरीडीपा निवासी शिवप्रसाद निषाद, उसका पुत्र खीरसागर निषाद तथा अन्य लोग शराब के नशे में गाली-गलौज कर रहे थे। मना करने पर आरोप है कि सभी ने मिलकर उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इस शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं दूसरे पक्ष से चेरीडीपा निवासी खीरसागर निषाद ने बताया कि वह अपने पिता और मामा केशम निषाद के साथ पूजा कार्यक्रम में शामिल होने गया था। आरोप है कि भोजन के दौरान कमल सिंह बरिहा ने उनके मामा को गाली देते हुए थप्पड़ मार दिया। बीच-बचाव करने पर कमल सिंह ने डंडे से मारपीट की। दूसरे पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने कमल सिंह बरिहा के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 296 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बसना में 31 पौवा शराब के साथ युवक गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना-गढ़पटनी मार्ग पर पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से देशी प्लेन शराब की बड़ी मात्रा बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, बसना थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 8 निवासी जसप्रीत उर्फ आकाश वधवा (21) को शराब भट्ठी के सामने संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 31 पौवा देशी रोमियो प्लेन शराब (कीमत लगभग 2480 रुपए) बरामद की गई।

एमए इतिहास और एमए राजनीति विज्ञान के विद्यार्थी ने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया

नगरी/नवप्रदेश। पं.रविषंकर षुक्ल विष्वविद्यालय की सत्र 2024-25 की प्रावीण्य सूची में एम.ए.इतिहास एवं एम.ए.राजनीतिविज्ञान के विद्यार्थी सुश्री टेंकेष्वरी ने इतिहास में छठवां स्थान एवं सुश्री इंद्राणी साहू ने राजनीतिविज्ञान में दसवां स्थान प्राप्त करके महाविद्यालय और समस्त नगरी क्षेत्र को गौरवान्वित किया है । षासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी के विद्यार्थियों ने विष्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची पटल पर अपना नाम अंकित करके यह साबित कर दिया है कि सूदूर आदिवासी अंचल में स्थित इस महाविद्यालय में भी मेघावी छात्र-छात्राओं की कमी नहीं है । प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने दोनो विद्यार्थियों को डॉ.अष्वनी कुमार ध्रुव प्रभारी प्राचार्य, प्रो.राजाराम मेहरा राजनीतिविज्ञान विभागाध्यक्ष, प्रो.हितेषा नंद ठाकुर इतिहास विभागाध्यक्ष सहित डॉ. रमेष कुमार देवांगन, प्रो.जयराम कुर्रे, डॉ.दीपा देवांगन, प्रो.लोकेष्वरी राठिया, प्रो.कौषल नायक, प्रो.लालमन बेरवंष, डॉ.कविता, सागर मंडावी, अविरल तिवारी, सीता नेताम, नेहा राजन, डॉ.अंबा षुक्ला, डॉ.ममता सौरज, डॉ.खेमचंद, भूशण कुमार साहू, डॉ.वेणु साहू, प्रमोद चैरे, प्रियंका सिंह, ललिता कोकिला, डिलेश्वरी पटेल कृष्णकुमार सिन्हा, अब्बास मेमन ने बधाई दी है ।

सफलता: गरियाबंद जिले में कक्षा 12वीं का 92.89 प्रतिशत एवं दसवीं का 84.16 प्रतिशत रहा परिणाम

कलेक्टर ने किया टॉपर विद्यार्थियों का सम्मान, शिक्षकों की मेहनत को सराहा

बोर्ड परीक्षा कक्षा दसवीं और बारहवीं का परीक्षा परिणाम घोषित

गरियाबंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने कल कक्षा 10 वीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। जिला प्रशासन की नवाचारी पहल गौरव गरियाबंद अभियान के फलस्वरूप बोर्ड द्वारा जारी परीक्षा परिणाम में जिले के विद्यार्थियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। जिले में कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 92.89 प्रतिशत एवं दसवीं का 84.16 प्रतिशत रहा। जो कि पिछले वर्ष की तुलना में कक्षा बारहवीं में 3 प्रतिशत एवं दसवीं में 4 प्रतिशत की वृद्धि रही। कक्षा बारहवीं के परीक्षा परिणाम में जिले के विद्यार्थियों ने सफलता का परचम लहराते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। इसके फलस्वरूप राज्य स्तर की रैंकिंग में

कक्षा बारहवीं में 33 जिलों में पांचवा स्थान हासिल किया है। इसी प्रकार कक्षा दसवीं में 14वें स्थान हासिल किया है। जिले के बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए कलेक्टर श्री बीएस उइके ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए बेहतर भविष्य की शुभकामनाएं दी। साथ ही बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए लगातार अच्छे काम करने एवं छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों एवं शिक्षकों के मेहनत की भी प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई दी।

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले में कक्षा 12वीं में 5 हजार 506 विद्यार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 5 हजार 473 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। शामिल विद्यार्थियों में से 3 हजार 571 विद्यार्थी फर्स्ट डिवीजन, 1 हजार 473 विद्यार्थी सेकंड डिवीजन एवं 32 विद्यार्थी थर्ड डिवीजन से पास हुए। पूरक आने वाले विद्यार्थियों की संख्या 300 रही। इस प्रकार 5 हजार 76 विद्यार्थी उत्तीर्ण एवं 88 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण रहे। इस प्रकार पासिंग प्रतिशत 92.89 रहा। इसी प्रकार कक्षा 10वीं में 7 हजार 408 विद्यार्थी पंजीकृत थे। इनमे से 7 हजार 287 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें से 7 हजार 263 विद्यार्थियों का परिणाम घोषित किया गया। इन विद्यार्थियों में से 3 हजार 716 विद्यार्थी फर्स्ट डिवीजन, 2 हजार 286 विद्यार्थी सेकंड डिवीजन एवं 111 विद्यार्थी थर्ड डिवीजन से पास हुए। पूरक आने वाले विद्यार्थियों की संख्या 539 रही। इस प्रकार 6 हजार 113 विद्यार्थी उत्तीर्ण एवं 611 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण रहे। इस प्रकार पासिंग प्रतिशत 84.16 रहा। इस दौरान टॉपर विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे नियमित रूप से पढ़ाई करते हैं और अपने दैनिक टाइम-टेबल का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखना ही उनकी सफलता का मुख्य आधार है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान अनुशासन में रहना बेहद जरूरी है। साथ ही कहा कि वे मोबाइल और सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते थे। कलेक्टर ने जल जीवन अभियान अंतर्गत जल संरक्षण की शपथ दिलाई। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री पंकज डाहिरे, अपर कलेक्टर ऋषा ठाकुर, जिला शिक्षा अधिकारी श्री जगजीत सिंह धीर, डीएमसी श्री शिवेश शुक्ल, श्री मनोज केला, श्री श्याम चंद्राकर, श्री बुद्धविलास सिंह सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थियों के अभिभावक एवं मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, हाईवे पर दर्दनाक हादसा

■ **बिरकोनी के पेट्रोल पंप के पास पीछे से मारी ठोकर, मौके पर मौत पुलिस ने दर्ज किया मामला**

महासमुंद/नवप्रदेश। बिरकोनी स्थित पेट्रोल पंप के पास नेशनल हाईवे-53 पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जितेंद्र ढीढी 27 अप्रैल को अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एमएक्स 9727 से ड्यूटी के लिए घोड़ारी जा रहा था। इसी दौरान बिरकोनी के आरजी पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जितेंद्र ढीढी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। मामले में पुलिस ने आरोपी अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 106(1) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है।

मजदूरों का अपना अस्पताल: दल्लीराजहरा का शहीद हॉस्पिटल, संघर्ष से जन्मी सेवा आज भी जिंदा

(1 मई मजदूर दिवस विशेष)

बालोद/नवप्रदेश। लौह अयस्क की लाल धूल से ढका छोटा सा कस्बा दल्ली राजहरा अपने भीतर एक ऐसी कहानी समेटे हुए है, जो सिर्फ इतिहास नहीं बल्कि संघर्ष, एकता और सेवा का जीवंत उदाहरण है। यहां स्थित शहीद अस्पताल सिर्फ एक अस्पताल नहीं, बल्कि मजदूरों के खून-पसीने से बना जनआंदोलन का प्रतीक है।

संघर्ष से जन्मी सेवा की मिसाल: इस अस्पताल की नींव 1980 के दशक में उस समय पड़ी, जब खदान मजदूर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे थे। प्रसिद्ध श्रमिक नेता शंकर गुहा नियोगी के नेतृत्व में मजदूरों ने यह संकल्प लिया कि वे अपने और अपने समाज के लिए खुद स्वास्थ्य व्यवस्था खड़ी करेंगे।यही वह दौर था जब हजारों मजदूरों ने श्रमदान और चंदा जुटाकर इस अस्पताल की हर एक ईंट रखी। इसीलिए कहा जाता है कि यह अस्पताल ÷मजदूरों द्वारा, मजदूरों के लिए÷ बनाया गया है।

शहादत की याद में बना 'शहीद' अस्पताल: इस अस्पताल का नाम उन 11 खनिकों की शहादत की याद में रखा गया, जो 1977 के ऐतिहासिक श्रमिक आंदोलन के दौरान पुलिस गोलीबारी में मारे गए थे। 3 जून 1983 को जब इसका उद्घाटन हुआ, तो किसी बड़े नेता ने नहीं बल्कि एक खदान मजदूर और एक किसान ने फीता काटकर इसे जनता को समर्पित किया–यही इसकी असली पहचान है।

आज भी मजदूरों की धड़कन: आज यह अस्पताल करीब 150 बिस्तरों वाला सुसज्जित स्वास्थ्य केंद्र बन चुका है, जहां सामान्य चिकित्सा, सर्जरी, प्रसूति, बाल रोग, दंत चिकित्सा और मनोचिकित्सा जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। सबसे खास बात यह है कि यहां इलाज बेहद सस्ता और सुलभ है, जिससे गरीब, किसान और मजदूर वर्ग को बड़ी राहत मिलती है।

लोकतंत्र से चलता है अस्पताल

शहीद अस्पताल की एक अनोखी पहचान इसकी आंतरिक लोकतांत्रिक व्यवस्था है। यहां डॉक्टर, नर्स, सफाईकर्मी और अन्य कर्मचारी मिलकर निर्णय लेते हैं।

वेतन, काम के घंटे, अस्पताल के विकास जैसे विषयों पर बैठकों में चर्चा होती है। कई बार लोग कहते हैं कि यहां लोकतंत्र थोड़ा ज्यादा है, लेकिन यही इसकी सबसे बड़ी ताकत भी है।

संघर्ष की कहानियां आज भी जिंदा: इस अस्पताल की दीवारें आज भी उन कहानियों को जीवित रखे हुए हैं, जब 10 हजार मजदूरों ने काम रोककर निर्माण कार्य में योगदान दिया था, या जब बिजली की मांग को लेकर आंदोलन हुआ था।

यहां काम करने वाले बुजुर्ग स्वास्थ्यकर्मी आज भी उस दौर की यादें सुनाते हैं, जब मजदूर सिर्फ अपने पेट के लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए भी लड़ते थे।

संघर्ष और निर्माण की जीवंत मिसाल: शंकर गुहा नियोगी का दिया गया सिद्धांत 'संघर्ष और निर्माण' आज भी इस अस्पताल की आत्मा है। यहां के लोग मानते हैं– हम अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं और समाज के लिए सेवा करते हैं।

मजदूर दिवस पर संदेश: 1 मई, मजदूर दिवस के अवसर पर शहीद अस्पताल हमें यह सिखाता है कि जब समाज एकजुट होता है, तो वह अपने लिए बेहतर व्यवस्था खुद खड़ी कर सकता है। यह अस्पताल सिर्फइलाज का केंद्र नहीं, बल्कि एक विचार, एक आंदोलन और एक प्रेरणा है–जहां इंसानियत, सेवा और संघर्ष आज भी साथ-साथ चलते हैं। दल्ली राजहरा का शहीद अस्पताल यह साबित करता है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो मजदूर भी इतिहास रच सकते हैं। आज जब स्वास्थ्य सेवाएं महंगी होती जा रही हैं, तब यह अस्पताल एक मिसाल बनकर खड़ा है। जहां सबसे सस्ता ही नहीं, बल्कि सबसे मानवीय इलाज मिलता है।

न्यूज गैलरी

3 वर्षों से सीमांकन के लिए भटक रहा किसान, अब तक नहीं हुई कार्रवाई

कवर्धा/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले के ग्राम छिरहा में जमीन सीमांकन का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां किसान दिलीप चंद्रवंशी पिछले तीन वर्षों से अपनी भूमि के सीमांकन के लिए लगातार आवेदन दे रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। इससे किसान को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, दिलीप चंद्रवंशी ने ग्राम छिरहा स्थित भूमि खसरा नंबर 46/8, रकबा 0.0202 हेक्टेयर को चंदा बाई मानिकपुरी से विधिवत खरीदा था। खरीद के समय जमीन से संबंधित सभी दस्तावेज–रजिस्ट्री, पर्ची, नक्शा और खसरा–सही थे। किसान ने वर्ष 2022-23 में उक्त भूमि पर धान की खेती कर उत्पादन भी लिया और सोसायटी में बिक्री की, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उस समय रिकॉर्ड व्यवस्थित था। किसान का आरोप है कि वर्ष 2024 में अचानक जमीन का नक्शा राजस्व रिकॉर्ड से गायब हो गया, जिससे सीमांकन की प्रक्रिया रुक गई। इसके बाद उन्होंने कई बार पटवारी, राजस्व निरीक्षक (आरआई) और तहसीलदार को आवेदन देकर समस्या से अवगत कराया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला।

प्रशासन ने ग्राम शिकारीटोला में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा और अतिक्रमण में चलाया बुलडोजर

राजनांदगांव/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा और अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में राजस्व एवं पुलिस विभाग की टीम द्वारा आज छुरिया तहसील के ग्राम शिकारीटोला में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा एवं अतिक्रमण पर कार्रवाई की गई। ग्राम शिकारीटोला के चमारराय निषाद द्वारा कुल 8.10 वर्गमीटर शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा और अतिक्रमण कर बनाए गए घर को बुलडोजर से तोड़ा गया। इस दौरान अवैध कब्जा और अतिक्रमण करने वालों को भविष्य में शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या अवैध कब्जा कर निर्माण नहीं करने की हिदायत दी गई। जिले में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा और अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बिजली कंपनी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

सीएसपीडीसीएल व एसबीआई के बीच अनुबंध, कर्मियों को मिलेगा सीधा लाभ

बिजली कर्मियों को मिलेगा 1.60 करोड़ तक का बीमा कवच

रायपुर/कवर्धा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड कर्मियों को एक करोड़ साठ लाख तक दुर्घटना बीमा सहित कई अन्य बैंकिंग सुविधाएं मिलने जा रही हैं। भारतीय स्टेट बैंक के साथ इस संबंध में डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। इसके तहत कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उन्नत बैंकिंग सुविधाओं के साथ ही साथ व्यापक बीमा सुरक्षा प्रदान की जाएगी। अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर की उपस्थिति में किया गया। पॉवर कंपनी मुख्यालय सेवा भवन में पॉवर कंपनी की ओर से महाप्रबंधक (वित्त) श्री नवीन कुमार ठाकुर एवं एसबीआई के

उप महाप्रबंधक श्री राकेश कुमार सिन्हा ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए।

सीएसपीडीसीएल के महाप्रबंधक (वित्त) श्री नवीन ठाकुर ने बताया कि स्टेट बैंक में कंपनी के जिन अधिकारी - कर्मचारियों का सैलरी पैकेज प्लान होगा उन्हें एक करोड़ रुपए तक का पर्सनल एक्सीडेंट बीमा, एक करोड़ 60 लाख रुपए तक का एयर एक्सीडेंट बीमा (हवाई यात्रा दुर्घटना बीमा), एक करोड़ तक का स्थायी दिव्यांगता कवर तथा 80 लाख रुपए तक का आंशिक दिव्यांगता कवर मिलेगा। इसके अतिरिक्त एसबीआई के रूपे डेबिट कार्ड के माध्यम से 10 लाख रुपए तक का पर्सनल एक्सीडेंट कवर तथा श्रेणी के अनुसार 50 लाख से 1 करोड़ रुपए तक का एयर एक्सीडेंट बीमा भी उपलब्ध होगा।

श्री ठाकुर ने बताया कि बैंकिंग सुविधाओं में कर्मचारियों को न्यूनतम बैलेंस की अनिवार्यता से छूट, निःशुल्क इंटरनेट बैंकिंग, एसबीआई एटीएम पर अनलिमिटेड ट्रांजैक्शन, आरटीजीएस एवं एनईएफटी शुल्क में रियायत तथा लॉकर किराए में छूट जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न श्रेणियों के अनुसार कर्मचारियों को अमेजन प्राइम सदस्यता, यात्रा एवं मनोरंजन से जुड़े ऑफर, एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस तथा चयनित श्रेणियों में जिम, स्पा एवं अन्य लाइफस्टाइल सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

जहां कुशासन की बहार वहां कैसा सुशासन तिहार: कांग्रेस

हिट स्ट्रोक व हिट वेव में तिहार के नाम पर अत्याचार: रूपेश

राजनांदगांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने हिट स्ट्रोक व हिट वेव में छग सरकार की सुशासन रूपी नौटंकी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि आज छग सुशासन नहीं कुशासन की चपेट में है ! राज्य में सरकार के संरक्षण से प्रशासन और अपराधियों की जुगलबंदी से महिला बच्चियों पर अत्याचार, अफीम की खेती, चाकूबाजी सहित सभी प्रकार के अपराध चरम पर है। संरक्षण की लंबी फेरहिस्त जैसे कलेक्ट्रेट के एन आई सी से आई डी हैक कर किए गए नामांतरण फर्जीवाड़ा में 26/9/2025 से थाना कोतवाली में दर्ज एफ आई आर क्र 575/25 में आरोपियों को आज तक गिरफ्तारी नहीं की गई है आरोपी राजस्व न्यायालय में दर्ज अपराध की भूमि पर तहसीलदार के संरक्षण आपत्ति कर चोरी और सीना जोरी कर रहा है,महिला प्रशिक्षण भवन सहित किराए के अवैध भवनो में शराब दुकान और शहर में अवैध बार आबकारी विभाग चलवाकर भ्रष्टाचार का खुला खेल खेल रहे है, धान खरीदी में अवैध धान पकड़ने की वाहवाही लूटकर पकड़े गए धान वाहन को छोड़ने का काम, अवैध खनिज उत्खनन में वाहनों को जप्त/राजसात ना करना, अवैध पैक्ड पानी के व्यवसाय को संरक्षण, डायग्नोस्टिक सेंटरों में अयोग्य टेक्निशियन मामले में चुप्पी, महिला बाल विकास में फर्जी नियुक्ति, सहकारिता में अवैध नियुक्तिकर्ता पर कोई कार्यवाही नहीं, छुरिया क्षेत्र में चना के निर्धारित रकबे से अधिक रकबा बीमा राशि का फर्जीवाड़ा, केला और चना फसल बीमा राशि हड़पने वालों को खुली छूट, न्यू बायो लुक कंपनी को सिंचाई जलाशय का अवैध पानी उपयोग पर अपराध दर्ज नहीं कराना जैसे गंभीर मामले है।

खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त कार्रवाई में खनिजों का अवैध परिवहन करने पर 2 हाईवा जप्त

राजनांदगांव/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खनिज एवं राजस्व विभाग द्वारा जिले में खनिज का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज एवं राजस्व विभाग द्वारा गस्त कर खनिजों का अवैध परिवहन करने संयुक्त कार्रवाई की गई। प्रदीप साहू के स्वामित्व के हाईवा सीजी 08 बीबी 7116 द्वारा ग्राम मनकी निवासी वाहन चालक पोषण लाल साहू द्वारा चूना पत्थर व गिट्टी का अवैध परिवहन करने पर कार्रवाई करते हुए थाना डोंगरगांव को सुपुर्द किया गया।

बोर्ड परीक्षा परिणाम में राजनांदगांव जिले ने दर्ज की प्रगति

राजनांदगांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा सत्र 2025-26 के बोर्ड परीक्षा परिणाम जारी होते ही जिलों की रैंकिंग एवं टॉप-टेन विद्यार्थियों की जानकारी के साथ जिलेवार एवं स्कूलवार परिणामों का विस्तृत अवलोकन किया गया। यह स्पष्ट हुआ कि राजनांदगांव जिले ने इस वर्ष बोर्ड परीक्षा परिणामों में प्रगति दर्ज करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाई है। जिले के कुल 166 हाई स्कूलों में से 44 स्कूलों ने 100 प्रतिशत परिणाम प्राप्त कर बेहतरीन उपलब्धि हासिल की है। वहीं 64 स्कूलों ने 90 से 99 प्रतिशत के बीच परिणाम दर्ज किया। इस प्रकार कुल 166 स्कूलों के विरूद्ध 108 स्कूलों में 90 से 100 प्रतिशत परिणाम रहा, जो जिले के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। इस बेहतर प्रदर्शन के फलस्वरूप जिले ने राज्य स्तर पर पिछले वर्ष के 25वें स्थान से सुधार करते हुए 9वां स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10वीं के 89.41 प्रतिशत परीक्षा परिणाम के साथ जिले ने अपना बेहतर प्रदर्शन किया। कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम भी 68.76 प्रतिशत से बढ़कर 89.41 प्रतिशत पहुंच गया, जो 20 प्रतिशत से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

न्यायालय तहसीलदार अहिवारा जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202604104000058 /अ-74/वर्ष 2025-26/ मौजा सेमरिया प.ह.न. 09

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अर्जुन दास मानिकपुरी पिता स्व. कौशल मानिकपरी एवं अन्य जाति पनिका, निवासी उरला की ओर से आम मुख्तयार टिकम सिंह सेंगर पिता लक्ष्मण सिंह सेंगर, निवासी सरस्वती स्कूल के पास कुरूद तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है कि मौजा ग्राम सेमरियर, प.ह.नं. 009, तहसील अहिवारा जिला दुर्ग (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 331/3, 544/3, 772/3, 1077/3, 1173/3, 1517/3 रकबा क्रमशः 0.11, 0.11, 0.08. 0.18, 0.13, 0.29 हे0 भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में अर्जुन दास मानिकपुरी, गेंददास मानिकपुरी, अनूप दास मानिकपुरी पिता स्व. कौशल मानिकपुरी उर्फअटल दास मानिकपुरी, चमेनी बाई उर्फ सोनकुंवर पति स्व. रोहित दास मानिकपुरी के नाम पर शामिलात भूमिस्वामी हक में दर्ज है। उक्त आवेदित भूमि खाता विभाजन से प्राप्त हुआ है। जिसमें खसरा नंबर 1517/3 रकबा 0.29 हे. भूमि का नक्शा बटांकन नही हुआ है। उक्त भूमि का नक्शा बटांकन करने हेतु निवेदन कर आवेदन के समर्थन में, वर्तमान बी-1, नक्शा, खसरा, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज की सत्यापित छायाप्रति संलग्न कर प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव इस आवेदन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति, दावा हो तो स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में पेशी दिनांक 05/05/2026 को या उसके पूर्व कार्यालयीन दिवस को लिखित में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नही किया जावेगा। यह ईश्तहार आज दिनांक 24.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील-मुहर से जारी किया गया है।

मुहर — **तहसीलदार** **अहिवारा जिला दुर्ग (छ.ग.)**

नाम-परिवर्तन

मै अस्मा खान सुपुत्री (AIMAN NOOR KHAN) (ऐमन नूर खान) पिता (IFTEKHAR AHMAD KHAN) निवासी-वार्ड नं. 14, भिलाई-03, गांधी नगर, भिलाई चरोदा, दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्री का नाम (EMAN NUR) पिता (IFTEKHAR AHMAD KHAN) (पुराना नाम) से बदल कर (AIMAN NOOR KHAN) (ऐमन नूर खान) पिता (IFTEKHAR AHMAD KHAN) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
अस्मा खान सुपुत्री ऐमन नूर खान
पिता IFTEKHAR AHMAD KHAN
निवासी-वार्ड नं. 14, भिलाई-03, गांधी नगर, भिलाई चरोदा, दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र/अ-06/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जा है कि आवेदक गजानंद आ. जीवनलाल निवासी ग्राम जेवरा तह व जिला दुर्ग (छ.ग) के द्वारा ग्राम जेवरा तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा न. 472, 562, 887/1 रकबा 0.890, 0.590, 0.080 हे. भूमि जो कि जौलाल आ. रामजी के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के भूमिस्वामी की मृत्यु दिनांक 31.03.2026 को हो जाने पर जिसे वसीयतनामांतरण के आधार पर आवेदक के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 21.05.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28.04.2026 को यह उदघोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार** **दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202604103500009 /अ-20(3)/ वर्ष 2025-26

आवेदिका श्रीमती वर्षा बघेल पति श्री सौरभ बघेल उम्र 31 वर्ष निवासी-इंदिरा कालोनी बलोदा बाजार जिला-बलोदा बाजार भाठापारा (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि दुर्ग नगर स्थित नजूल जांच शीट नं. 78 बी भूखण्ड क्रमांक 62/1 क्षेत्रफल 50 वर्गमीटर भूमि श्रीमती लताबाई ओगरे पति स्व. भरतलाल ओगरे निवासी - कौशल पुर मोहरेंगा तहसील बेरला जिला बेमेतरा (छ.ग.) के नाम पर दर्ज है। भूमिस्वामी श्रीमती लताबाई की दिनांक 4/8/25 को मृत्यु हो चुकी है। लताबाई द्वारा अपनी छोटी पुत्री आवेदिका के नाम पर उक्त भूमि का वसीयतनामा दिनांक 26/7/25 को निष्पादित किया गया है जिसके आधार पर उक्त भूमि को वसीयत प्राप्तकर्ती आवेदिका द्वारा अपने नाम पर दर्ज करने हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदित भूमि का ओवेदिका के नाम पर नामांतरण किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो वह अपना आपत्ति / दावा प्रकरण में प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर न्यायालय नजूल अधिकारी, दुर्ग के समक्ष स्वतः अथवा अपने प्लीडर के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्रस्तुत दावा / आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 02.04.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से जारी किया है।

मुहर — **नजूल जांच अधिकारी** **दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धनेश कुमार पिता बिष्णु राऊत निवासी चंदखुरी दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा अपने माता बुधियाबाई राऊत पति बिष्णु राऊत की जन्म/मृत्यु दिनांक 29.05.2020 को हो जाने पर जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र, पार्षद प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज संलग्न कर इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 05.05.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 20.04.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **कार्यपालिक दण्डाधिकारी** **जिला दुर्ग (छ.ग.)**

नाम-परिवर्तन

मैं शनाज खातून (SHANAJ KHATUN) पिता श्री आजाद खान (AJAD KHAN) उम्र 23 वर्ष, पता-सैयद बाबा मजार के पास, कृष्णा नगर, सुपेला भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग) की हूं मैं अपना पुराना नाम शनाज खातून (SHANAJ KHATUN) पिता श्री आजाद खान (AJAD KHAN) पता सैयद बाबा मजार के पास, कृष्णा नगर, सुपेला भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग) को बदलकर नया नाम शहनाज खातून (SHAHNAJ KHATOON) पति श्री मकसूद आलम (MAKSUD ALAM) रख लिया है।

शपथकर्ती
शनाज खातून
पिता श्री आजाद खान
पता-सैयद बाबा मजार के पास, कृष्णा नगर, सुपेला भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202604101000116 /अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. 202604101000116 /अ-6/वर्ष 2025-26 में आवेदिका/ आवेदक मोलेश्वरी साहू पिता/पति विनोद कुमार साहू निवासी आर्य नगर कोहका भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 407 रकबा 0.0200 हे. भूमिस्वामी रामबाई पिता/पति गयाराम के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी अपने पुत्री मोलेश्वरी साहू पिता/पति विनोद कुमार को पंजीकृत वसीयतनामा निष्पादित किया गया है। इस आधार पर वसीयतप्राप्तकर्ता अपना नाम दर्ज करने हेतु आवेदन पत्र मय वसीयतनामा की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि को प्राप्तकर्ता के नाम पर नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 11.05.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या आने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदक पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 17.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया है।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार** **भिलाईनगर (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202604101000138 /अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिता साहू पति जमुना साहू निवासी सकरवाल घुलघुली द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि खसरा नं. 413 रकबा 0.020 हे. भूमि भूमि जो कि रामबाई बेवा गयाराम के नाम पर भूमिस्वामी के रूप में दर्ज है, उक्त आवेदित भूमि के भूमिस्वामी रामबाई बेवा गयाराम की मृत्यु होने से मृतक भूमिस्वामी के द्वारा मृत्यु पूर्व अपने जीवनकाल में आवेदक के नाम पर पंजीकृत वसीयतनामा निष्पादित किया था, भूमिस्वामी की मृत्यु होने पर आवेदित भूमि को पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर आवेदक स्वयं के नाम पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 11.05.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17.04.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर — **तहसीलदार** **दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.202604100700115 /अ-27/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदक बिपिन कुमार अग्रवाल पिता स्व. परमानंद अग्रवाल एवं अन्य 03 हिस्सेदार निवासी सड़क शंकर नगर रोड, एम.पी. नर्सिंग होम के बाजू, दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग, प.ह.नं. 19 तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नं. 866, 867, 868, 870, 871, 875, 876, 877/1, 878, 1266/2, 1379 रकबा क्रमशः 0.4580, 1.1740, 0.4780, 0.3230, 0.4500, 0.1540, 0.1290, 0.9380, 0.2100, 0.1870, 0.0570 हे. कुल रकबा 4.5580 हे. भूमि संयुक्त रूप से भूमिस्वामी हक में दर्ज है। उक्त आवेदित भूमि को आपसी सहमती के आधार पर आवेदक एवं अनावेदकगण के मध्य 1/4 हिस्से का खाता विभाजन कर ऋण पुस्तिका प्रदान किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है ।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 14.05.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 27.04.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **तहसीलदार** **दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

(धारा 178 प्रारूप ख)

मा.क्र.202604100700100 /अ-27/वर्ष 2025-26

क्योंकि मौजा पोटियाकला तह. व जिला दुर्ग के सहभूमिस्वामी विपिन कुमार अग्रवाल आ. स्व. परमानंद अग्रवाल निवासी शंकर नगर रोड दुर्ग तह. व जिला दुर्ग ने निम्नांकित अनुसूचि में निर्दिष्ट खाते के अपने भाग के विभाजन के लिए आवेदन किया है एवं क्योंकि उक्त खाते का बंटवारा किया जाना प्रस्तावित हुआ है एवं सुनवाई का दिनांक 18.05.2026 स्थान तहसील कार्यालय दुर्ग पर दिन 11:00 बजे नियत किया गया है। उक्त खाते में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वे निश्चित दिनांक को या तो स्वतः अथवा किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधि द्वारा हाजिर हों एवं अपने आक्षेपों यदि कोई हो तो पेश करें। उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर हाजिर नहीं होने पर एवं आक्षेपों को पेश नहीं कर पाने की स्थिति में आक्षेपों पर विचार नहीं किया जावेगा।

(खाते का विवरण)
सर्वेक्षण संख्यांक/भूखंडांक- 316/3
क्षेत्रफल- 1.8780 हे.
भू-राजस्व- 6.5000

आज दिनांक 23.04.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

मुहर — **तहसीलदार** **दुर्ग (छ.ग.)**

नाम-परिवर्तन

मैं दशोदा (DASHODA) नाम, जिसे बदला जाना है) ध.प. कृष्णा कुमारे, निवासी- नंदिनी खुंदनी तह. अहिवारा, वि.ख. धमधा जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ ने अपना नाम दशोदा (DASHODA) (पुराना नाम) से बदल कर यशोदा पाल (YASHODA PAL) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ती
दशोदा ध.प. कृष्णा कुमारे
निवासी- नंदिनी खुंदनी
तह. अहिवारा, वि.ख. धमधा
जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़)

नाम-परिवर्तन

मै (RAJ KUMAR DAKUA) (माता / पिता/ पालक का नाम) सुपुत्र (AAYANSH BEHERA) पिता (MAHESHWAR BEHERA) माता (SNIGDHA SUCHARITA BEHERA) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) शहर 34, वार्ड नंबर 50, बोरसी भाठा, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) 491001 ने अपने नाबालिग सुपुत्र का नाम (AAYANSH BEHERA) पिता (MAHESHWAR BEHERA) माता (SNIGDHA SUCHARITA BEHERA) (पुराना नाम) से बदल कर (AAYANSH DAKUA) पित्ता RAJ KUMAR DAKUA) माता (LATIKA KUMARI DAKUA) रख लिया है।

शपथकर्ती
RAJ KUMAR DAKUA
पिता MAHESHWAR BEHERA
शहर 34, वार्ड नंबर 50, बोरसी भाठा, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) 491001

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202604103800013/75 /अ-20(3)/ वर्ष 2025-26

आवेदक उत्तर कुमार चंद्रवंशी पिता स्व. लतेल सिंह चंद्रवंशी, निवासी रायपुर के आवेदन अनुसार नजूल स्थित भूमि शीट क. 74, भूखण्ड क. 3/32, रकबा 129.64 वर्गमीटर भूमि मंजूला चंद्रवंशी पति उत्तर चंद्रवंशी के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक द्वारा पंजीकृत दानपत्र दिनांक 29.03.2026 आवेदक के पक्ष में निष्पादित किया गया है। उक्त आधार पर आवेदक द्वारा दानकर्ता नाम विलोपित कर दानप्राप्तकर्ता के नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 20.05.2026 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27.04.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — **नजूल जांच अधिकारी** **दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.202604100700114 /अ-27/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक विपिन कुमार अग्रवाल पिता स्व. परमानंद अग्रवाल एवं अन्य 11 हिस्सेदार निवासी सड़क शंकर नगर रोड, एम.पी. नर्सिंग होम के बाजू, दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग, प.ह.नं. 19 तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नं. 1094/1, 1094/2, 1188/3 रकबा कमशः 0.18.20, 0.0120, 0.0570 हे. भूमि संयुक्त रूप से भूमिस्वामी हक में दर्ज है। उक्त आवेदित भूमि को आपसी सहमती के आधार पर आवेदक एवं अनावेदकगण के मध्य 1/4 हिस्से का खाता विभाजन कर ऋण पुस्तिका प्रदान किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 14.05.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 27.04.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **तहसीलदार** **दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार अहिवारा जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202604104000059 /अ-74/वर्ष 2025-26/ मौजा सेमरिया प.ह.न. 09

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अंजारे दास पिता स्व. नवल एवं अन्य जाति पनिका, निवासी कुरूद भिलाई की ओर से आम मुख्तयार टिकम सिंह सेंगर पिता लक्ष्मण सिंह सेंगर, निवासी सरस्वती स्कूल के पास कुरूद तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है कि मौजा ग्राम सेमरियर, प.ह.नं. 009, तहसील अहिवारा जिला दुर्ग (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 331/2, 544/2, 1077/2, 1173/2, 1517/2 रकबा क्रमशः 0.11, 0.11, 0.19, 0.12, 0.19 हे0 भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में अंजारे दास, भगवती, संतोषी बाई सभी पिता स्व. नवल दास के नाम पर शामिलात भूमिस्वामी हक में दर्ज है। जिसमें खसरा नंबर 1517/2 रकबा 0.29 हे. भूमि का नक्शा बटांकन नही हुआ है। उक्त भूमि का नक्शा बटांकन करने हेतु निवेदन कर आवेदन के समर्थन में, वर्तमान बी-1, नक्शा, खसरा, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज की सत्यापित छायाप्रति संलग्न कर प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव इस आवेदन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति, दावा हो तो स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में पेशी दिनांक 05/05/2026 को या उसके पूर्व कार्यालयीन दिवस को लिखित में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नही किया जावेगा। यह ईश्तहार आज दिनांक 24.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील-मुहर से जारी किया गया है।

मुहर — **तहसीलदार** **अहिवारा जिला दुर्ग (छ.ग.)**

नाम-परिवर्तन

मै किशोर कुमार यादव सुपुत्र श्री रामनारायण यादव निवासी-मकान नंबर-299, मरार पारा, नियंर देशमुख किराना स्टोर, गया नगर, वार्ड नंबर-05, दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्री का नाम कु. भाविका यादव (KU. BHAVIKA YADAV) (पुराना नाम) से बदल कर भाविका यादव (BHAVIKA YADAV) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
किशोर कुमार यादव
सुपुत्र श्री रामनारायण यादव
निवासी-मकान नंबर-299, मरार पारा, नियंर देशमुख किराना स्टोर, गया नगर, वार्ड नंबर-05, दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़)

न्यूज गैलरी

खरोरा/नवप्रदेश। नव प्रदेश के खरोरा संवाददाता सूरज सोनी के द्वारा नगर पंचायत के मुख्यकार्यपालन अधिकारी ओम प्रकाश सिंह को नवप्रदेश प्रतीक चिन्ह और छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा सौजन्य भेट किए।

नवनियुक्त अध्यक्ष जीवन वर्मा ने लिया शिवरतन शर्मा से आशीर्वाद

भाटापारा/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ मार्गदर्शक एवं पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा से भाजयुमो ग्रामीण मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष जीवन वर्मा ने शिष्टाचार भेंट कर उनका स्नेहिल मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति श्रीकांत 'राजा' जायसवाल सहित मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। सभी ने संगठनात्मक विषयों एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से सार्थक चर्चा की। भाजयुमो ग्रामीण मंडल अध्यक्ष बनने पर जीवन वर्मा को नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा , प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अविनाश शर्मा , जनपद अध्यक्ष श्रीमती सविता प्रदीप अनंत, मंडल महामंत्री खुमान सिंह वर्मा, ठाकुर राम साहू, पीलू राम, रवि ऑडील, रोहित वर्मा, दिनेश वर्मा, रोहित साहू, प्रमोद मोदी निषाद, गोलू देवांगन, संतोष साहू, प्यारे रजक, बाहेरिक यदु, विजय वर्मा, शुभम पांडे, डॉ. रामबिहारी वर्मा, हिमित वर्मा, बादल धीवर, दुखहरण वैष्णव सहित ग्रामीण मंडल के समस्त द कार्यकर्ताओं ने जीवन वर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल हेतु शुभकामना दी।

संकुल केंद्र दतरेंगी में शिक्षकों का विदाई सह -सम्मान का आयोजन

भाटापारा/नवप्रदेश। संकुल केंद्र दतरेंगी भाटापारा मे अधिवर्षिकी पूर्ण कर चुके प्राचार्य ज्योतिष राम वर्मा शहीद संतोष ध्रुव शास.उच्च. माध्य. विद्यालय दतरेंगी एवं शिक्षक जगन्नाथ प्रसाद वर्मा* शास. पूर्व माध्य. शाला दतरेंगी का विदाई सह सम्मान* समारोह का आयोजन संकुल स्तर पर किया गया। आयोजन में संकुल के समस्त शिक्षक / शिक्षिकाओं का योगदान सराहनीय रहा। इस अवसर पर संकुल प्राचार्य टुपेन्द्र शर्मा , समन्वयक टीकाराम साहू एवं संकुल के समस्त व्याख्याता प्रधान पाठक तथा शिक्षक / शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन आजूराम वर्मा एवं मनीष तिवारी के द्वारा किया गया।

समर कैंप में बच्चों ने दिखाया उत्साह

भाटापारा/नवप्रदेश। शासकीय प्राथमिक शाला, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड में 21 से 30 अप्रैल तक समर कैंप का आयोजन संपन्न हुआ। कैंप का संचालन प्रधान पाठक शत्रुहन कुमार डहरिया एवं सहयोगी राजकुमारी साहू एवं प्रमोद वर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गीत, कहानी, कविता, मनोरंजक खेल, हिंदी-अंग्रेजी भाषाई गतिविधियाँ, गणितीय कौशल संबंधी एक्टिविटी,सामान्य ज्ञान ,ओरिगामी, मिट्टी के खिलौने, ड्राइंग, पेंटिंग, डांसिंग, पेपर एवं लकड़ी के क्राफ्ट , पेड़ की पत्तियों से आकृति निर्माण सजावट तथा तार्किक गेम्स जैसे कई रोचक गतिविधियाँ कराई गईं। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह समर कैंप विद्यालय में लगातार चौथी बार आयोजित हुआ ।

सिल्क समग्र-2 योजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिली नई रफ्तार

■ किसानों के लिए आय का मजबूत जरिया बना रेशम उत्पादन

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में केंद्र प्रायोजित सिल्क समग्र-2 योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रही है। रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों के लिए आय के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से लागू इस योजना के तहत महासमुंद जिले में अब तक 21 किसानों का चयन कर शहतूत पौधरोपण का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। यह पहल किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

योजना विशेष रूप से लघु एवं सीमांत किसानों को ध्यान में रखकर बनाई गई है, जिनके पास 5 एकड़ से कम कृषि भूमि है। ऐसे किसान अपनी एक एकड़ भूमि में शहतूत की खेती कर कृमिपालन के माध्यम से रेशम उत्पादन कर सकते हैं। किसान वर्षभर में 5 से 6 बार कृमिपालन कर प्रत्येक चक्र में 30 से 40 हजार रुपए तक की आय अर्जित कर सकते हैं। इस प्रकार खर्चों को घटाने के बाद प्रतिवर्ष 1 से 1.5 लाख रुपए तक की शुद्ध आय संभव है। योजना के अंतर्गत चयनित किसानों को चरणबद्ध तरीके से आर्थिक सहायता भी प्रदान की जा रही है। इसमें शहतूत पौधरोपण और सिंचाई के लिए 60-60 हजार रुपए, कृमिपालन गृह निर्माण हेतु 3 लाख 25 हजार रुपए तथा उपकरण एवं सामग्री के लिए 55 हजार रुपए शामिल हैं। कुल मिलाकर प्रत्येक किसान को 5 लाख रुपए तक की सहायता दी जा रही है, जिसमें 80 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार और 20 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा वहन की जाती है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए 28 अप्रैल 2026 को केंद्रीय रेशम बोर्ड और रेशम संचालनालय रायपुर की संयुक्त टीम ने महासमुंद जिले का दौरा किया। टीम में उप सचिव सब्यसाची खान, वैज्ञानिक डी विनोद सिंह तथा सहायक संचालक भजनलाल उइके शामिल रहे। इस दौरान जिला प्रभारी रेशम अधिकारी एवं उपसंचालक ठाकुरराम भी उपस्थित थे।

अधिकारियों ने चयनित स्थलों पर शहतूत पौधरोपण और कृमिपालन गतिविधियों का निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति और तकनीकी पहलुओं का मूल्यांकन किया। साथ ही लाभार्थी किसानों से संवाद कर उनके अनुभव, आय में हुए बदलाव और सामने आ रही चुनौतियों की जानकारी ली तथा आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

10वीं में 8 और 12वीं में 4 छात्राएं प्रदेश मेरिट सूची में शामिल, परिणाम में भी बालिकाएं रहीं आगे

महासमुंद की बेटियों का जलवा बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम

महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा 2026 के परिणाम में महासमुंद जिले की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम प्रदेशभर में रोशन किया है। इस वर्ष कक्षा 10वीं में 8 छात्राओं तथा कक्षा 12वीं में 4 छात्राओं ने प्रदेश की टॉप-टेन मेरिट सूची में स्थान बनाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

हायर सेकेण्डरी (12वीं) परीक्षा में के.जी. कॉन्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल, सरायपाली की छात्रा कु. शहनाज परवीन ने 97.60 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त किया। वहीं के.पी.आई. हायर सेकेण्डरी स्कूल, चट्टीगिरोला (सरायपाली) की छात्रा कु. गीतिका प्रधान ने 97 प्रतिशत अंक हासिल कर सातवां स्थान पाया। इसी तरह सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेण्डरी स्कूल, बागबाहरा की कु. पौर्वी देवांगन एवं एकलव्य इंग्लिश स्कूल, अर्जुंदा की कु. दिव्या अग्रवाल ने 96.60 प्रतिशत अंक के साथ संयुक्त रूप से नौवां स्थान प्राप्त किया।

हाईस्कूल (10वीं) परीक्षा में जिले की छात्राओं का प्रदर्शन और भी अधिक प्रभावशाली रहा। एकलव्य इंग्लिश स्कूल, अर्जुंदा की कु. संध्या नायक एवं एकलव्य इंग्लिश मीडियम हायर सेकेण्डरी स्कूल, बलोदा की कु. परीरानी प्रधान ने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा एकलव्य इंग्लिश स्कूल, अर्जुंदा की कु. रानू सिद्धीमयी साहू एवं कु. रेणुका प्रधान ने 98.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कु. चाहत चौधरी ने 98 प्रतिशत के साथ सातवां, कु. तिषा साहू ने 97.83 प्रतिशत के साथ आठवां तथा कु. भारती चंद्रा एवं कु. लता चौधरी ने 97.50 प्रतिशत अंक के साथ संयुक्त रूप से दसवां स्थान हासिल किया।

जिला शिक्षा अधिकारी के अनुसार सत्र 2025-26 में कक्षा 10वीं के लिए जिले से 12 हजार 851 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 12 हजार 663 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें 3 हजार 906 छात्र एवं 6 हजार 97 छात्राएं उत्तीर्ण रहीं। कक्षा 10वीं में बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 73.64 तथा बालिकाओं का 83.49 प्रतिशत दर्ज किया गया, जबकि कुल परीक्षा परिणाम 79.35 प्रतिशत रहा।

इसी प्रकार कक्षा 12वीं में 10 हजार 664 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 10 हजार 579 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। परीक्षा में 3 हजार 332 छात्र एवं 5 हजार 205 छात्राएं उत्तीर्ण हुईं। हायर सेकेण्डरी में बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 76.31 तथा बालिकाओं का 84.12 प्रतिशत रहा, जबकि जिले का कुल परीक्षा परिणाम 80.89 प्रतिशत दर्ज किया गया। बोर्ड परीक्षा में छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि महासमुंद की बेटियां शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। उनके इस प्रदर्शन से जिले में हर्ष का माहौल है।

सांकरा का हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा

नगरी/नवप्रदेश। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सांकरा का हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा, विद्यालय में कक्षा 10 वीं की दर्ज संख्या 159 एवं कक्षा 12 वीं की दर्ज संख्या 160 है, जिसमें कक्षा 10 वीं का परिणाम 96 प्रतिशत तथा कक्षा 12 वीं का परीक्षा परिणाम 98.11त्न रहा, कक्षा 10 वीं में प्रथम राहुल यादव 93.83 प्रतिशत एवं द्वितीय कुमारी स्नेहा 92.83 प्रतिशत रहे।इसी प्रकार कक्षा 12वीं में कुमारी उपासना साहू 94.80 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम कुमारी दिव्या साहू 94.20 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर रही, उपासना और दिव्या ने जिला स्तरीय प्रावीण्य सूची में क्रमशः पांचवां तथा आठवां स्थान प्राप्त किया है इस उपलब्धि पर प्राचार्य अनिभा अग्रवाल एवं शिक्षकों ने टॉपर विद्यार्थियों के निवास स्थान पर जाकर उन्हें बधाई दिया।

हाई स्कूल उमरगांव का परिक्षा परिणाम 97 फीसदी रहा

नगरी छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित वर्ष 2026 की हाई स्कूल (10वीं) एवं हायर सेकेंडरी (12वीं) बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम आज घोषित कर दिए गए। इस वर्ष धमतरी जिले का प्रदर्शन न केवल संतोषजनक रहा, बल्कि कई मायनों में उत्साहजनक और गौरवपूर्ण भी साबित हुआ। इसी प्रकार उमरगांव हाई स्कूल का परिक्षा परिणाम अच्छा रहा। प्रथम स्थान में कुमारी ख्याति साहू पिता मनोज साहू 88.3त्न, द्वितीय स्थान में हेमा ध्रुव पिता शिव कुमार ध्रुव 86.6त्न एवं तिसरे स्थान पर धात्री साहू पिता प्रेम साहू 86.5 ने बाजी मारी। इनकी खुशी में प्राचार्य अनिता सोम, सरपंच अंजना ध्रुव, जनपद सदस्य क्षमा साहू, चन्द्रभान यादव, पुनम कश्यप, प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक डोमन साहू, माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक सरोज प्रधान एवं शाला परिवार के सभी सदस्यों ने हार्दिक बधाई दी।

10वीं-12वीं के मेधावी छात्रों का कलेक्टर ने किया सम्मान

■ कलेक्टर ने कड़ी मेहनत से लक्ष्य हासिल करने किया प्रेरित

भाटापारा/नवप्रदेश। जिले के होनहार छात्रों ने 10 वीं और 12 वी कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा 12 वीं में पलारी के लाल जिज्ञासु वर्मा ने स्टेट टॉपर बनकर इतिहास रचा और जिले का मान बढ़ाया। गुरूवार को जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने कक्षा 10 वीं और 12 वीं के 11 मेधावी छात्रों को मोमेंटो और पौधा देकर सम्मानित किया।

कलेक्टर श्री शर्मा ने सभी छात्रों को बधाई और उज्जवल भविष्य की शुभकामना देते हुए कहा की आप लोगों की कड़ी मेहनत का परिणाम है कि आज यहां उपस्थित हैं। स्टेट टॉपर बनना अपने और परिवार के गौरव के साथ जिले और राज्य का मान बढ़ाने वाला परिणाम है। उन्होंने कहा कि हमेशा बड़े सपने देखें और उसे पूरा करने में कोई कसर न छोड़ें। आप लोगों ने सपने को सच करने के लिये मजबूत कदम बढ़ा दिया हैं। इसी मजबूती के साथ आगे बढ़े। आपकी कड़ी मेहनत ही आपके हौसलों को मजबूत करेगा।

कलेक्टर श्री शर्मा खरगोश और कछुआ की कहानी का जिक्र करते हुए कहा कि इस कहानी में जीवन का सार निहित हैं। यह हमें ऊर्जा, उत्साह, जूनून और शिथिलता का आभास कराती है।

कलेक्टर ने 10वीं और 12वीं के टॉपर्स के साथ किया भोजन

भाटापारा। जिले के होनहार विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उनके भविष्य को नई दिशा देने के उद्देश्य से गुरुवार को कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा के जिले के टॉपर्स को लंच के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने संयुक्त जिला कार्यालय के वेटिंग हाल में किये गए लंच क़ी व्यवस्था में छात्रों के साथ बैठकर भोजन किया। इस खास मुलाकात के दौरान कलेक्टर ने न केवल बच्चों की सफलता की सराहना की, बल्कि उनके करियर के लक्ष्यों और संघर्षों पर भी चर्चा की। भोजन के दौरान माहौल पूरी तरह अनौपचारिक रहा, जिससे छात्र काफी सहज नजर आए। छात्रों ने बेझिझक अपनी बात बताई।कलेक्टर ने बारी-बारी से सभी छात्रों से उनके पसंदीदा विषयों और भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा।

पेज 1 का शेष...

पेज 1 का शेष

सीएमडी हरीश दुहन ने अनेक प्रश्नों...

रही है। एसईसीएल इस बदलाव का सक्रिय भागीदार है और महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने कोयला उद्योग में पहली बार पूर्णतः महिला संचालित औषधालय और महिला संचालित केंद्रीय भंडार इकाई स्थापित की है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इसके साथ ही, 'प्रोजेक्ट धरा शक्ति' के माध्यम से हम उन महिलाओं को, जो भू-स्वामियों या आश्रितों के रूप में कंपनी में शामिल हो रही हैं, कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। उन्हें उनकी योग्यता के अनुरूप ऑपरेशनल और तकनीकी क्षेत्रों में कार्य करने के लिए तैयार किया जा रहा है। यह पहल केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और तकनीकी दक्षता विकसित करने का एक व्यापक प्रयास है, जो भविष्य में उद्योग के स्वरूप को भी बदलने में सहायक होगा।

Q खनिकों के कल्याण और सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

–खनिकों की सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आज खनन कार्य काफी हद तक मशीनीकृत हो चुका है, जिससे न केवल उत्पादकता बढ़ी है, बल्कि कार्यस्थल की सुरक्षा भी बेहतर हुई है। ओपनकास्ट खदानों में सरफेस माइनर और भूमिगत खदानों में कंटीन्यूअस माइनर जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे जोखिम कम हुआ है। इसके अतिरिक्त, कोल इंडिया द्वाराकॉर्पोरेट सैलरी पैकेजलागू किया गया है, जिसके तहत नियमित कर्मचारियों को 1 करोड़ और संविदा श्रमिकों को 40 लाख तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवरेज प्रदान किया जा रहा है। इस योजना में लाखों कर्मचारी शामिल हो चुके हैं और महत्वपूर्ण बात यह है कि इसके लिए कर्मचारियों को कोई प्रीमियम नहीं देना पड़ता। साथ ही, खदान दुर्घटना में मृत्यु की स्थिति में अनुग्रह राशि 15 लाख से बढ़ाकर 25 लाख कर दी गई है, जो सीधे आश्रितों को प्रदान की जाती है। यह दर्शाता है कि हम अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा और सम्मान के प्रति कितने प्रतिबद्ध हैं।

Q दवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को रोजगार देना एक संवेदनशील विषय है। इस दिशा में क्या प्रयास हुए हैं?

– यह विषय हमारे लिए केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। हम समझते हैं कि किसी कर्मचारी के निधन के बाद उसके परिवार के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो सकता है। इस दिशा में हमारी एचआर टीम ने अत्यंत सराहनीय कार्य किया है। पिछले वित्तीय वर्ष में एसईसीएल द्वारा 511 आश्रितों को रोजगार प्रदान किया गया, जो अब तक का सर्वोच्च स्तर है और पिछले वर्ष की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है। हमारा प्रयास केवल संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रक्रिया को तेज और संवेदनशील बनाना भी है। उदाहरण के तौर पर, एक मामले में मात्र 18 दिनों के भीतर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई—यह हमारे सिस्टम की दक्षता और मानवीय दृष्टिकोण दोनों को दर्शाता है।

Q पर्यावरण और सतत विकास के क्षेत्र में एसईसीएल की क्या प्राथमिकताएं हैं?

– हम यह भली-भांति समझते हैं कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इस दिशा में एसईसीएल लगातार ठोस कदम उठा रहा है। पिछले वर्ष हमने 13.96 लाख पौधरोपण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया और मियावाकी पद्धति के माध्यम से सघन वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया। इसके साथ ही, 43.78 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित कर लगभग 41,200 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी लाई गई। खदान जल के पुनः उपयोग के माध्यम से 3800 हेक्टेयर से अधिक भूमि में सिंचाई सुनिश्चित की गई, जो जल संरक्षण और सामुदायिक लाभ दोनों का उत्कृष्ट उदाहरण है। हमारा लक्ष्य है कि खनन गतिविधियों को पर्यावरणीय रूप से अधिक जिम्मेदार और टिकाऊ बनाया जाए।

Q भविष्य के लिए आपकी क्या प्राथमिकताएं हैं?

–भविष्य की दृष्टि से हम तकनीकी नवाचार, पारदर्शिता और ऊर्जा विविधीकरण पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। 'डिजीकोल' जैसी डिजिटल पहल के माध्यम से हमने रियल टाइम मॉनिटरिंग और पारदर्शिता को सुदृढ़ किया है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। इसके अलावा, हम कोयला गैसीकरण, उच्च दक्षता ऊर्जा उत्पादन, कोयला धुलाई, महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और जल आधारित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रहे हैं। हमारा उद्देश्य केवल वर्तमान की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करना नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत और टिकाऊ ऊर्जा ढांचा तैयार करना है।

Q माइनर्स डे के अवसर पर आप क्या संदेश देना चाहेंगे?

–माइनर्स डे हमारे लिए केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि उन सभी खनिकों के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है, जो अपने परिश्रम और समर्पण से देश को ऊर्जा प्रदान करते हैं। मैं सभी खनिकों को इस अवसर पर हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। आप ही वह शक्ति हैं, जो देश के हर घर को रोशन करती है और उद्योगों को गतिशील बनाए रखती है। एसईसीएल परिवार को आप पर गर्व है, और हमें विश्वास है कि आपके सहयोग और समर्पण से हम भविष्य में भी नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे और देश की ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत बनाएंगे।

छत्तीसगढ़ में श्रमिक आंदोलन...

संगठन बनाने के साथ ही यूनियन ने स्वास्थ्य सेवा के लिए भी अभियान चलाया और 50 बिस्तरों वाला अस्पताल बनवाया। श्रमिकों की शिक्षा के लिए छह स्कूल बनवाए। पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने अभियान चलाया। शराब विरोधी अभियान चलाया। नियोगी ने दानीटोला में एक श्रमिक विश्वविद्यालय स्थापित करने की योजना भी बनाई थी, लेकिन 28 सितंबर 1991 में उनकी असामयिक मृत्यु के कारण यह सपना साकार नहीं हो सका। करिश्माई नेता की मृत्यु के बाद यह आंदोलन सिमटने लगा। अब छत्तीसगढ़ में श्रमिक आंदोलन काफी कमजोर हो चुका है।

पेट की आग बुझाने के...

हैं। दूसरी ओर मजदूरों को तो बस पेट की आग बूझाने के लिए चंद रुपए की मजदूरी की आवश्यकता होती है। इसके लिए भोर की पहली किरण के साथ संघर्ष शुरू हो जाता है। शहर में गोल बाजार चैक में रोज सैकड़ों मजदूर गांव से आकर मजदूरी की तलाश करते काम में जुट जाते हैं।

जिले के ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों को भी रोजगार गारंटी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। काम अगर मिल भी रहा है तो मजदूरी का भुगतान समय पर नहीं हो रहा है। ऐसे में वे शहर की ओर काम की तलाश में भाग रहे हैं और ठेकेदारों के अंडर में 250-300 रुपए रोजी में काम करने को मजबूर हैं। नगर के मजदूरों ने बताया कि महंगाई के जमाने में एक-दो सदस्य के काम करने पर परिवार का गुजारा नहीं हो पाता, इसलिए महिलाएं भी रेजा का काम करती है। इस काम से उसे 250 रुपए मिल जाते हैं। राजकुमार ने बताया कि रोजगार गारंटी में नियमित काम नहीं मिलता और भुगतान में भी विलंब होता है। इसलिए वह शहर में आकर मेहनत मजदूरी करते हैं। हालांकि ठेकेदार के अंडर में काम करने में मेहनत अधिक लगता है पर पैसे समय पर मिल जाते हैं, जिससे घर में बच्चों को दो वक्त भरपेट भोजन मिल पाता है।

1500 श्रमिक दक्षिण भारत में कार्यरत

स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार छत्तीसगढ़ से लगभग 1500 श्रमिक दक्षिण भारत में कार्यरत हैं, लेकिन अधिकांश श्रमिक अपनी स्वेच्छा से रोजगार के लिए गए हैं। ऐसे मामलों में प्रशासन सीधे हस्तक्षेप नहीं कर सकता, जब तक कि बंधक बनाए जाने या शोषण की औपचारिक शिकायत न मिले। यही स्थिति श्रमिक सुरक्षा व्यवस्था की सीमाओं को उजागर करती है।

रायपुर के चावड़ी में हजारों...

दुर्दशा देखनी हो तो छत्तीसगढ़ के किसी भी बड़े शहर की चावड़ी में चले जाएं, जहां इनके श्रम की कम से कम कीमत लगाने की होड़ लगी रहती है। इनकी मजबूरी का नाजायज फायदा उठाकर इन्हें सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी से आधी मजदूरी पर काम के लिए ले जाया जाता है। मरता क्या नहीं करता की तर्ज पर अपने परिवार का पेट पालने के लिए ये मजदूर नाममात्र मजदूरी पर भी काम करने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

पेज 3 का शेष

33 फीसदी महिला आरक्षण...

करते हुए कहा कि हमारी 3 बहनें एक साथ खड़े होकर बोल रही थी, कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में 500 रुपये देने का वादा किया था, आज किस मुंह से ये महिला के अधिकारों की बात कर रहे हैं।

अनिला भेड़िया बोली- 543 सीटों पर 33% आरक्षण देने भाजपा की हिम्मत नहीं

विपक्ष से पूर्व मंत्री अनिला भेड़िया ने चर्चा में कहा- कांग्रेस 33त्न महिला आरक्षण के पक्ष में है। वर्तमान सीटों पर ही 33% आरक्षण लागू किया जाए। भाजपा की हिम्मत 543 सीटों पर 33% आरक्षण देने की नहीं है। महिलाएं इसका बदला भाजपा से जरूर लेंगी। अनिला भेड़िया ने कहा- भाजपा महिलाओं की कंधों पर बंदूक रखकर उनका अपमान कर रही हैं। चुनाव के बीच सत्र बुलाने की जरूरत क्यों पड़ी। महिला सुरक्षा पर सरकार बात करती है, आज कौन सी महिला देश में सुरक्षित है यह बताएं? देश में संस्कृति हमेशा नारी सम्मान की बात करती है।

महिला आरक्षण बिल के बीच गैस सिलेंडर को लेकर बहस

उज्जवला योजना पर चर्चा के बीच कांग्रेस विधायक संगीता सिन्हा ने कहा- आज हर घर में चूल्हा जल रहा है। सरकार ने 500 में सिलेंडर देने की बात कही थी। सत्ता के पक्ष के विधायकों ने कहा- ईरान में युद्ध चल रहा, इसलिए सकंट है। सत्ता पक्ष ने विपक्ष से कहा- आप लोग नहीं चाहते महिला आरक्षण पर चर्चा हो इसलिए बीच बीच में बोल रहे।

विशेष सत्र की शुरुआत के साथ ही तीखी बहस

विशेष सत्र की शुरुआत के साथ ही तीखी बहस हुई। शासकीय संकल्प के विषय को लेकर दोनों पक्षों में बहस हुई, विपक्ष ने कहा सदन के बाहर निंदा प्रस्ताव की बात कही गई थी, अब शासकीय संकल्प लाकर चर्चा कर रहे हैं। सत्तापक्ष की ओर से विधायक लता उसेंडी ने चर्चा की शुरुआत की। महिला आरक्षण के शासकीय संकल्प पर सदन में चर्चा जारी है।

नेता प्रतिपक्ष बोले- हमने महिला सशक्तिकरण के संबंध में संकल्प पेश किया

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा - हमने महिला सशक्तिकरण के संबंध में संकल्प पेश किया है। वर्तमान स्थिति में महिलाओं को 33त्न आरक्षण का अशासकीय संकल्प पेश किया है, स्पीकर डॉ. रमन सिंह ने अशासकीय संकल्प को अग्राह्य किया।

बड़ी संख्या में महिलाएं सत्र में शामिल

इस विशेष सत्र में प्रदेश भर की महिला जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया है। इसके लिए प्रदेशभर की निगम, पालिका और पंचायतों की 500 से ज्यादा महिलाएं शामिल हुई है।

दुर्ग-बिलासपुर में ईडी की...

ज्वेलर्स' पर छापा मारा। सुबह-सुबह शुरू हुई इस कार्रवाई में 10 से अधिक अधिकारी शामिल रहे। टीम ने कारोबारी प्रतिष्ठान और आवास दोनों जगहों पर दस्तावेजों की पड़ताल की। सूत्रों के मुताबिक, विवेक अग्रवाल के परिवार के तार कथित शराब घोटाले से जुड़े बताए जा रहे हैं। उनके भाई विकास अग्रवाल का नाम इस मामले में सामने आया है, जो फिलहाल फरार बताया जा रहा है। जांच एजेंसी इस कड़ी को ध्यान में रखते हुए वित्तीय लेनदेन और नेटवर्क की जांच कर रही है। फिलहाल दोनों जिलों में ईडी की कार्रवाई जारी है और अधिकारियों द्वारा जब्त दस्तावेजों के आधार पर आगे की जांच की जा रही है।

मध्य प्रदेश के हाईवे पर...

करीब 50 मजदूर सवार थे। वाहन करीब 100 किलोमीटर की रफ्तार में था।

टायर फटने से अनियंत्रित हुआ था पिकअप

प्रत्यक्षदर्शी शुभम सिसोदिया ने बताया कि हादसे के समय मैं घटना स्थल से कुछ ही दूरी पर मौजूद था। स्कॉर्पियो मांगूद से धार की ओर जा रही थी जबकि पिकअप वाहन धार से मांगूद की तरफ आ रहा था। इसी दौरान अचानक पिकअप का टायर फट गया। अनियंत्रित होकर पिकअप डिवाइडर को पार करते हुए रॉन्ग साइड में आ गया और सामने से आ रही स्कॉर्पियो से टकरा गया। फिर पलट गया।

जबलपुर में क्रूज डूबा...

हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पहुंची। अंधेरा होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में परेशानी आ रही है। हालांकि बड़ी टॉर्च का इस्तेमाल करके लोगों की तलाश की जा रही है।

ऑर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया का पूरा परिवार था सवार, एक का शव मिलाः जानकारी के मुताबिक ऑर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया का एक पूरा परिवार क्रूज में सवार था। इस परिवार के एक सदस्य का शव बरामद कर मेडिकल कॉलेज लाया गया है।

रायपुर में कोलकाता-पुणे...

एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क किया। इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे विमान को एयरपोर्ट रायपुर में उतारा गया। कुछ समय के लिए एयरपोर्ट पर हलचल बढ़ गई, लेकिन अन्य सभी यात्री सुरक्षित थे। लैंडिंग के तुरंत बाद एयरपोर्ट पर मौजूद मेडिकल टीम ने महिला को प्राथमिक उपचार दिया। बाद में एंबुलेंस से उन्हें अस्पताल भेजा गया। जरूरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद फ्लाइट ने करीब 1 बजे फिर से पुणे के लिए उड़ान भरी।

बिना ले-आउट के जमीन...

की कमी या कथित मिलीभगत के चलते अवैध प्लाटिंग का खेल धड़ल्ले से जारी है। मास्टर प्लान के दायरे में आने वाले पांचों ब्लॉकों महासमुंद, बागबाहरा, पिथौरा, बसना और सरायपाली में आवासीय, व्यावसायिक या अन्य किसी भी प्रकार की भूमि से जुड़ी फाइलें नगर तथा ग्राम निवेश विभाग तक नहीं पहुंच रही हैं। इसका सीधा फायदा भू-माफिया और जमीन दलाल को पहुंच रहा हैं, जबकि आम नागरिक इनके चंगुल में फंसकर अपनी जमा पूंजी गंवा रहे हैं।

केन्द्रीय विद्यालय से लगे रमनटोला, जो कि कुछ हिस्सा मचेवा ग्राम पंचायत में आता है, और कुछ हिस्सा नगर पालिका सीमा में आता है। पालिका सीमा क्षेत्र में भूमि स्वामी चेतना मालू (पति संजय मालू) के नाम दर्ज खसरा नंबर 1800 का भाग करीब 2 एकड़ जमीन को डायवर्सन कराकर छोटे-छोटे टुकड़ों में बेच दिया गया। बिना नगर तथा ग्राम निवेश विभाग से ले- आउट स्वीकृति लिए लगभग 32 लोगों को प्लॉट बेचे गए, जिससे एक बड़ी अवैध कॉलोनी स्थापित हो गई है।

संक्षिप्त खबरें

समरस संस्थान साहित्य सृजन प्रांत ईकाई का गठन, रूपेश बने मीडिया प्रभारी

खैरागढ़ / नवप्रदेश। समरस संस्थान साहित्य सृजन भारत को ऑनलाइन बैठक में छत्तीसगढ़ समरस संस्थान साहित्य सृजन भारत इकाई का विधिवत गठन किया गया। संस्थान का प्रमुख उद्देश्य हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार, समरस काव्य शाला के माध्यम से नवोदित एवं प्रतिष्ठित साहित्यकारों को मंच प्रदान करना तथा साहित्यिक आयोजनों के साथ-साथ समाज सेवा के माध्यम से सामाजिक जागरूकता फैलाकर जरूरतमंदों की सहायता करना है। ऑनलाइन बैठक में छत्तीसगढ़ इकाई के पदाधिकारियों की घोषणा में अध्यक्ष अखिलेश्वर मिश्रा अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ गायत्री साहू ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. चन्द्रशेखर शर्मा ,हरि प्रकाश गुप्ता उपाध्यक्षडॉ. इकबाल खान ,श्रवण कुमार साहू महामंत्री डॉ. अशोक आकाश, महामंत्री महिला प्रकोष्ठ सोनिया नायडू , सचिव लखन लाल साहू कोषाध्यक्ष हर्षा देवांगन, संगठन मंत्री केशव राम साहू कार्यालय मंत्री ओम प्रकाश साहू ,साहित्यिक मंत्री डॉ. माधवी गणवीर, सांस्कृतिक मंत्री रोहिणी पटेल , मीडिया प्रभारी रूपेश कुमार देवांगन को नियुक्त किया गया है । कार्यकारिणी सदस्यों मे खैरागढ़ की पदमा साहू को शामिल किया गया है । नवगठित इकाई प्रदेश में साहित्यिक गतिविधियों को नई दिशा देने के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बाधा तालाब गार्डन में अव्यवस्था झूलों के बीच कांटेदार झाड़ियां

नगरी / नवप्रदेश। धमतरी जिला नगर पंचायत नगरी द्वारा बाधा तालाब क्षेत्र में 1 करोड़ 54 लाखों रुपए की लागत से विकसित किए गए गार्डन की वर्तमान स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। लोगों के मनोरंजन और बच्चों के खेलने के उद्देश्य से यहां विभिन्न प्रकार के झूले और खेल उपकरण लगाए गए हैं, लेकिन देखरेख के अभाव में पूरा परिसर अव्यवस्थित नजर आ रहा है।गार्डन में लगे झूलों के चारों ओर घनी कांटेदार झाड़ियां और घास उग आई हैं, जिससे यहां खेलने आने वाले छोटे-छोटे बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा बना हुआ है। बच्चे बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के इन झूलों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे कभी भी दुर्घटना होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि गार्डन के निर्माण में भारी राशि खर्च की गई, लेकिन उसके रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नियमित साफ-सफाई और झाड़ियों की कटाई नहीं होने के कारण यह स्थान धीरे-धीरे उपेक्षा का शिकार होता जा रहा है।साथ मॉर्निंग वॉक करने वाले लोगों ने बताया तालाब किनारे बड़ी-बड़ी स्ट्रीट लाइट लगी हुई है कई दिनों से बंद पड़ा रहता है साथ कहा कि लाइट कभी-कभी जलता है छोटे छोटे बच्चे एवं लोगों के बीच शाम रात्रि में सांप बिच्छू का डर बना रहता है तालाब किनारे बनी सीसी रोड भी कई जगह दरारें आ चुकी है ।

25 ग्राम पंचायतों को अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के लिए राशि स्वीकृत

खैरागढ़ / नवप्रदेश। जिले की ग्राम पंचायतों के विकास को गति देने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को गौण खनिज से प्राप्त राशि से 25 ग्राम पंचायतों के लिए 1 करोड़ 25 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है। इससे ग्रामीण व्यवस्थाओं को मजबूती मिलने के साथ-साथ डिजिटल सेवाओं का विस्तार होगा। प्रत्येक चयनित ग्राम पंचायत को 5-5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। ग्राम पंचायतों में छुईखदान जनपद के ग्राम पंचायत आमगांव (ब), अचानकपुर, आमगांव (घ), अतरिया, बागुर, बरबसपुर, भाजीडोंगरी, भरदागोड़, भोरमपुर, भूर्भुसी, बिरनपुरकला, बीरुटोला और बोरई शामिल हैं। खैरागढ़ जनपद पंचायत क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में आमदनी, अमलीडीह कला, अतरिया, अवेली, बैगाटोला, बैहाटोला, बाजगुड़ा, बरबसपुर, बेन्द्रीडीह, भंडारपुर, भरदाकला एवं भुलाटोला को अटल डिजिटल सुविधा केंद्र स्थापित करने की स्वीकृति दी गई है।

सुशासन तिहार के पूर्व ग्रामीणों से मिले आवेदन का शिविर में करे निराकरण

■ **अधिकारी कर्मचारी शासकीय कार्यों में लापरवाही नहीं करे : कलेक्टर**

गरियाबंद, / नवप्रदेश। कलेक्टर बीएस उईके ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।कलेक्टर ने विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरते। तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करे। बैठक में प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए संभावित गड़बड़ियों की जांच कराने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लंबित पेंशन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण करे।छत्तीसगढ़ निरूशक्तजन वित्त एवं विकास निगम के अंतर्गत लंबित ऋण वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को विवाह पंजीयन तथा जन्म-मृत्यु पंजीयन की ऑनलाइन प्रक्रिया अनिवार्य रूप से लागू करने को कहा गया।आगामी खरीफविपणन वर्ष 2026-27 को ध्यान में रखते हुए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री उईके ने जिला स्तरीय कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन तथा इसे निचले स्तर तक लागू करने के निर्देश दिए।

साथ ही 1 मई से प्रारंभ होने वाली जनगणना की तैयारियों को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित होने वाले जन समस्या निवारण शिविरों को लेकर कलेक्टर ने विशेष जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक शिविर में प्राप्त आवेदनों का अनिवार्य रूप से पंजीयन किया जाए और उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्व, पंचायत, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, कृषि, बिजली और पेयजल सहित सभी विभाग सक्रिय रूप से भाग लें।कलेक्टर ने कहा कि जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन कार्ड, भूमि संबंधी प्रकरण, किसान पंजीयन एवं अन्य जनसामान्य से जुड़े मामलों का प्राथमिकता से मौके पर ही निराकरण किया जाए। शिविरों में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा आम नागरिकों से सीधे संवाद कर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए गए।

महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के संचालन को बेहतर बनाने एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार पर भी जोर दिया गया। बैठक में 11 मई 2026 को आयोजित होने वाले सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की तैयारियों की भी समीक्षा की गई, जो सोमनाथ मंदिर के 1000 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समन्वय के साथ कार्य करते हुए आम जनता को बेहतर, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खाली शराब की बोतल और डिस्पोजल से स्केटिंग करने वाले खिलाड़ी हो रहे परेशान

अधूरा मरम्मत के बाद बंद पड़े स्पोर्टिंग क्लब को शराबियों ने बना दिया अड्डा

खैरागढ़ / नवप्रदेश।। सिविललाइन इलाके मे स्थित रियासतकालीन राजा लाल बहादुर क्लब शराबियों का अडडा बन गया है । बंद पड़े लाल बहादुर क्लब के सामने प्रीमियम शराब दुकान के चलते अब शराबी बंद पड़े क्लब में अंधेरे के चलते शराबखोरी का प्रमुख केन्द्र बना चुके है। देररात तक यहां शराबियो का मजमा लग रहा है । जिसके कारण क्लब के सामने अल सुबह से स्केटिंग सीखने आने वाले नन्हे मुन्हे खिलाडियों और उनके पालको को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ।

लाल बहादुर स्पोर्टिंग क्लब फिलहाल आधी अूधरे निर्माण के चलते बंद पड़ा है । यहाँ मरम्मत के काफी ज्यादा काम हो चुके है । लेकिन तकनीकी दिक्कतों के कारण इसकी शुरूआत नही हो पाई है । हालंकि बाजू मे बनाए गए बैडमिंटन हाल मे सुबह से देररात तक बैंडमिंटन खिलाडियो का आना जाना लगातार रहता है । लेकिन बाजू मे स्पोर्टिंग क्लब के सामने अंधेरा होने के चलते शराबी यहाँ रोजाना जाम से जाम टकरा रहे है । देररात तक यहां मजमा लगाने के बाद खाली शीशियों , डिस्पोजल, पानी पाऊच और प्लास्टिक यहां फेंक रहे है । अधिकांश कांच की शीशियों के टूटने से इससे छोटे बच्चो को खतरा बढ़ रहा है तो दूसरी ओर क्लब की सफाई नही होने से भी दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है ।

परेशानी बताते पर कार्यवाही नहीं हो रही

- स्पोटिंग क्लब मे सुबह से शहर के बड़ी संख्या मे स्केटिंग सीखने वाले छोटे बच्चे यहां बनाए गए सीमेंट फ्लोर का उपयोग करते है । बड़ी संख्या मे पहुँचने वाले इन नन्हे खिलाडि़यों के साथ साथ उनके पालक भी आते है । लेकिन पिछले कई दिनों से प्रीमियम शराब दुकान मे लगातार बढ़ती भीड़ और पुलिसिया कार्यवाही होने के शराबियों ने स्पोर्टिंग क्लब को अघोषित आशियाना बना लिया है । पुलिस अमूमन यहां नही पहुचती । जिसका फायदा देररात तक शराबखोरी करने वाले उठा रहे है । पालको ने भी रोजाना क्लब मे बढ़ रही शराबखोरी को लेकर चिंता जताते कहा कि इससे सुबह क्लब तक पहुँचने वाल खिलाडियो को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । तो दूसरी ओर दुर्घटनाओ का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है ।

बंद पड़े क्लब के शुरू होने का इंतजार

लालबहादुर स्पोर्टिंग क्लब को कुछ साल पहले ही पूरानी साज सज्जा के साथ शुरू किया गया था । यहाँ जिम सहित खेल के अन्य संसाधनो को प्रारंभ किए जाने से स्थानीय खिलाडि़यों के साथ साथ जिम करने वालो को बेहतर सुविधा मिल रही थी । तीन साल पहले इसके मरम्मत और व्यवस्था को सुधारने शुरू कराए गए कार्य मे तकनीकी रूकावट के चलते मामला अब तक अटका पड़ा है । इसके चलते स्थानीय जिम करने वाले युवाओ और लोगो निजी जिमो का सहारा लेना पड़ रहा है । तो दूसरी ओर यहां बालीबाल सहित अन्य ट्रैक भी अधूरे पड़े है । बालीबाल ट्रैक का उपयोग फिलहाल बड़ी संख्या मे स्केटिंग सीखने वाले खिलाड़ी कर रहे है ।

नगर पालिका कन्या विद्यालय का परीक्षा परिणाम घोषित

■ **शीतल जल सेवा प्याऊ का हुआ शुभारंभ**

भाटापारा /नवप्रदेश। नगर पालिका कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति की अध्यक्ष नीरा देवी साहू एवं सदस्य अंजनी जायसवाल,रितु यादव, तनूजा धृतलहरे की गरिमामयी उपस्थिति में कक्षा 9वीं एवं 11वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रामजी जोशी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन की सराहना की गई वही एसएमडीसी के सहयोग को भी विशेष रूप से रेखांकित किया गया, जिनके सतत समर्थन से विद्यालय की विभिन्न गतिविधियाँ सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं।

परीक्षा परिणाम में कक्षा 9वीं में रजनी एवं कक्षा 11वीं में मलिका पुरेना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर शाला विकास एवं प्रबंधन समिति द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। कक्षा 9वीं का परीक्षा परिणाम 74 प्रतिशत एवं कक्षा 11वीं का परिणाम 72 प्रतिशत रहा। साथ ही आज 10 वीं एवं 12वीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम छ.ग.मा.शि.मं. रायपुर द्वारा घोषित किये गये। जिसमें कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 81 प्रतिशत व 12वीं का 89 प्रतिशत रहा। कक्षा 10वीं में फातिमा 82 प्रतिशत तथा 12वीं में धनेश्वरी 90 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस दौरान प्राचार्य रामजी जोशी की उपस्थिति में नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा , सभापति मनीष मिश्रा, आई आर यादव विद्यालय जनभागीदारी अध्यक्ष आनंद शर्मा,वि.ख. शिक्षा अधिकारी भास्कर देवांगन, वि.ख.स्त्रोत समन्वयक दुर्गेश शर्मा,पार्षद नन्द किशोर वैष्णव, अभिषेक दास एवं दाऊजी की उपस्थिति में आमजन के लिए शीतल जल सेवा (प्याऊ) का शुभारंभ किया गया।

भूपेश बघेल के एआई फेक वीडियो पर कांग्रेस का आरोप

आलोक चंद्राकर ने भाजपा पर साजिश का आरोप लगाया

महासमुंद / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष और कांग्रेस के प्रदेश संयुक्त महामंत्री आलोक चंद्राकर ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एआई जनरेटेड वीडियो को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इसे भाजपा सरकार की साजिश बताया है।

चंद्राकर ने कहा कि भूपेश बघेल की बढ़ती लोकप्रियता और उनके द्वारा उठाए जा रहे जनहित के मुद्दों से घबराकर उनकी छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है।

'अंगना म शिक्षा' से गांव में सजी पाठशाला

माताएं बन रहीं शिक्षक

छुईखदान / नवप्रदेश।

गर्मी की छुट्टियों में जहां आमतौर पर बच्चों की पढ़ाई की रफ्तार धीमी पड़ जाती है, वहीं ग्राम पंडरिया में एक सराहनीय पहल ने सीखने की प्रक्रिया को निरंतर बनाए रखा है। यहां 'अंगना म शिक्षा' कार्यक्रम के तहत घर-घर में ग्रीष्मकालीन शिविर (समर कैंप) आयोजित किए जा रहे हैं, जो बच्चों के भविष्य को संवारने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

इस पहल का नेतृत्व शिवांगी पशीने कर रही हैं, जिनके मार्गदर्शन में गांव की माताएं अपने-अपने घरों के आंगन को ही कक्षा में बदल रही हैं। संकुल केंद्र संडी के अंतर्गत आने वाले इस गांव में माताएं बच्चों को खेल-

खेल में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान (स्नस्ह्) सिखा रही हैं।

खेल-खेल में सीखने का अनोखा तरीका

शिविर में बच्चों को कविता, कहानी, स्थानीय खेल और गणितीय पहेलियों के माध्यम से पढ़ाया जा रहा है। इससे न सिर्फ बच्चों की पढ़ाई में रुचि बनी हुई है, बल्कि वे आनंद के साथ नई चीजें भी सीख रहे हैं।

माताओं को मिला नया आत्मविश्वास

इस कार्यक्रम की खास बात यह है कि माताओं को पहले प्रशिक्षित किया गया, ताकि वे खुद अपने बच्चों को पढ़ा सकें। इससे माताओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ रही हैं।

अधिकारियों ने की सराहना

इस नवाचार की सराहना करते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी गिरेंद्र सुधाकर और बीआरसी दुष्यंत शर्मा ने इसे प्रेरणादायक पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिले में दसवीं का रिजल्ट 8 फीसदी बढ़ा बारहवी के परिणामों मे 4 फीसदी कमी

खैरागढ़ / नवप्रदेश।माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित दसवीं बारहवी बोर्ड परीक्षा परिणामों मे खैरागढ़ जिले मे भी बेहतर परिणाम सामने आया है । इस साल घोषित परिणामों मे दसवी बोर्ड परीक्षा मे जिले से शामिल 5505 परीक्षार्थियों मे 78.54 फीसदी छात्रो ने बाजी मारी है । बारहवीं बोर्ड मे शामिल हूए 4202 परीक्षार्थियों मे से 81.81 छात्रछात्राएं उत्तीर्ण घोषित किए गए है । पिछले वर्ष के परिणामों के आधार पर दसवीं बोर्ड मे आठ फीसदी अधिक परीक्षार्थी सफल रहे तो बारहवी का परिणाम चार फीसदी कम आया । पिछले बार दसवीं का परिणाम जिले मे 70.40 फीसदी, बारहवी का 85. 31 फीसदी था । प्रदेश स्तर पर भी खैरागढ़ जिला परिणामों मे 21 वें स्थान पर रहा । जो पिछले बार से बेहतर है ।

दसवी मे चंचल जिले की टापर, सरकारी स्कूलो ने मारी बाजी-बोर्ड परीक्षा परिणामों मे जिले मे दसवी बोर्ड मे चिचोला की चंचल 94.67 प्रतिशत लेकर पहले स्थान पर रही । ठाकुरटोला की हसीना 94.50 दूसरे, बख्शीस्कूल की तनीशा बैरागी 94.33 तीसरे, छुईखदान की रूचिका देवांगन 94.17 चौथे, वेसलियन स्कूल की प्रेक्षा वर्मा 94 प्रतिशत पांचवे, बख्शी स्कूल के टाकेन्द्र वर्मा 93.67 प्रतिशत छठे, शिशुमंदिर बुंदेली की लक्ष्मी शिवहरे 93.50 प्रतिशत सातवें, कन्शा शाला छुईखदान की सोनम यादव 93.33 प्रतिशत आठवें बख्शी स्कूल की इशिका वर्मा 93.17 प्रतिशत नवें और कन्या शाला गंडई की वर्षा देवांगन 93 फीसदी अंको के साथ दसवें स्थान पर रही।

वनांचल में विकास कार्यों का जायजा लेने पहुंचे सांसद ने पीएम जनमन कार्यो का किया निरीक्षण

खैरागढ़ / नवप्रदेश। जिले के सुदूर वनांचल एवं आदिवासी बहुल ग्राम निजामडीह में सांसद संतोष पाण्डेय ने पीएम जनमन योजना अंतर्गत निर्मित हो रहे आवासों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आदिवासी समाज के समग्र विकास के लिए गए संकल्प को धरातल पर साकार कराया जा रहा है। वर्षों से बुनियादी सुविधाओं से वंचित वनांचल क्षेत्रों में अब पक्के आवास, बेहतर जीवन स्तर और सम्मानजनक भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 5)
ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 30948 दिनांक 30.04.2026
वार्ड का नाम- 39 - ठाकुर प्यारे लाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR759B00176 जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती MRS. MANNU BAI पिता / पति श्री/ श्रीमती A. MULNARAYAN के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SHIRIN ANJUM पिता /पति श्री/श्रीमती IRFAN ALI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SAHMATI PATRA / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
(जोन कमिश्नर)
जोन (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर
फोन नं. 0771-2991574
E-Mail: eocghhzone03@gmail.com

// आम सूचना //

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत कॉलोनी डूमरतराई फेस-I, रायपुर में स्थित **एल.आई.जी. फ्लैट क्रमांक-13, ब्लॉक-01, चतुर्थ तल (जी+6), श्री रमेश चन्द्र गुप्ता, पिता स्व. श्री गिरीज किशोर गुप्ता** को **स्ववित्तीय आधार** पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट की लीजडीड दिनांक **12.09.2013** पंजीकृत कराने के उपरांत फ्लैट की पूर्ण राशि जमा कर पत्र क्रमांक **4803** दिनांक **09.04.2014** को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में आंबटी **श्री रमेश चन्द्र गुप्ता, पिता स्व. श्री गिरीज किशोर गुप्ता,** निवासी- म.नं. एम.आई.जी.- II/34, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, अघनपुर धरमपुरा, जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.) के नाम पर आवासीय भू-खण्ड/भवन/फ्लैट 30 वर्ष के लीज में आबंटित है, उक्त भू-खण्ड/भवन/फ्लैट को फ्री होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री-होल्ड संपरिवर्तन किया जाना हैं।

अतः उक्त फ्लैट का फ्री-होल्ड करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को भू-खण्ड/भवन/फ्लैट का फ्री-होल्ड किये जाने में किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-1, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर
email ID-eocghbzonel@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा अटल आवास योजना कुरा-धरसीवा कालोनी, रायपुर में निर्मित अटल आवास भवन योजना के अतंर्गत, भवनों में से भवन क्रमांक **अटल आवास-282,** में **श्री देवानंद साहू पिता स्व. खिलावन साहू** को स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा नियुक्त **मुख्त्यार आम श्री नीलकंठ ध्रुव पिता श्री भागवत प्रसाद ध्रुव** द्वारा दिनांक **25.03.2017** को फ्री-होल्ड उपरांत उक्त भवन को आबंटी द्वारा नियुक्त **मुख्त्यार आम-श्री नीलकंठ ध्रुव पिता श्री भागवत प्रसाद ध्रुव** द्वारा उक्त भवन क्रेता **श्रीमती नारायणी ध्रुव पति श्री नीलकंठ ध्रुव** के पक्ष में दिनांक **11.04.2017** को विक्रय विलेख निष्पादन किया गया है।

वर्तमान में क्रेता **श्रीमती नारायणी ध्रुव पति श्री नीलकंठ ध्रुव** द्वारा उक्त भवन को फ्री होल्ड पश्चात अपने नाम पर मण्डल के अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भवन के फ्री होल्ड उपरांत नामांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संप्रदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, रायपुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद् कुरूद जिला-धमतरी (छ.ग.)
पता-पुराना बाजार चौक कुरूद, ई-मेल आईडी-kurudnp@gmail.com

-:: वार्षिक मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक /1271/ / लो.नि.वि./वा.मै.नि.आं.सू. / 2026-27 कुरूद, दिनांक 30/4/2026

नगर पालिका परिषद् कुरूद, जिला-धमतरी को वर्ष 2026-27 (31.03.2027 तक) के लिए निम्नांकित मम्मत संधारण कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार/संस्था/फर्म/दुकानदार व व्यक्तियों से वार्षिक मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है।

निर्धारित तिथि एवं समय :-

01. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि - 08.05.2026, सायं 5.30 बजे तक
02. निविदा प्रपत्र हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि - 12.05.2026, सायं 5.30 बजे तक
03. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 14.05.2026, सायं 5.30 बजे तक
04. स्पीड पोस्ट से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 22.05.2026, दोपहर 3.00 बजे तक
05. निविदा खोले जाने का दिनांक - 22.05.2026, सायं 4.00 बजे से

कार्य विवरण :-

क्रं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि राशि रु.	निविदा प्रपत्र शुल्क (राशि रु.) एवं प्रकार	फर्म/ठेकेदार का सक्षम श्रेणी	कार्य की अवधि
01	निकाय अधीनस्थ विभिन्न सबमर्सिबल, ट्यूबवेल, डब्लयू. टी.पी. के मोटर पंपो, इनटेक वेल के मोटर पंपो का समय-समय पर मरम्मत-संधारण कार्य	9.50	7150.00	750.00 Form B	सक्षम श्रेणी	31.03.2027
02	निकाय अधीनस्थ समस्त वाहनो एवं मशीनों के समय-समय पर विभिन्न मरम्मत-संधारण कार्य	9.50	7150.00	750.00 Form B	सक्षम श्रेणी	31.03.2027
03	निकाय क्षेत्रांतर्गत विभिन्न सड़क, नाली मरम्मत एवं लघु निर्माण कार्य	9.50	7150.00	750.00 Form A	डी & Above श्रेणी PWD पंजीयन	31.03.2027
04	निकाय क्षेत्रांतर्गत विभिन्न भवन, चबूतरा मरम्मत एवं लघु निर्माण कार्य	9.50	7150.00	750.00 Form A		31.03.2027
05	निकाय क्षेत्रांतर्गत विभिन्न ओव्हर हेड टेंक एवं सम्पवेल सफाई कार्य (वर्ष में दो बार)	5.00	5000.00	750.00 Form B	सक्षम श्रेणी	31.03.2027

उपरोक्त कार्यो के निविदा की विस्तृत/सामान्य शर्तें व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय के लोक निर्माण शाखा से एवं विभागीय वेबसाईट **www.uad.cg.gov.in** से अवलोकन की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् कुरूद
जिला-धमतरी (छ.ग.)

CSPDCL

कार्यालय कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी मर्यादित, कवर्धा
(छ.रा.वि.मण्डल की उत्तरदायी कंपनी, छ.ग. शासन का एक उपक्रम)

क्रमांक-054/4600/ सामा/स0प0/334 कवर्धा, दिनांक 29/04/2026

आवश्यक सूचना

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड **कवर्धा शहर** के समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि, मानसून पूर्व फीडर एवं लाइन मेनटेनेंस कार्य किया जाना है, जिसके कारण दर्शाये गए दिनांक को प्रभावित क्षेत्रो में सुबह 07:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

क्र.	दिनांक	दिन	11 के.वी. फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	01.05.2026 15.05.2026	शुक्रवार शुक्रवार	टाउन 1	आदर्श नगर, देवारपारा, बस स्टैण्ड, नवीनबाजार, रायपुर रोड, दर्रीपारा, महावीर स्वामी चौक, गांधी मैदान चौक, मंहिन्द्रा शोरूम, गुरूनाला, इंद्रजीत सलूजा पेट्रोल पंप, पुराना नगरपालिका, कंडरापारा, स्टेट बैंक के पास, ठाकुरदेव चौक, कर्मामाता चौक।
2	02.05.2026	शनिवार	समनापुर	132 के.व्ही. सबस्टेशन के पीछे, संस्कार पब्लिक स्कूल, बिजली विभाग क्वाटर्स, लक्ष्मीनरायण मंदिर समनापुर ढाल के पास, समनापुर समस्त क्षेत्र बस्ती।
3	04.05.2026 20.05.2026	सोमवार बुधवार	रामनगर	लोहारा रोड, कैलाश नगर, रामनगर सुमित बाजार, तुलसी नगर लोहार नाका के अंतर्गत समस्त क्षेत्र, कैलाश नगर, रामनगर, अयोध्याधाम कॉलोनी, जगदम्बा नगर, सरस्वती शिशु मंदिर, गोकुलधाम कालोनी, गोड़वाना कालोनी।
4	05.05.2026 18.05.2026	मंगलवार सोमवार	दशरंगपुर	शांति दीप कालोनी, शिवाजी कालोनी, घोटिया रोड, जुनवानी रोड, अभ्युदय स्कूल, ठाठ ढाबा, तुलसी नगर, ब्राम्हण समाज भवन, आर.एस.जी. मसाला उद्योग, स्वपन फयूल्स, सांसद संतोष पांडेय के घर, आयोध्याधाम कालोनी।
5	06.05.2026 19.05.2026	बुधवार मंगलवार	जी.ए.डी.	रविदासनगर, जी. श्यामनगर, कृष्णाविहार, छिरपानी कालोनी, प्रोफेसर कालोनी, आंनद विहार कालोनी, विद्यानगर गंगानगर, कृष्णा विहार कॉलोनी, कलेक्टर बंग्ला, एस.पी. बंग्ला, हॉस्पिटल कॉलोनी, छिरपानी कॉलोनी।
6	07.05.2026 14.05.2026	गुरुवार गुरुवार	हाउसिंग बोर्ड/ ट्रांसपोर्ट नगर	नंदी विहार कालोनी, सब्जी मंडी, न्यू पुलिस लाईन, तालपुर, शासकीय दृष्टि एंव श्रवण बधितार्थ विद्यालय, मणिकंचन केन्द्र हाउसिंग बोड, जिला जेल कवर्धा, हाउसिंग बोर्ड कालोनी। बिलासपुर रोड, बायपास रोड, रायपुर रोड, तिगड्डा, ट्रांसपोर्ट नगर, मिनीमाता चौक, साधना नगर, रायपुर रोड बायपास, खुटुरोड, फुलेनगर।
7	08.05.2026 22.05.2026	शुक्रवार शुक्रवार	पुलिस लाईन	पुराना पुलिसलाईन क्वाटर्स, राधाकृष्ण वार्ड, जमात पारा, सराफा लाईन, ठाकुर पारा, कबीरपारा, मिनीमाता चौक, पालीपारा, एच.डी.एफ.सी बैंक, कन्हैयाटावर बजरंग चौक जामा मस्जिद, एकता चौक, सिग्नल चौक, करपात्री स्कूल, सिग्नल चौक पेट्रोल पंप
8	09.05.2026 16.05.2026	शनिवार शनिवार	वी.आई.पी.	प्रोफेसर कालोनी, जिला कलेक्टर कार्यालय, जिला अस्पताल एस.पी. ऑफिस लालपुर रोड आशा नगर, जी श्याम पैलेस, कोर्ट कॉलोनी, जिला पंचायत कार्यालय।
9	11.05.2026	सोमवार	कचहरीपारा	कचहरी पारा, मठपारा, गुप्ता पारा, देवांगनपारा, परमेश्वरी मंदिर, विपिन दाल मिल, जमात मंदिर
10	12.05.2026	मंगलवार	टाउन 2	पीजी कालेज, पीजी कॉलेज जियों टावर, विधायक कार्यालय, आदर्श नगर, पुलिस कोतवाली, करपात्री स्कूल लैब
11	13.05.2026 21.05.2026	बुधवार गुरूवार	राममंदिर	मंजगांव रोड, राजमहल कालोनी, राजमहल चौक, जमात मंदिर, पैठुपारा, बिसेन हॉस्पिटल, मठपारा, राजमहल, शिव विहार, कन्हैया अग्रवाल के घर के पास का क्षेत्र, फुलवारी चौक, सतबहनिया मंदिर चौक।

टीप - असुविधा के लिए खेद है। आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग
छ.ग.स्टे.पा.डि. कंपनी. लिमि, कवर्धा

न्यूज गैलरी

रायपुर में नशे के कारोबार पर कड़ा प्रहार, आदतन तस्कर पर एनडीपीएस के तहत कार्रवाई

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर। शहर में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। कोतवाली पुलिस के प्रयासों से आदतन गांजा तस्कर अब्दुल जाफर उर्फ पिंकू के खिलाफ पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत बड़ी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए डिटेंशन ऑर्डर जारी किया गया है। इस आदेश के तहत आरोपी को तीन माह के लिए केंद्रीय जेल रायपुर भेज दिया गया है। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी सेंट्रल जोन के निर्देशन में सूखे नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार अब्दुल जाफर लंबे समय से मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में संलिप्त रहा है और उसके खिलाफ पूर्व में भी कई मामले दर्ज हैं। ऐसे में उसके विरुद्ध कठोर निवारक कार्रवाई आवश्यक मानी गई। यह आदेश रायपुर संभाग के न्यायालय आयुक्त सह निरुद्धकर्ता अधिकारी महादेव कावरे द्वारा मादक पदार्थ अवैध व्यापार निवारण अधिनियम 1988 (पिट एनडीपीएस एक्ट) के तहत विधिवत पारित किया गया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी के जेल में निरुद्ध होने के बाद उसके बैंक खातों, संपत्तियों, आय के स्रोतों और अवैध रूप से अर्जित धन की गहन जांच की जाएगी। इससे उसके आर्थिक नेटवर्क को तोड़ने और अवैध संपत्तियों को जब्त करने में मदद मिलेगी। इधर, नशे के कारोबार से जुड़े अन्य आरोपियों पर भी कार्रवाई तेज कर दी गई है। जेल में बंद हिस्ट्रीशीटर रवि साहू को पहले ही सफेमा के तहत नोटिस जारी किया जा चुका है। वहीं एक अन्य हिस्ट्रीशीटर मुकेश बनिया की संपत्तियों की भी जांच की जा रही है।

जनगणना कार्य से तबादले पर इस साल प्रतिबंध नहीं हटने के संकेत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में इस साल तबादलों पर प्रतिबंध हटाए जाने की संभावना नजर नहीं आ रही है। राज्य में जून माह में प्रतिबंध हटाने के बाद थोक में स्थानांतरण का सिलसिला शुरू होता रहा है लेकिन इस वर्ष ब्रेक लगने के संकेत हैं। इसके पीछे जनगणना को मुख्य वजह माना जा रहा है। राज्य शासन ने भी स्पष्ट कर दिया है कि फिलहाल जनगणना में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों का स्थानांतरण नहीं किया जाएगा। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी सचिवों, विभागाध्यक्षों और कलेक्टरों के अलावा संभागायुक्तों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। प्रदेश में बीते साल तबादला नीति जारी होने के साथ सभी विभागों में अफसरों, कर्मचारियों के स्थानांतरण पर प्रतिबंध हटाया गया था। इसके बाद थोक में तबादले की प्रक्रिया पूरी होते ही बीते साल 5 जून को फिर से प्रतिबंध लगा दिया गया था। यह प्रतिबंध अभी भी प्रभावी है। इधर राज्य शासन ने निर्देश जारी कर दिए हैं कि जनगणना 2027 के कार्यों में जिन अधिकारियों, कर्मचारियों को लगाया गया है उनका किसी स्थिति में तबादला नहीं किया जाए। राज्य शासन स्पष्ट कर दिया है कि सभी विभागों के जिला, तहसील और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों, कर्मचारियों को जब तक कोई अपरिहार्य कारण न हो, जनगणना पूरी होने तक स्थानांतरित न किया जाए। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि जिन शासकीय सेवकों की ड्यूटी जनगणना कार्यों में नहीं लगाई गई है, क्या उनके लिए प्रतिबंध हटाया जाएगा।

विधायकों-पदाधिकारियों की परफॉर्मेंस टटोलेंगे सचिन पायलट

रायपुर/नवप्रदेश। विधानसभा के विशेष सत्र के बाद कांग्रेस के प्रभारी महासचिव सचिन पायलट पार्टी के विधायकों और संगठन की क्लास लेंगे। राजीव भवन में वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में प्रभारी महासचिव विधायकों और संगठन के कामकाज की समीक्षा करेंगे। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में संगठन सृजन के बाद नए पदाधिकारियों और विधायकों समेत स्थानीय नेताओं में बेहतर तालमेल बनाने पर जोर दिया जाएगा। कांग्रेस विधायकों के साथ उनकी वन-टू-वन चर्चा भी होगी। वे विधायकों की क्षेत्र में उनके कामकाज पर भी रिपोर्ट लेंगे। इसके अलावा नए जिला और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों के साथ भी बैठक कर जमीनी स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियां आगे बढ़ाने रणनीतिक टिप्स भी देंगे। कांग्रेस संगठन में जमीन स्तर पर कॉडर की मजबूती के साथ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को टास्क सौंपे जाने की तैयारी है। प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महासचिव सचिन पायलट राजधानी में मैराथन बैठकें कर दिशा निर्देश देंगे। इस दौरान वे संगठन के कामकाज की पूरी समीक्षा भी करेंगे। सूत्रों के मुताबिक 1 मई को कांग्रेस मुख्यालय में सभी विधायकों से प्रभारी की अलग-अलग चर्चा होगी। इस दौरान वे संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में अब तक किए गए कामकाज की समीक्षा के साथ परफॉर्मेंस रिपोर्ट भी तैयार कर सकते हैं। प्रदेश संगठन में लंबे समय से विधायकों और स्थानीय जिला व ब्लॉक पदाधिकारियों के बीच तालमेल नहीं होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। प्रभारी का जोर विधायकों और संगठन में तालमेल के साथ गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर होगा। विधायकों से वे वन-टू-वन मंत्रणा भी करेंगे। इसके बाद सभी जिला और ब्लॉक अध्यक्षों के साथ उनकी बैठक होगी। इस दौरान वे डीसीसी और बीसीसी के स्तर पर संगठन की गतिविधियों पर भी फीडबैक लेंगे। इसके बाद उन्हें रणनीति के तहत काम करने दिशा-निर्देश भी देंगे।

मिक्स कचरा देने पर सिटी सेंटर मॉल पर लगा 10 हजार का जुर्माना

रायपुर/नवप्रदेश। नगर निगम जोन-2 की टीम ने पंडरी कपड़ा मार्केट और जयस्तंभ चौक मार्ग पर औचक निरीक्षण कर स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की। मिक्स कचरा देने पर मॉल पर 10 हजार और 18 दुकानों पर कुल 15 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय और जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया की मौजूदगी में टीम ने जांच की। इस दौरान स्वच्छता दीदियों के साथ दुकानों की सफाई व्यवस्था देखी गई। निरीक्षण में पंडरी स्थित सिटी सेंटर मॉल द्वारा मिक्स कचरा दिए जाने पर 10 हजार रुपए का ई-चालान किया गया। वहीं डस्टबिन नहीं रखने और गंदगी फैलाने की शिकायत सही मिलने पर 18 दुकानदारों पर कार्रवाई की गई। निगम ने बताया कि जनशिकायतों के आधार पर यह कार्रवाई की गई और सभी दुकानदारों को भविष्य में स्वच्छता नियमों का पालन करने की चेतावनी दी गई।

बैलाडीला के जंगलों में लगी भीषण आग, जल कर राख हो रही हरियाली

जिम्मेदार व विभागीय अधिकारी मौन

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। जिले के लौहनगरी बचेली-बैलाडीला क्षेत्र में इन दिनों जंगलों में आग ने विकराल रूप ले लिया है गर्मी के इस मौसम में जहां हर साल आग की घटनाएं सामने आती हैं, वहीं इस बार हालात और भी चिंताजनक नजर आ रहे हैं। बैलाडीला की पहाड़ियों से लेकर किरंदुल- बचेली मार्ग और भाँसी मार्ग के घने जंगल तक आग की लपटें फैल चुकी हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, कई दिनों से लगातार जंगलों में आग लगी हुई है, जिससे हजारों पेड़-पौधे जलकर राख हो रहे हैं। नए अंकुरित पौधे, दुर्लभ जड़ी-बूटियां और वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास तेजी से नष्ट हो रहा है। जंगलों से उठता धुआं दूर-दूर तक दिखाई दे रहा है, लेकिन स्थिति को काबू करने के लिए जमीनी स्तर पर ठोस प्रयास नजर नहीं आ रहे। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग की ओर से न तो समय पर आग बुझाने की पर्याप्त व्यवस्था दिखाई दे रही है और न ही कोई प्रभावी रोकथाम के उपाय। सवाल उठ रहे हैं कि क्या विभाग के पास संसाधनों की कमी है, या फिर लापरवाही के चलते यह हालात बने हुए हैं?

विशेषज्ञों के मुताबिक, जंगलों में इस तरह की आग केवल पर्यावरण को ही नहीं, बल्कि क्षेत्र के जल स्रोतों, जैव विविधता और स्थानीय आजीविका पर भी गंभीर असर डालती है। आग के कारण मिट्टी की उर्वरता घटती है और आने वाले वर्षों में इसका दुष्प्रभाव और गहराता नजर आ रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि दंतेवाड़ा जैसे वन समृद्ध क्षेत्र में यदि समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया, तो यह आग और भी बड़े इलाके को अपनी चपेट में ले सकती है।

अब सवाल यह उठता है कि क्या वन विभाग के पास आग से निपटने के पर्याप्त संसाधन नहीं हैं?, क्या फायर लाइन, वॉच टावर और त्वरित प्रतिक्रिया टीम केवल कागजों तक सीमित हैं?, या फिर हर साल की तरह इस बार भी जंगलों को जलने के लिए छोड़ दिया गया है ? स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है, ताकि इस भीषण आग पर काबू पाया जा सके और जंगलों की बची-खुची हरियाली को बचाया जा सके।

सुनालिया चौक से शनि मंदिर तक पाथवे झुका, निविदा के बाद भी नहीं मिले ठेकेदार

पानी आपूर्ति रुकी तो नहर की दिखने लगी जर्जर दशा, सुधार नहीं होने पर बढ़ेगा कटाव

कोरबा/नवप्रदेश। शहर से होकर गुजरी जल संसाधन के दर्री बांध के बायी तट नहर से पानी आपूर्ति बंद होते ही जर्जर दशा दिखने लगी है। 18 किलोमीटर तक जगह-जगह से टूट चुके प्लिंथ और साइड स्लैब को सुधारने के लिए शासन से 27 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। तीन भागों में विभाजित दो में काम जारी है वहीं शहर के सुनालिया चौक से शनि मंदिर तक होकर गुजरे भाग के साढ़े तीन किलोमीटर का काम ठेकेदार नहीं मिलने की वह से अभी तक शुरू हुआ है। यह मार्ग कई स्थानों से नहर की ओर झुक गई है। समय रहते सुधार नहीं होने पर बारिश में मिट्टी कटाव बढ़ने के साथ सड़क ढहने की आशंका बनी हुई है।

ग्रीष्म फसल के लिए दायी तट नहर से जनवरी से ही पानी छोड़ा जा रहा था। वहीं बायी तट नहर के निर्माण कार्य को बीच में ही बंद कराकर मार्च में पानी छोड़ा गया। इस दौरान जिन स्थानों में सुधार शुरू नहीं हुआ है वहां दशा और अभी अधिक जर्जर हो गई है।

स्थिति यह है कि इस खरीफ और रबी सीजन में पानी छोड़ने से संजय नगर से लेकर रेलवे स्टेशन मार्ग तक के मध्य लगभग आधा किलोमीटर की सड़क किनारे बनी पाथ-वे झुक गई है। वहीं सड़क भी कटने लगा है। ठेकेदार नहीं मिलने की वजह यह है कि नगर मार्ग के दोनों ओर नगर निगम ने बाउंड्री वाल खड़ा कर दिया है। जिसे तोड़कर नहर का मरम्मत करना संभव है। लागत अधिक होने की वजह से ठेकेदार सामने नहीं आ रहे हैं। वाहनों का दबाव व मरम्मत के अभाव में नहर जगह-जगह से ध्वस्त होने के कगार पर है। हर साल नहर की सुरक्षा के लिए बोरियां डाली जाती है। मिट्टी का कटाव नहर के तटों से जिस तरह से हा रहा है उससे हर साल अधिक बोरियां डालनी पड़ती है। स्थाई मरम्मत के बजाए वैकल्पिक व्यवस्था से सरकारी धन का अपव्यय होता है। सुधार कार्य शुरू होने से नहर से सिंचित व्यवस्था तो दूर होगी ही साथ बैरिकेट्स लगाए जाने से आवागमन व्यवस्था में सुधार आएगी।

प्रति वर्ष मिलता है 46 करोड़ राजस्वः शासन को उद्योग व कृषि से प्रति वर्ष 46 करोड़ का राजस्व प्राप्त होता है। नहर के पानी से जिले में संचालित बिजली संयंत्रों की धड़कने चल रही है। वहीं जांजगीर-चांपा व रायगढ़ जिले के कृषि भूमि के लिए इस बांध का पानी अमृत से कम नहीं। इसके बावजूद इस परियोजना के लिए तैयार किए गए नहरों की मरम्मत समय पर नहीं होती। दोनों ही नहरों से जांजगीर-चांपा व रायगढ़ जिले के 60 प्रतिशत कृषि रकबा सिंचित होता है। कोरबा-चांपा मार्ग में नवलपुर, बराई आदि क्षेत्र से होकर गुजरी नहरों में सुधार कार्य कई वर्षों से नहीं किया गया है।

नहर की जमीन पर हो रहा बेजाकब्जाः तुलसी नगर से गेरवा घाट मार्ग में जलसंसाधन की जमीन पर बेजा कब्जा बढ़ गया है। प्रगति नगर से शहर के बीच भारी वाहनों के आवागमन शुरू होने से लोगों में ठेले लगाकर दुकान खोलने की होड़ लग गई है। नहर के निकट की जमीन पर अतिक्रमण आवास का निर्माण किया जा रहा। निर्माण के लिए की गई नींव खुदाई से भी नहर पर असर हुआ है। नहर निर्माण के समय दर्री रोड में लगी फेंसिंग तार का उखाड़ कर भवन का निर्माण किया जा चुका है। अतिक्रमण हटाने के लिए जलसंसाधन की ओर से ठोस कदम नहीं उठाए जाने की वजह से नहर की जमीन पर प्रतिवर्ष बेजाकब्जा का दायरा बढ़ रहा है।

> दर्री बांध से निकली बायी तट 18 किलोमीटर नहर लिए 27 करोड़ की स्वीकृति मिली है। जिले के दायरे में आने वाले बायी तट नहर को जीर्णोद्धार के लिए तीन भाग में बांटा गया है। जिनमें दो भाग में निविदा प्रक्रिया होने के साथ काम शुरू हो चुका है। काम पूरा होने के बाद पानी छोड़ा जाएगा। तीसरे भाग के लिए ठेकेदार नहीं मिलने की वजह से काम शुरू नहीं नहीं हुआ है।
>
> – **एसएन साय,** मुख्य कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन

हिंदी पर्चा लीक मामले में मुख्य संदेही वेणु पर पांच हजार का ईनाम घोषित

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 12वीं बोर्ड परीक्षा के हिंदी प्रश्नपत्र लीक मामले में पुलिस ने मुख्य संदिग्ध वेणु जंघेल पर 5,000 रुपए का इनाम घोषित किया है। पर्चा लीक होने के बाद से बेमेतरा निवासी वेणु फरार है। कई बार उसके घर पर छापा मारा गया, लेकिन वह नहीं मिला। परिजनों से भी पूछताछ में भी ठोस जानकारी नहीं मिली। इसलिए पुलिस ने सूचना देने वाले के लिए इनाम की घोषणा की है।

दरअसल, 12वीं की हिंदी परीक्षा 14 मार्च को आयोजित होनी थी। परीक्षा से एक दिन पहले ही हिंदी विषय के सेट-बी का प्रश्नपत्र लीक होने की खबर सामने आई। पर्चा टेलीग्राम ग्रुप में वायरल हुआ। इसके बाद परीक्षा रद्द कर दी गई। मंडल की ओर से सिटी कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई, जिसके बाद से पुलिस जांच में जुटी है। प्रश्नपत्र लीक मामले में पुलिस ने कोरबा, रायगढ़, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई और बेमेतरा के 20 छात्रों को पूछताछ के लिए तलब किया है।

जल जीवन मिशन के काम ठप गांवों में पानी के लिए हाहाकार

गर्मी बढ़ने के साथ ही कई स्थानों से आने लगी पानी को लेकर शिकायतें

रायपुर/नवप्रदेश। गर्मी बढ़ने के साथ ही प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी के लिए हाहाकार मचने लगा है। जिन गांवों में मिशन का काम अधूरा है, वहां तो लोग पानी के लिए परेशान हैं ही, अब उन स्थानों से भी शिकायतें आने लगी हैं, जहां जल जीवन मिशन योजना पूरी होने के दावे हैं। इधर, निर्माण कार्यों के भुगतान न होने के कारण मिशन का काम लगभग पूरी तरह ठप हो गया है।

प्रदेश में ठप पड़े जल जीवन मिशन के कार्यों में नए वित्तीय वर्ष से गति आने की उम्मीद जताई जा रही थी। केंद्र सरकार से दी गई राशि को मिलाकर भुगतान करने की सुगबुगाहट थी लेकिन इस मामले में कोई निर्णय नहीं हो पाया। केन्द्र सरकार द्वारा बीते मार्च माह में जारी किए गए 536 करोड़ की राशि अब तक जिलों को आबंटित नहीं हुई है। निर्माण एजेंसियां राज्य बजट की प्रावधानित राशि और केन्द्र से मिली राशि को मिलाकर भुगतान की बाट जोह रहे हैं।

इधर जल जीवन मिशन कार्यालय ने पहले ही स्पष्ट कर दिया कि केन्द्र से जारी की गई राशि प्रतिपूर्ति के तौर पर दी गई है। इससे ही सीधे तौर पर संकेत मिल रहे हैं कि फिलहाल भुगतान का कोई इरादा नहीं है। इधर कई स्थानों से जलसंकट की शिकायतें आने लगी हैं, जहां योजना पूरी होने के दावे किए जा रहे हैं। कई स्थानों पर तो पूर्व में ही भुगतान हो चुका है। सिंगल विलेज योजनाओं वाले छोटी एजेंसियों के सामने सबसे ज्यादा दिक्कतें आ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अब पेयजल संकट गहराने लगा है। इधर सूत्र दावा करते हैं कि अगर इस राशि का उपयोग अन्य कार्यों में किया गया तो मिशन की मूल योजनाओं पर विपरीत असर पड़ सकता है। भुगतान में लेटलतीफी के चलते असंतोष उभरकर सामने आने लगा है। वहीं अफसरों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। कई परियोजनाओं में ठहराव आ गया है। ज्यादातर स्थानों में काम बंद हो चुके हैं। वहीं मिशन द्वारा वित्तीय अड़चनों और परियोजना की प्रगति के मामले में जल्दी ही फैसले लेने का दबाव है।

विभाग में ही कुछ अफसर दबी जुबान में स्वीकार करते हैं कि मौजूदा हालात बने रहे तो मिशन के कार्यों पर सौ फीसदी पूर्ण विराम लग जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। भूजल स्तर नीचे जाने से ग्रामीणों को जूझना पड़ रहा है। कई स्थानों पर कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्राथमिकता में नजर नहीं आ रहा है।

मनरेगा से पंचायत के मजदूरों का मोहभंग चार महीनों से नहीं मिला भुगतान !

चार माह से 18 करोड़ का मजदूरी भुगतान लंबित, मजदूरों में शासन के प्रति आक्रोश

बैकुंठपुर /नवप्रदेश। महात्मा गांधी रोज़गार गारंटी योजना पर भी अब राजनीति का दीमक लग चुका है यह कहना भी गलत नही होगा । आंकड़ों पर गौर करे तो योजना की हालत दिन पर दिन बद से बदतर होती जा रही है। कोरिया जिले में योजना की जो हालत है वह कुछ ऐसी ही तस्वीर खींचती नजर आ रही है।

मजदूरों को गाँव में ही रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य के साथ शुरू हुई ये योजना अब पंचायत जनप्रतिनिधियों को क्रय की गई सामग्री के भुगतान व कार्य पर लगे मजदूरों को मजदूरी पाने के लिए उन्हें खून के आंसू रुला रही हैं।वही जनपद के अधिकारी राज्य शासन व केंद्र द्वारा पैसा विलंब से मिलने की बात कहकर देर होने की बात कह रहे जिससे मजदूरों की होली तो फीकी रही ही अब शादी बयाह सीजन में भी निराशा ही हाथ लगी। विदित है कि कोरिया जिले के ग्रामीण अंचल में जरुरतमंदों को रोजगार मुहैया कराने की गारंटी वाली योजना मनरेगा बजट के अभाव में दम तोड़ रही है।

बिगड़ रही आर्थिक स्थिति

केन्द्र और राज्य सरकार के अति महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा का हालत इन दिनों बेहद खराब है। मनरेगा के तहत किए गए कार्यों का 18 करोड़ रुपए से ज्यादा मजदूरी भुगतान लंबित है। इसके कारण मजदूरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि मनरेगा योजना एक्ट के तहत 15 दिनों के अंदर मजदूरों का भुगतान किए जाने का प्रावधान है।

> पूर्व में बजट के अभाव में भुगतान विलंब हुआ है अभी कुछ बजट प्राप्त हुआ है संबंधित अधिकारियों को जल्द भुगतान करने का निर्देश दिया गया हैं अब विलंब क्यो हैं संबंधित विभाग से जानकारी लेकर जल्द भुगतान कराया जायेगा ।
>
> – **आशीष सिंह,** उप संचालक पंचायत जिला पंचायत कोरिया

अगले महीने शहर के दो रूट पर दौड़ेंगी 10 मिनी बसें

रायपुर/नवप्रदेश। शहरवासियों को अगले महीने से एक बड़ी राहत मिलने वाली है। राजधानी में 20-25 सीटर 10 मिनी बस मई और जून महीने में टाटीबंध से तेलीबांधा और रेलवे स्टेशन से इंटरस्टेट बस टर्मिनल (आईएसबीटी) भाठागांव तक चलाई जाएगी।

इसके लिए मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स ने काउंसिल ऑफ एनर्जी, एनवॉयरमेंट एंड वॉटर एजेंसी को अधिकृत कर दिया है। इस एजेंसी ने मिनिस्ट्री के माध्यम से निगम आयुक्त विश्वदीप को राजधानी की सड़कों को छोटी मिनी बस के लायक बताते हुए रुट की अनुमति मांगी। आयुक्त ने मिनिस्ट्री के पत्र से परिवहन विभाग को अवगत करा दिया है। तदुपरांत परिवहन विभाग ने राज्य शासन की अनुमति से यहां दो रुट पर पायलट प्रोजेक्ट के तहत मई और जून महीने में बस चलाने की अनुमति दे दी। प्रधानमंत्री इलेक्ट्रिक बस योजना के तहत राजधानी में 100 ई-बस चलने में अभी देरी है।

एसी बस का किराया निकलेगा या नहीं?

इन दो रूट पर इलेट्रिरक एसी मिनी बस या फिर डीजल वाली एसी-नॉन एसी 10 बसें चलेंगी। इस गर्मी के सीजन में टाटीबंध से तेलीबांधा रूट पर चलने वाली एसी बस का किराया नागरिक वहन कर पाएंगे या नहीं, यह भी देखा जाएगा। इसी के साथ नॉन एसी बस का भी ऑप्शन यात्रियों के पास रहेगा। चूंकि इलेल्ट्रिरक एसी बसें अधिक यात्री क्षमता वाली आएगी, इसके समानांतर इन मिनी बसों की फ्रीक्वेंसी जांच का पता इसी पायलट प्रोजेक्ट में लगाया जाएगा। निगम के अधिकारियों ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट की 10 बसें इन रुटों पर सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक चल सकती हैं।

पहले रूट पर 12 व दूसरे रूट पर तीन जगह रुकेंगी बसें

रेलवे स्टेशन से आईएसबीटी भाठागांव के 5.5 किमी रूट पर मिनी बसें तीन जगह रुकेंगी। रेलवे स्टेशन से छूटकर पहला स्टॉपेज नगर घड़ी चौक और दूसरा स्टॉपेज कालीबाड़ी चौक के बाद तीसरा स्टॉपेज भाठागांव बस टर्मिनल रहेगा। वहीं टाटीबंध-तेलीबांधा रुट में टाटीबंध चौक से एम्स, यूनिवर्सिटी गेट, साइंस कॉलेज, एनआईटी, राजकुमार कॉलेज, आमापारा चौक, फूल चौक, जयस्तंभ चौक, घड़ी चौक, कलेक्टोरेट चौक, मरीन ड्राइव और तेलीबांधा स्टॉपेज रहेगा।

छात्रों और कारोबारियों के लिए उपयोगी

टाटीबंध से तेलीबांधा चौक के 10.4 किमी के रूट को सबसे महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस रूट पर साइंस कॉलेज, यूनिवर्सिटी, आयुर्वेदिक कॉलेज, एनआईटी, संस्कृत कॉलेज, राजकुमार कॉलेज के साथ ही एम्स और मेडिकल कॉलेज भी ऑनरोड हैं। इसी रूट पर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वालों के लिए सेंट्रल लायब्रेरी और नालंदा परिसर भी है। इसके आगे शारदा चौक से नगर घड़ी चौक और आगे तेलीबांधा तक कई बड़े कारोबारी संस्थान और बड़े मार्केट भी हैं। इसलिए इस रूट पर बसों के आने-जाने एवं यात्रियों की फ्रीक्वेंसी का भी सर्वे किया जाएगा।

मालगाड़ी को 'VIP' दर्जा, यात्रियों का अपमान, रेलवे का यह 'सौतेला' व्यवहार आखिर कब तक?

लोकल ट्रेनों में भारी भीड़ के कारण लोग जान हथेली पर रखकर विपरीत दिशा से भी ट्रेन में चढ़ते और उतरते हैं

■ भेड़ बकरियों की तरह ठूसे रहकर सफर करने को यात्री मजबूर

■ रेल यात्रियों में बढ़ता आक्रोश रेलवे को पड़ सकता है भारी

रायपुर/(नवप्रदेश)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर को न्याय धानी बिलासपुर तथा लघु भारत भिलाई व संस्कारधानी दुर्ग से जोड़े रखने में लोकल ट्रेनें दशकों से जीवन रेखा का काम कर रही हैं। एक समय था जब लोकल ट्रेनें इतनी राईट टाईम चला करती थीं कि उन्हे देखकर लोग अपनी घड़ी की सुइयां मिलाया करते थे। किंतु अब लोकल ट्रेनों की लेटलतीफी का आलम यह है कि यदि किसी दिन लोकल ट्रेन राइट टाइम आ जाए तो लोगों को ऐसे ताज्जुब होता है मानों सूरज पूर्व की जगह पश्चिम से निकल आया हो। दुर्ग से बिलासपुर के बीच आज भी गिनती की ही लोकल ट्रेनें चल रही हैं जबकि साल दर साल दैनिक रेल यात्रियों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। ऐसे में भेड़ बकरियों की तरह ठूसे रह कर यात्रा करना उनकी मजबूरी बन गई है। वे समय समय पर लोकल ट्रेनों के फेरे बढ़ाने और उनकी बोगियों की संख्या में वृद्धि करने की मांग करते रहे हैं लेकिन रेलवे प्रशासन की कुंभकर्णीय नींद टूटने का नाम नहीं ले रही है। वह तो इन गिनती की लोकल ट्रेनों को ही समय पर नहीं चला पा रहा है। माल गाड़ियों को ही प्राथमिकता देता है। जिसके लिए लोकल ट्रेन तो क्या एक्सप्रेस ट्रेनों को भी जगह जगह रोक दिया जाता है। बेबस दैनिक रेल यात्री जो लोकल ट्रेनों की लेटलतीफी के कारण कभी समय पर दफ्तर नहीं पहुंच पाते जिससे उनकी नाकरी पर बन आती है।

मजबुरन उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ती है या फिर रोजाना इस लेटलतफी की वजह से दफ्तर में शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। उनके पास रेलवे प्रशासन को कोस कर चुप बैठने के अलावा कोई चारा नहीं बचता। किंतु अब उनके सब्र की इंतिहा हो गई है और वे फिर से दैनिक रेल यात्री संघ का विस्तार कर रेलवे प्रशासन की मनमानी के खिलाफ उग्र आंदोलन करने की कवायद कर रहे हैं। दुर्ग और रायपुर के बीच दूरी मात्र 40 किलोमीटर है और हर दस मिनट में बस मिल जाती है इसलिए लोकल ट्रेनों की लेटलतीफी से त्रस्त हजारों दैनिक रेल यात्री अब सड़क मार्ग से यात्रा करने लगे हैं लेकिन रायपुर से बिलासपुर के बीच लोंगो को इन भगवान भरोसे चलने वाली लोकल ट्रेनों पर ही आश्रित रहना पड़ रहा है। बिलासपुर, धाधापारा, चकरभाटा, बिल्हा, दोगली, निपनिया, हथबंध, तिल्दा नेवरा, बैकुंठ और सिलयारी, मांढर से प्रतिदिन हजारों की संख्या में सरकारी और निजी संस्थानों में काम करने वाले कर्मचारी, व्यापारी और छात्र छात्राएं अप डाउन करते हैं। जिनको मालगाड़ी के कारण लोकल ट्रेनों की लेटलतीफी से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अधिकांश दैनिक यात्री सुबह की पहली लोकल बिलासपुर-रायपुर पैसेन्जर (58201) से ही सफर करते हैं ताकि वे अपने गंतव्य पर समय से पहले पहुंच सकें लेकिन पेसेंन्जर ट्रेनों की लेटलतफी के चलते ऐसा कर पाना असंभव है। लेट ऊपर से इसमें पैर रखने की भी जगह नहीं होती। यह ट्रेन भी 10. 30 से पहले कभी रायपुर नहीं पहुंचती क्योंकि बेचारी को जगह जगह रुककर चींटी की चाल से चलने वाली तीन चार वीआईपी माल गाड़ियों को पास जो देना पड़ता है। इसके बाद आने वाली मेमू लोकल और गेवरारोड रायपुर लोकल की लेटलतीफी का कोई ठिकाना ही नहीं है। यही हाल शाम को रायपुर से बिलासपुर जाने वाली लोकल ट्रेनों का है। जो कब गंतव्य पर पहुंचेंगी भगवान ही बता सकता है। दैनिक रेल यात्रियों ने चेतावनी दी है कि माल गाड़ियों की वजह से लोकल ट्रेनों की लेटलतीफी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि रेलवे प्रशासन ने लोकल ट्रेनों के साथ सौतेला व्यवहार बंद नहीं किया तो वे उग्र आंदोलन पर बाध्य होंगे।

न्यूज गैलरी

जशपुर जिले के 36 क्लस्टरों में लगेगा सुशासन तिहार-2026 का शिविर

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में ÷सुशासन तिहार 2026÷ का व्यापक आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले में कुल 36 क्लस्टरों में शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें 31 क्लस्टर जनपद पंचायत क्षेत्रों तथा 5 क्लस्टर नगरीय निकायों में शामिल हैं। प्रत्येक ग्रामीण क्लस्टर शिविर में लगभग 11 से 18 गांवों के लोग शामिल होकर अपनी समस्याएं दर्ज करा सकेंगे, जबकि नगरीय क्षेत्रों के शिविरों में एक क्लस्टर के अंतर्गत 15 वार्डों के नागरिकों को सुविधा मिलेगी। जशपुर कलेक्टर ने इस अभियान के सुचारू संचालन के लिए नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर विभिन्न विभागों को जिम्मेदारी सौंपी है। जिला प्रशासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार पहला शिविर 05 मई 2026 को कांसाबेल विकासखंड के खूंटीटोली में आयोजित होगा। इसके बाद अलग-अलग विकासखंडों में तय तिथियों के अनुसार शिविर आयोजित किए जाएंगे। बगीचा क्षेत्र में 07 मई से 29 मई तक विभिन्न स्थानों पर शिविर लगेंगे, वहीं कुनकुरी, जशपुर, दुलदुला, मनोरा, पत्थलगांव, कांसाबेल और फरसाबहार क्षेत्रों में भी निर्धारित तिथियों पर शिविर आयोजित किए जाएंगे।

राजधानी के बड़े निजी स्कूलों को प्रयास विद्यालय ने दिया टक्कर

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के आदिम जाति, अनुसूचित जाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा संचालित 'प्रयास' आवासीय विद्यालयों ने इस वर्ष छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में अभूतपूर्व सफलता हासिल कर न केवल प्रदेश बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी एक मिसाल कायम की है। विभाग के निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन में सीमित संसाधनों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद इन विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट परिणाम देते हुए बड़े निजी स्कूलों को कड़ी टक्कर दी है। प्रयास विद्यालयों के 13 बच्चों ने सीजी बोर्ड परीक्षा के टॉप-10 में जगह बनाने में सफलता हासिल की है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कुल 17 प्रयास विद्यालय संचालित है। जिसमें नक्सल प्रभावित बच्चों से लेकर सभी वर्गों के बच्चें अध्ययनरत है। प्रयास आवासीय विद्यालय के माध्यम से बच्चों को एक नई हौसला मिला है, जो उनके सपनों को साकार करने में सार्थक हो रही है। बतादें कि प्रयास विद्यालय के माध्यम से बच्चों को पूरी तरह निःशुल्क शिक्षा दी जाति है।

'पोट्ठ लईका पहल' से बदली तस्वीर

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में कुपोषण के विरुद्ध चल रही मुहिम अब प्रभावी परिणामों के साथ एक मजबूत जन-आंदोलन का रूप लेती दिख रही है। राजनांदगांव जिले में प्रशासन के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के समन्वित प्रयासों से संचालित ÷पोट्ठ लईका पहल÷ अभियान ने बच्चों के पोषण स्तर में उल्लेखनीय सुधार दर्ज कराते हुए राज्य के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल प्रस्तुत किया है। जून 2025 से प्रारंभ इस अभिनव अभियान का उद्देश्य केवल कुपोषण की पहचान करना नहीं, बल्कि समुदाय को जागरूक कर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है। इसी कड़ी में प्रत्येक गुरुवार को जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में ÷पालक चौपाल÷ का नियमित आयोजन किया जा रहा है, जहां अभिभावकों को तिरंगा भोजन (संतुलित और विविध आहार), शिशु एवं मातृ पोषण, स्तनपान के महत्व, एनीमिया की रोकथाम, स्वच्छता और बच्चों की समुचित देखभाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सरल, व्यवहारिक और स्थानीय भाषा में जानकारी दी जा रही है।

साढ़े तीन माह में 2000 से अधिक ग्रामीणों का हुआ निःशुल्क उपचार

वनांचल क्षेत्र की 'संजीवनी' बनी मोबाइल मेडिकल यूनिट, घर तक पहुंचा अस्पताल

■ विशेष पिछड़ी जनजातियों को मिल रहा स्वास्थ्य सुविधा का लाभ

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ वनांचलों और दुर्गम पहाड़ियों पर बसे विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों के लिए शासन की मोबाइल मेडिकल यूनिट (म्मू) एक वरदान साबित हो रही है। 'अस्पताल खुद ग्रामीण के द्वार' की परिकल्पना को साकार करते हुए, इस सेवा ने पिछले साढ़े तीन महीनों में 2035 लोगों को उनके ही मोहल्ले में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं।

पैदल चलने की मजबूरी हुई खत्म

पूर्व में इन क्षेत्रों के ग्रामीणों को सामान्य इलाज के लिए भी कई मील पैदल चलना पड़ता था। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत 15 जनवरी 2026 से संचालित यह यूनिट विशेष पिछड़ी जनजाति 'कमार' बाहुल्य ग्राम बल्दाकछार और औराई सहित कसडोल क्षेत्र के अन्य गांवों में निरंतर कैंप लगा रही है। अब सुदूर बस्तियों के लोगों को शहर के चक्कर काटने की आवश्यकता नहीं रह गई है।

परंपरा से आधुनिकता की ओर बढ़ते कदम

इस पहल का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव ग्रामीणों की सोच पर पड़ा है। विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग जो पहले केवल बैगा-गुनिया या पारंपरिक जड़ी-बूटियों पर निर्भर थे, अब उनमें आधुनिक चिकित्सा पद्धति के प्रति विश्वास जागा है। लोग अब बीमारियों को छिपाने के बजाय समय पर जांच और इलाज को प्राथमिकता दे रहे हैं।

नियोजित व्यवस्था और मुनादी से सूचना

प्रशासन द्वारा कैंप लगाने की तिथि और स्थान एक माह पूर्व ही निर्धारित कर लिया जाता है। ग्रामीणों को समय पर सूचना मिले, इसके लिए गांव-गांव में मुनादी (ढोल बजाकर घोषणा) करवाई जाती है। इससे ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि अस्पताल में लंबी कतारों और परिवहन के सीमित साधनों के कारण पहले हमारा पूरा दिन बर्बाद हो जाता था। अब घर के पास इलाज मिलने से समय और धन दोनों की बचत हो रही है।

एक ही छत के नीचे जांच और दवा

इस चलते-फिरते अस्पताल में सुविधाओं का पूरा तामझाम मौजूद है। प्रत्येक यूनिट में एक मेडिकल ऑफिसर, लैब टेक्निशियन, नर्स और ड्राइवर की दक्ष टीम तैनात रहती है। निःशुल्क जांचः बीपी, शुगर, मलेरिया और हीमोग्लोबिन जैसी महत्वपूर्ण जांचें मौके पर ही की जाती हैं।अनुभवी डॉक्टरों द्वारा चिकित्सा सलाह के साथ-साथ मुफ्त दवाइयां भी वितरित की जा रही हैं।

छत्तीसगढ़ की क्रिकेट प्रतिभाओं को तराशेंगे पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अमय खुरासिया

■ भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हैं अमय खुरासिया

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को अब देश के श्रेष्ठ प्रशिक्षक का मार्गदर्शन मिलेगा। पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर श्री अमय खुरासिया छत्तीसगढ़ के नए मुख्य कोच होंगे। श्री खुरासिया के मार्गदर्शन में केरल की टीम 74 साल के रणजी ट्रॉफी इतिहास में पहली बार फाइनल तक पहुंची थी।

उल्लेखनीय है कि श्री अमय खुरासिया भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हैं। उन्होंने वर्ष 1999 के विश्व कप में भारतीय क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व किया। बांग्लादेश में सार्क क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय-ए क्रिकेट टीम की कप्तानी की और भारतीय टीम संयुक्त विजेता रही। करियर में 12 अंतरराष्ट्रीय वनडे (1999-2001) मैच खेले। कुल 119 प्रथम श्रेणी मैच (1989-2006) खेलने का अपार अनुभव भी श्री खुरासिया के पास है। मध्य प्रदेश का जूनियर वर्ग से लेकर रणजी टीम तक लंबे समय तक नेतृत्व किया। बीसीसीआई के लेवल-सी कोच की डिग्री हासिल की। पिछले 23 साल से बतौर प्रशिक्षक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वे 10 वर्ष तक मध्य प्रदेश क्रिकेट संगठन के मुख्य कोच रहे और इस दौरान आरसीबी के वर्तमान कप्तान रजत पाटीदार, आक्रामक बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर, तेज गेंदबाज आवेश खान सहित कई युवाओं को तैयार किया, जो अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने खेल का धमाल मचा रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ और पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अमय खुरासिया के बीच राज्य में क्रिकेट के विकास को लेकर सकारात्मक चर्चा के बाद बतौर मुख्य कोच उन्हें अनुबंधित करने का निर्णय हुआ। इस दौरान छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के निदेशक बलदेव सिंह भाटिया, निदेशक विजय शाह एवं अन्य समिति सदस्य उपस्थित थे। श्री अमय खुरासिया ने इस दौरान कहा- छत्तीसगढ़ के युवा बहुत प्रतिभाशाली हैं।

जामगुड़ा में 3 हैंडपंपों, एक सोलर पंप और एक पॉवर पंप से लोगों को मिल रहा पानी

रायपुर/नवप्रदेश। बस्तर जिले के पिपलावंड ग्राम पंचायत के जामगुड़ा बसाहट में अभी 3 हैंडपंपों, एक सोलर पंप और एक पॉवर पंप से लोगों को पानी मिल रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने ग्रीष्म काल में रनिंग वाटर की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए स्कूल परिसर के नलकूप की जल आवक क्षमता का परीक्षण कर 2 हॉर्स-पॉवर का पंप लगाकर स्कूल के साथ ही जामगुड़ा बसाहट में कनेक्शन के निर्देश सहायक अभियंता को दिए हैं। जल जीवन मिशन के अंतर्गत कोसारटेड़ा समूह जलप्रदाय योजना से जामगुड़ा में पाइपलाइन से जल की आपूर्ति होती है। पहले से संचालित समूह

जलप्रदाय योजना में रेट्रोफिटिंग के माध्यम से पिपलावंड में जल आपूर्ति की व्यवस्था बनाई गई है। रेट्रोफिटिंग योजना के तहत यहां 70 लाख 29 हजार रुपए की लागत से 3530 मीटर पाइपलाइन बिछाकर और दो सोलर जलापूर्ति सिस्टम स्थापित कर 237 एफएच.टी.सी. प्रदान किए गए हैं, जिनके काम पूर्ण किए जा चुके हैं। पिपलावण्ड कोसारटेड़ा समूह जलप्रदाय योजना का अंतिम छोर का गांव है, जिसके कारण ग्रीष्म काल में दो महीने टंकी नहीं भरने के कारण पेयजल व्यवस्था बाधित रहती है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जगदलपुर परिक्षेत्र के अधीक्षण अभियंता और कार्यपालन अभियंता ने आज पिपलावंड एवं जामगुड़ा का दौरा कर पेयजल आपूर्ति की व्यवस्थाएं देखीं तथा मैदानी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पेयजल के लिए एक हजार की आबादी वाले पिपलावंड में अभी 14 कार्यरत हैंडपंप, दो पॉवर पंप और दो सोलर पंप हैं। वहीं 300 जनसंख्या वाले गांव के जामगुड़ा बसाहट में 3 हैंडपंपों, एक सोलर पंप और एक पॉवर पंप से लोगों को पानी मिल रहा है।

मोबाइल झपटमारी कांड का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर पुलिस ने मोबाइल झपटमारी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से झपटे गए मोबाइल सहित कुल 12 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जबकि मामले में शामिल अन्य तीन आरोपियों की तलाश जारी है।

मामला थाना पंडरी क्षेत्र का है, जहां अपराध क्रमांक 108/2026 के तहत प्रार्थी धनंजय सरकार ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार 21 अप्रैल 2026 की शाम करीब 7 बजे सीआईपी तिराहा, शंकर नगर रोड मोवा के पास खड़े रहने के दौरान अज्ञात आरोपियों ने उनके हाथ से सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन झपट लिया और फरार हो गए।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION COMPANY LIMITED
(C.G. Govt. Undertaking) CIN-U40108CT2003SGC015820 GST - 22AADCC5773E1ZX
CHHATTISGARH STATE LOAD DESPATCH CENTRE: RAIPUR

No.: 03-02/SLDC/e-bidding/TR-268/208 Raipur, Dtd.: 29/04/2026

e-Notice Inviting Tender (e-NIT)

Tender No.: TR-268
Name of the Work: **Tender for Supply, Integration and Maintenance of Web API ID Based SMS Gateway Service for 37 Lakhs SMS with Unlimited Validity and Gmail Enterprise Mail Services For Five (05) Years.**
Online bids are invited through CSPTCL Tendering System (SAP-SRM) from Eligible Contractor/ Agencies who fulfill the Pre-Bid Qualification Criteria is opened & will be allowed registration for this tender till following date.

Important Dates:
Last date for Submission of Tender Document: 21/05/2026, upto 12:00 PM Only.
Date of opening of Tender Document: 21/05/2026 at 12:30 PM
The detailed Tender is also available at our official website: www.sldccg.com & www.cspc.co.in

CHIEF ENGINEER
SLDC, CSPTCL, RAIPUR
// Save Electricity // S- 47689/1

कोड़ेबोड़ सूक्ष्म सिंचाई योजना के लिए 31.73 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा धमतरी जिले के विकासखण्ड-कुरूद की कोड़बोड़े सूक्ष्म सिंचाई योजना के लिए 31 करोड़ 73 लाख रुपये स्वीकृत किये गये हैं। योजना से 1054.25 हेक्टेयर खरीफ क्षेत्र में सिंचाई किया जाना प्रस्तावित है।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD
(A SUCCESSOR COMPANY OF CSEB) (A GOVT. OF CHHATTISGARH UNDERTAKING)
OFFICE OF CHIEF ENGINEER (CIVIL) Shed No.5, Dangania, Raipur (CG)- 492013
Phone No. : 0771-2574581 e-mail : ceciviltrans.raipur@cspc.co.in
Fax No. : 0771-2574146 Website : www.cspc.co.in

No.-04-01/Trans./Works/407 Raipur, dtd:30.04.2026

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited from eligible/experienced contractors for following works:- **1. Tender Spn.No.-04-01/C-Trans./W/26-27/06, Rfx No.- 8100051088,** Providing and laying of PCC over the existing road side berms at 400/220 KV S/s CSPTCL, Dhardei.; **NIT Value:**-Rs. 14.05 Lakhs **EMD:**- Rs. 14,100/, **Completion Period:- 04** Months. **2. Tender Spn.No.-04-01/C-Trans./W/26-27/07, Rfx No.- 8100050750**, Construction of 02 Nos. additional 33 KV feeder bays at 132 KV S/s Koni under S/s Dn. CSPTCL, Bilaspur for providing connectivity to 33 KV Circuit House & Chantidih feeders of CSPDCL.; **NIT Value:**- Rs. 8.83 Lakhs **EMD:**- Rs. 8,900/-, **Completion Period:- 03** Months. Cost per tender document to be submitted online for tender at **Sl. No.- 01, 02 is Rs.2000/- (i/c GST).** Last date for submission of bids upto 12:15 Hrs. on **dt. 25.05.2026 for Sl. No.- 01; dt. 26.05.2026 for Sl. No.- 02.** The tender document can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal.

S- 47681/1 (Sanjay Tiwari)
//Save Electricity// CE (Civil) CSPTCL, Raipur

कार्यालय नगरपालिका परिषद् दन्तेवाड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

क्रमांक / 176/ नि0आ0सू0 / न0पा0परि0/2026-27 दन्तेवाड़ा, दिनॉकः 30/04/2026

ई-टेण्डर निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों/एजेंसी/कंपनी से निम्नलिखित कार्य हेतु नगरपालिका परिषद, दंतेवाड़ा द्वारा ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

सिस्टम ई-टेण्डर न.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि (लाख में)	निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की अंतिम तिथि
190089	निकाय क्षेत्रांतर्गत विभिन्न शासकीय भवनों में रैनवाटर हार्वेस्टिंग कार्य	4.13	21.05.2026
190092	वार्ड क्र. 14 में जिला अस्पताल में शौचालय निर्माण कार्य दन्तेवाड़ा	4.17	
190099	वार्ड क्र. 11 दन्तेश्वरी प्राथमिक शाला भवन मरम्मत एवं आहाता निर्माण कार्य हेतु दन्तेवाड़ा	6.58	
190101	माता दन्तेश्वरी तालाब में केनोपी वॉक ब्रिज निर्माण कार्य	11.82	

2. उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट http://uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ0ग0)

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
2nd Call

NIT NO: 08 RAIPUR DATED: 30.04.2026
Online bids are invited for the following works up to **16.05.2026 at 17:30 hours.**

Sr. No.	System Tender No.	Name of work / Description of work	Probable amount of contract (In Lacs)
1	190125	पं रविशंकर शुक्ल वार्ड क्र. 34 अंतर्गत राजातालाब में अहिल्या बाई चौक से अर्जुन चौक तक 150 एम.एम. डी.आई. पाईप लाईन बिछाने एवं इंटरकनेक्शन का कार्य। **(द्वितीय निविदा)**	20.88

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal **https://eproc.cgstate.gov.in** from **30.04.2026 17.30 Hours** (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal NIT Details and other documents.

NOTE: -
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18004199140** or through Email ID **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSIONER
ZONE - 04
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

बुद्ध पूर्णिमा पर मेयर मीनल समेत जनप्रतिनिधियों ने दी शुभकामनाएं

स्वच्छ सर्वेक्षण में सहभागिता की अपील

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी तथा स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर सहित एमआईसी सदस्यों, जोन अध्यक्षों और पार्षदों ने तथागत भगवान बुद्ध की जयंती एवं बुद्ध पूर्णिमा (1 मई 2026) के पावन अवसर पर सभी बौद्ध धर्मावलंबियों और नगरवासियों को अग्रिम शुभकामनाएं दी हैं। जनप्रतिनिधियों ने अपने संदेश में कहा कि भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और मानवता के उपदेश आज भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में सद्भाव, सकारात्मकता और लोककल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने सभी नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और शांति की कामना की।

इस अवसर पर नगर निगम प्रतिनिधियों ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 में रायपुर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने के लिए नागरिकों से सक्रिय सहभागिता की अपील भी की। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में स्वच्छता ऐप पर फीडबैक देकर शहर को शीर्ष रैंक दिलाने में योगदान देने का आग्रह किया।

तेज रफ्तार बस ने ट्रक को मारी टक्कर, 15 से ज्यादा यात्री घायल

कई की हालत गंभीर

कवर्धा/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले में एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया है, जहां रायपुर-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर तेज रफ्तार बस और ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसा पोंडी चौकी क्षेत्र के पोंडी बायपास के पास हुआ, जहां यात्रियों से भरी बस ने सामने चल रहे ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जा घुसी।

जानकारी के अनुसार, बस में करीब 60 से अधिक यात्री सवार थे, जो जबलपुर से रायपुर की ओर जा रहे थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दुर्घटना में 15 से ज्यादा यात्री घायल हो गए हैं, जिनमें से 3 से 4 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया और एंबुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में घायलों का इलाज जारी है, जहां गंभीर रूप से घायल यात्रियों को विशेष निगरानी में रखा गया है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह बस की तेज रफ्तार और चालक की लापरवाही मानी जा रही है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और बस चालक से पूछताछ की जा रही है। इस हादसे ने एक बार फिर राष्ट्रीय राजमार्गों पर तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी के खतरनाक परिणामों को उजागर कर दिया है।

रोटी मांगने पर विवाद, नाती ने दादी की कर दी हत्या

कवर्धा/नवप्रदेश। पिपरिया थाना क्षेत्र के ग्राम कोको से एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवक ने मामूली विवाद के चलते अपनी ही दादी की हत्या कर दी, जिससे पूरे गांव में सनसनी फैल गया है।

पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान बुधन बाई पात्रे 80 वर्ष के रूप में हुई है। आरोपी जितेंद्र पात्रे 30 वर्ष ने रोटी मांगने को लेकर हुए विवाद के बाद इस घटना को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच कहासुनी बढ़ गई, जिसके बाद आरोपी ने गुस्से में आकर धारदार टांगिया से दादी पर हमला कर दिया। हमले के बाद बुजुर्ग महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

घटना के समय घर के अन्य सदस्य खेत में काम करने गए हुए थे, जिसके कारण घर में कोई भी मौजूद नहीं था। वारदात की खबर जैसे ही गांव में फैली, लोग स्तब्ध रह गए और देखते ही देखते मौके पर भीड़ जमा हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सूचना मिलने पर पिपरिया पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक जांच में घरेलू विवाद को घटना की मुख्य वजह बताया जा रहा है। इस घटना ने न सिर्फ एक परिवार को तोड़ दिया, बल्कि समाज के सामने भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

रायपुर मंडल में 13 रेलकर्मी सेवानिवृत्त सम्मान समारोह में दी गई भावभीनी विदाई

रायपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में गुरुवार 30 अप्रैल 2026 को एक गरिमामय समारोह में 13 रेलकर्मियों को सेवानिवृत्ति पर विदाई दी गई। विभिन्न विभागों में कार्यरत इन कर्मचारियों ने अप्रैल 2026 में अपनी लंबी और समर्पित सेवा पूरी कर सामान्य सेवानिवृत्ति प्राप्त की। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक दयानंद, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राहुल गर्ग तथा सहायक कार्मिक अधिकारी महेंद्र कुमार शर्मा सहित सेवानिवृत्त कर्मचारी, उनके परिजन, कल्याण निरीक्षक और बंदोबस्त अनुभाग के कर्मचारी मौजूद रहे। सेवानिवृत्त होने वाले 13 कर्मचारियों में यांत्रिकी विभाग से 3, इंजीनियरिंग विभाग से 3, परिचालन विभाग से 2, वाणिज्य विभाग से 2, सामान्य प्रशासन से 1, लेखा विभाग से 1 और विद्युत विभाग से 1 कर्मचारी शामिल हैं। इस अवसर पर सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को सेवानिवृत्ति भुगतान प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। ई-पेमेंट के माध्यम से कुल 5 करोड़ 76 लाख 37 हजार 696 रुपये का भुगतान किया गया। साथ ही पेंशन भुगतान आदेश, पहचान पत्र एवं कर्मचारियों व उनके आश्रितों के पास कार्ड भी वितरित किए गए।

पुलिस को बड़ी सफलता, अप्रैल में 226 गुमशुदा लोगों का पता चला

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर पुलिस ने पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान ÷ऑपरेशन तलाश÷ के तहत उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अप्रैल माह में पश्चिम क्षेत्र के 9 थानों में समन्वित कार्रवाई करते हुए कुल 226 गुमशुदा लोगों की दस्तयाबी सुनिश्चित की गई, जिनमें 213 वयस्क और 13 नाबालिग बालक-बालिकाएं शामिल हैं। अभियान के दौरान नाबालिग बच्चों की सुरक्षित बरामदगी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में यह अभियान सतत रूप से संचालित किया गया। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) संदीप पटेल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा तथा सहायक पुलिस आयुक्तों के मार्गदर्शन में आज़ाद चौक, सरस्वती नगर, कबीर नगर, पुरानी बस्ती, डीडी नगर, आमानाका, न्यू राजेन्द्र नगर, टिकरापारा और मुजगहन थानों में लगातार कार्रवाई की गई। थानावार आंकड़ों के अनुसार, थाना डीडी नगर में सर्वाधिक 82 मामलों (80 वयस्क, 2 नाबालिग) की दस्तयाबी हुई। इसके बाद टिकरापारा में 53 (51 वयस्क, 2 नाबालिग) और पुरानी बस्ती में 27 (24 वयस्क, 3 नाबालिग) लोगों का पता लगाया गया। अन्य थानों में भी उल्लेखनीय कार्यवाही करते हुए आज़ाद चौक से 6, सरस्वती नगर से 2, कबीर नगर से 10, आमानाका से 18, न्यू राजेन्द्र नगर से 17 और मुजगहन से 11 गुमशुदा व्यक्तियों को खोज निकाला गया।

हेरोइन के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार, थार वाहन सहित 11 लाख का मशरूका जब्त

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में तीन आरोपियों को चिट्टा (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 18.38 ग्राम हेरोइन, एक थार वाहन और चार मोबाइल फोन जब्त किए हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 11 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार 29 अप्रैल 2026 को सूचना मिली थी कि अमलीडीह स्थित स्टार वैली स्कूल के पास एक काले रंग की थार वाहन में तीन व्यक्ति मादक पदार्थ बेचने की फिराक में हैं। सूचना पर पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) संदीप पटेल के मार्गदर्शन में एडीसीपी राहुल देव शर्मा, एसीपी इशू अग्रवाल एवं नवनीत पाटिल के पर्यवेक्षण में टीम गठित कर कार्रवाई की गई।

आदतन नशा कारोबारी जावेद उल्ला पर पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत डिटेंशन ऑर्डर

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर पुलिस ने सूखे नशे के विरुद्ध अभियान÷ के तहत एक बड़ी निवारक कार्रवाई करते हुए आदतन मादक पदार्थ कारोबारी जावेद उल्ला के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। आरोपी के विरुद्ध मादक पदार्थ अवैध व्यापार निवारण अधिनियम 1988 (पीआईटी एनडीपीएस एक्ट) के तहत डिटेंशन ऑर्डर जारी किया गया है। यह आदेश रायपुर संभाग के न्यायालय आयुक्त सह निरुद्धकर्ता अधिकारी महादेव कावरे द्वारा पारित किया गया। आदेश के अनुसार आरोपी को तीन माह के लिए केंद्रीय जेल रायपुर में निरुद्ध किया जाएगा, ताकि उसकी आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com